शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम, डीसीएम राज्य को लूट रहे हैं और गांधी परिवार को काला धन दे रहे: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 05 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-217

वक्फ बोर्ड की अराजकता पर लगाम लगाएगी केंद्र सरकार

अब नहीं चलेगी वक्फ बोर्ड की मनमानी

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड की अराजकता पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने वक्फ अधिनियम में करीब 40 संशोधन किए हैं। नया वक्फ अधिनियम आने के बाद वक्फ बोर्ड की मनमानियों पर लगाम कसेगी। कुछ समय पहले खबर आई थी कि वक्फ बोर्ड ने पूरे गांव को ही अपनी सम्पत्ति होने का दावा कर दिया था। सरकारी जमीनों पर दावा करने के तो मामले अक्सर आते ही रहते हैं। वक्फ बोर्ड के ऐसे दावों को नियंत्रित करने के लिए सरकार उसकी शक्तियों पर अंकुश लगाने की तैयारी कर रही है। मोदी सरकार संसद के जारी मानसून सत्र में सोमवार 5 अगस्त को वक्फ एक्ट में संशोधन बिल पेश कर सकती है। वक्फ अधिनियम 1995 का दुरुपयोग करते हुए वक्फ बोर्ड जिस तरह देश की हर सम्पत्ति पर अपना अधिकारी जताने लगता है उस तरह की अराजकता और मनमानियों पर अब अंकुश लगेगा। सरकार इस बात

जिस सम्पत्ति पर नजर गड़ी उसे अपनी जायदाद बता देता था वक्फ बोर्ड

पर विचार कर रही है कि उन सम्पत्तियों के लिए सत्यापन अनिवार्य होगा जिनके लिए वक्फ बोर्ड और मालिकों के बीच विवाद है। कैबिनेट ने वक्फ अधिनियम में लगभग 40 संशोधन को दो अगस्त को मंजूरी दे दी। इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य वक्फ बोर्ड की किसी भी सम्पत्ति को वक्फ सम्पत्ति बनाने की शक्तियों पर अंकुश लगाना है। वक्फ के इन दावों के कारण अक्सर विवाद और समानांतर कानून-व्यवस्था चलाने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। केंद्र इस निरंकुशता को खत्म करना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान एनडीए सरकार इस संशोधन को 5 अगस्त 2024 को संसद में रख सकती है। 5 अगस्त का दिन विशेष महत्व रखता है। मोदी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का बिल संसद में पेश किया था। इसके बाद पीएम मोदी द्वारा 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया था।

प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, वक्फ बोर्डों द्वारा सम्पत्तियों पर किए गए या किए जाने वाले दावों का सत्यापन अनिवार्य किया जाएगा। वक्फ बोर्ड की विवादित सम्पत्तियों के लिए भी सत्यापन करना अनिवार्य होगा। इससे विभिन्न राज्यों के वक्फ बोर्डों द्वारा जमीनों एवं अन्य सम्पत्तियों को किए जाने वाले दावों पर अंकुश लगेगी। इससे विवादों को रोकने में भी मदद मिलेगी।

▶10पर

वक्फ बोर्ड ने 5 स्टार होटल पर ठोक दिया था दावा

हैदराबाद, 04 अगस्त (एजेंसियां)। इसी तरह का मामला अप्रैल 2024 में हैदराबाद में सामने आया था। तेलंगाना वक्फ बोर्ड ने राजधानी के एक नामी 5 स्टार होटल मैरियट को ही अपनी जागीर घोषित कर दिया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने उसके इस मंसूबे को धराशायी कर दिया था। दरअसल, साल 1964 में अब्दुल गफूर नाम के एक व्यक्ति ने तब वायसराय नाम से चर्चित इस होटल पर अपना हक जताते हुए मुकदमा कर दिया था। मुकदमे में वक्फ अधिनियम 1954 का हवाला दिया गया था, जिसकी वजह से होटल मैरियट की सम्पत्ति विवादित घोषित हो गई थी। लगभग 50 वर्षों तक वक्फ बोर्ड ने यह मामला कानूनी पेचीदगियों में उलझाए रखा। साल 2014 में एक बार फिर से तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड होटल मैरियट के खिलाफ सक्रिय हुआ। मामला हाईकोर्ट में पहुंचा तो अंतिम फैसला होटल मैरियट के पक्ष में आया।

हिंदुओं के पूरे गांव को ही वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया था

चेन्नई, 04 अगस्त (एजेंसियां)। सितंबर 2022 में तमिलनाडु से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया था, जहां वक्फ बोर्ड ने हिंदुओं के पूरे गांव 1100 साल पुराने मंदिर पर दावा ठोक दिया था। तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड ने त्रिची के नजदीक स्थित तिरुचेंथुरई गांव को वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया था। जब राजगोपाल नाम के व्यक्ति ने अपनी जमीन बेचने का प्रयास किया तो यह मामला समाने आया था।

राजगोपाल जब अपनी जमीन बेचने के लिए रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचे तो उन्हें पता चला कि जिस जमीन को बेचने के बारे में वह सोच रहे हैं वह उनकी है ही नहीं बल्कि, जमीन वक्फ हो चुकी है और अब उसका मालिक वक्फ बोर्ड है। इतना ही नहीं, सारे गांव वालों की जमीन ही वक्फ सम्पत्ति घोषित हो चुकी थी। इसके बाद यह मामला राष्ट्रीय सुर्खी बनी थी।

आतंकियों के मददगारों पर जम्मू कश्मीर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

पांच पुलिसकर्मी और एक शिक्षक बर्खास्त

श्रीनगर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने 6 ऐसे सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है, जो आतंकियों के साथ मिल कर काम कर रहे थे। यह पूरा गिरोह आतंकी फंडिंग से जुड़ा हुआ था। ये ड्रग्स का धंधा कर के उन पैसों से आतंकियों की मदद करते थे। इसीलिए, इन सभी कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से नौकरी से निष्कासित कर दिया गया है। इनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। ये सब पाकिस्तान की ख़ुफ़िया एजेंसी आईएसआई द्वारा बनाए गए टेरर नेटवर्क से जुड़े थे।

ड्रग्स तस्करी से आतंकियों की फंडिंग कर रहे थे अब तक 70 गद्दार कर्मचारी बर्खास्त हो चुके हैं

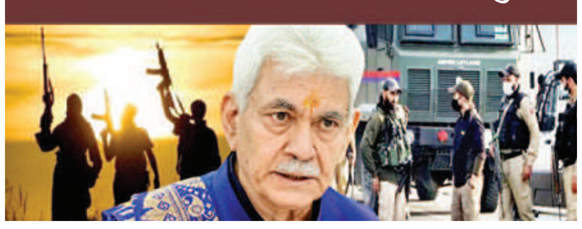

जिन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है, उनमें 5 पुलिसकर्मी और एक शिक्षक शामिल है। पाकिस्तान ने पंजाब की तरह ही जम्मू कश्मीर में भी युवाओं को ड्रग्स का आदी बनाने की साजिश कर रखी है, जिसके तहत प्रदेश में ड्रग्स की सप्लाई की जाती है और इस अवैध धंधे से हुई कमाई का इस्तेमाल आतंकी वारदातों के लिए किया जाता है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) में निहित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें बर्खास्त किया है।

जिन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है, उनमें शामिल हैं कॉन्स्टेबल फारूक अहमद शेख, खालिद हुसैन शाह, रहमत शाह, इरशाद अहमद चालकू, सैफ दीन और सरकारी शिक्षक नज़म दीन। संविधान में उपर्युक्त अनुच्छेद के तहत प्रावधान है कि अगर कोई देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करता है तो राष्ट्रपति या उपराज्यपाल बिना किसी जांच के उसे तत्काल सेवा से हटा सकते हैं। 2019 में अनुच्छेद-370 को निरस्त किए जाने के बाद से लेकर अब तक 70 ऐसे गद्दार कर्मचारी बर्खास्त किए जा चुके हैं। फारूक अहमद शेख 2000 से ही सेवा में था और कुपवाड़ा में पदस्थापित था। खालिद हुसैन शाह 2009 से वहीं ड्यूटी पर था। इरशाद अहमद चालकू 2009 से अनंतनाग में पदस्थापित था। सैफ दीन तो 1995 से ही पुलिस की नौकरी में था। शिक्षक नज़म दीन 2006 से ही पुंछ में काम कर रहा था। इन सबके पास से ड्रग्स भी बरामद हुए हैं।

जून 2024 में भी ऐसे 4 कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई थी। इनमें भी 2 पुलिसकर्मी शामिल थे।

▶10पर

देवेंद्र फडणवीस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं से मुलाकात की

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष हो सकते हैं फडणवीस

नागपुर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को नागपुर में आरएसएस नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान फडणवीस ने नागपुर के रेशिमबाग स्थित आरएसएस मुख्यालय डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा किया। फडणवीस और आरएसएस नेताओं के बीच बैठक संगठनात्मक मामलों से संबंधित थी, जिसमें महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों से पहले आरएसएस और भाजपा नेताओं में तालमेल बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

इस मुलाकात को लेकर आधिकारिक तौर पर न तो भाजपा और न ही आरएसएस इस बैठक पर कोई टिप्पणी करने को तैयार है। भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के नेतृत्व वाले सभी दक्षिणपंथी संगठनों के बीच

आखिर भाजपा को आरएसएस की शरण में आना ही पड़ा

देवेंद्र इसके पहले भी भागवत का आशीर्वाद लेकर गए थे

समन्वय बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी हार का कारण बनी कमियों को दूर करने के लिए आरएसएस और संबद्ध संगठनों के समर्थन पर निर्भर है, जिसमें भाजपा ने 28 में से केवल नौ सीटें जीतकर बहुत खराब प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली गठबंधन सहयोगी शिव-सेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ, यह 48 में से केवल 17 सीटें जीतने में सफल रही। जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने 30 सीटें जीतीं। अक्टूबर में संभावित विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा अपनी चुनावी स्थिति सुधारने के लिए कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहती। पार्टी को महायुति के भीतर भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां शिंदे और अजित पवार दोनों ही अपने संगठन और चुनावी संख्या को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि राज्य सरकार ने पहले ही लाडली बहन योजना, किसानों को मुफ्त बिजली और युवाओं को वजीफा जैसी कई लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की है, लेकिन रणनीतिकारों का मानना है कि आम जनता तक पहुंचने के लिए कार्यकर्ताओं के व्यापक समर्थन की आवश्यकता होगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि पार्टी 9 से 16 अगस्त तक एक आउटरीच कार्यक्रम की योजना बना रही है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 72,730/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 85,605/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 22°

कांग्रेस नेता के दोगले रवैये पर भाजपा नेता का कड़ा प्रहार

सपा नेता द्वारा नाबालिग से रेप पर राहुल चुप

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या के भदरसा में नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में मुख्य आरोपी समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान की हरकत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुप क्यों हैं? भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने राहुल गांधी की चुप्पी पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 4 जून से रोज सुबह उठकर अयोध्या-अयोध्या करते थे। लेकिन, जिस दिन पता चला कि अयोध्या में दलित की 12 साल की बेटी से जेहादी मोईद खान ने बलात्कार किया है, उस दिन से वो एकदम चुप हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी मुस्लिम अपराधी के खिलाफ कुछ नहीं बोलेंगे फिर बलात्कार जैसा जघन्य अपराध क्यों न हुआ हो। इस घटना पर राहुल दलित, ओबीसी, आदिवासी सब भूल गए।

भाजपा नेता डॉ संतोष व्यास ने कहा, अमेठी गेस्ट हाउस में भी सामूहिक बलात्कार हुआ था। बेचारी सुकन्या आज इस दुनिया में है या नहीं और अगर है भी तो कहां है, किसी को नहीं मालूम? उस वक्त भी पुलिस चौकी इंचार्ज ने एफआईआर नहीं लिखी थी, कोई एक्शन इसलिए नहीं हुआ था कि सरकार कांग्रेस की ही थी। भाजपा नेता के बयान पर एक आम नागरिक ने कहा, लड़की हूं लड़ सकती हूं बोलने वाली प्रियंका गांधी भी ग़ायब हैं।

राहुल समेत सारा टुकड़े टुकड़े गैंग चुप है

बेगूसराय, 04 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया। गिरिराज ने कहा कि अयोध्या में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। लेकिन विपक्षी नेता इस पर बोलना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं, क्योंकि अयोध्या की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने वाले आरोपी मुस्लिम हैं। इसलिए राहुल गांधी की जुबान बंद है। भाजपा नेता ने कहा कि अयोध्या दुष्कर्म मामले पर अखिलेश यादव, लालू यादव और तेजस्वी यादव सब की जुबान बंद है। सारे टुकड़े-टुकड़े गैंग की जुबान बंद है। जब भारत के सनातन पर चोट करनी होती है तो ये सब एकजुट होकर सनातन को तोड़ने में लग जाते हैं।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या के भदरसा में नाबालिग लड़की के साथ सपा नेता मोईद खान ने लगातार रेप किया। उसने वीडियो बना कर रख लिया था और उसे ब्लैकमेल करके उसका यौन शोषण करता रहा। यहां तक कि सपा नेता के नौकर राजू खान ने भी उस लड़की से बलात्कार किया। लड़की के गर्भवती होने के बाद यह मामला खुला। दोनों बलात्कारी गिरफ्तार हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उसके घर पर बुलडोजर चला दिया है। दूसरे एक सपा नेता राशिद खान और उसके गुर्गों ने रेप पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे डाली।

उसके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज हो गई है। इसके बावजूद मोहब्बत की दुकान चलाने वाले राहुल गांधी शातिराना चुप्पी साधे बैठे हैं।

आतंकी संगठन अलकायदा के नाम पर आया ईमेल संदेश

बिहार के मुख्यमंत्री का दफ्तर बम से उड़ा देंगे

पटना, 04 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय को आतंकी संगठन अल कायदा के नाम पर ई-मेल के जरिए धमकी भरा संदेश भेजा गया है। धमकी दी गई है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ऑफिस बम से उड़ा दिया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

जांच में जुटा एटीएस, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई

प्रतिबंधित पीएफआई का हाथ होने की पूरी आशंका

औपचारिक रूप से भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) मामले की जांच कर रहा है। इस ई-मेल खुराफात के पीछे प्रतिबंधित आतंकी संगठन पीएफआई का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

सचिवालय थाने में थानेदार संजीव कुमार के बयान पर केस दर्ज कराया गया। पिछले दिनों मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक ईमेल पर मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ा दिए जाने की धमकी वाला मैसेज आया। यह मैसेज अलकायदा ग्रुप के नाम से भेजा गया था। ईमेल पर धमकी देने के लिए achw700gmail.com आईडी का इस्तेमाल किया गया था। एटीएस और साइबर पुलिस संबंधित ई-मेल आईडी का पता लगाने में जुटी है। इससे पहले पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 351(4) (3) और 66 (एफ) आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। इस पूरे मामले की सचिवालय थाने की पुलिस छानबीन कर रही है।

ई-मेल भेजने वाले ने दावा किया है कि वह अल-कायदा से जुड़ा है और उसने मुख्यमंत्री कार्यालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने बताया कि प्राथमिक जांच के बाद दो अगस्त 2024 को एफआईआर दर्ज की गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले पटना एयरपोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। यह धमकी भी ईमेल के जरिए भेजी गई थी।

▶10पर

महापुरुषों का साहित्य, ज्ञान और आदर्श सदैव हमारे साथ रहेगा : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने आचार्य आनंद ऋषि के 124 वें और उपाध्याय केवलमुनि के 111वें जन्मोत्सव के अवसर पर कहा कि आनंद ऋषि अपने युग के अद्वितीय महान संत थे। उन्होंने भारतीय धर्म दर्शन और जैन आगमो का गहरा अध्ययन किया। गुरु आनंद आनंद के देवता थे। जन जन की आस्था के केंद्र थे। जो भी गुरु आनंद का नाम लेते उनका बेड़ा पार हो जाता है। ऐसी अलौकिक शक्ति उनके नाम मात्र में है। आचार्य का सम्पूर्ण जीवन अलौकिक गुणों का संगम स्थल था। विनय, सरलता, गुरु भक्ति और समभाव की साधना उनके

जीवन की महान अंतरंग साधना थी। उनके आनंद प्रवचन बहुत ही विख्यात हुए। उन्होंने गहरा ज्ञान अपने प्रवचनों में संजोया। संघ समाज का संगठन ही आपका उद्देश्य था। आचार्य आनंदऋषि कई शिक्षण संस्थानों के संस्थापक थे। उनके नाम से अहमदनगर में आनंदऋषि अस्पताल आज भी संचालित है। वे अठारह भाषा के ज्ञाता थे। उन्होंने जीवन के 80 वें वर्ष में भी पारसी भाषा का अध्ययन किया। आचार्य आनंद श्रमण संघ के शिरोमणि थे सरताज थे। उपाध्याय केवलमुनि का गुण-गान करते हुए उन्होंने कहा कि केवलमुनि एक सरल महाविभूति थे। जिनकी वाणी के अंदर माधुर्य था, व्यक्तित्व के अंदर आकर्षण था। जो एक बार उनके दर्शन कर लेता उनको मधुर वाणी को उनके व्यक्तित्व को कभी भुला नहीं पाता। शिक्षा और साहित्य में उनकी विशेष रुचि थी। साहित्य के सम्राट थे। 100 से भी अधिक ग्रंथों की रचना की। उन्होंने अपने संयम जीवन में त्याग और वैराग्य की अनेक प्रेरणादायक कहानियाँ लिखीं। उन्होंने सात दशक तक संयम जीवन में जिनशासन की सेवा की मानवता की सेवा की। वें महापुरुष भले ही आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका साहित्य, उनका ज्ञान और उनके आदर्श हमारे साथ है।

रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। इस अवसर पर नेपाल से पधारे लोकेशमुनि के सांसारिक भाई राजकुमार का संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। गुरु जन्मोत्सव पर राजेंद्रकुमार, मोहितकुमार मरलेचा परिवार की ओर से प्रभावना रही। बच्चों को सामायिक आराधना की प्रभावना अजीतमल, पदमचंद भूरट परिवार की ओर से दी गई। दोपहर में त्रिशला महिला मंडल की ओर से गुरु मिश्री - रूप - सुभद्र के जीवन चारित्र पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

प्लास्टिक बोतल रीसाइक्लिंग मशीन का लोकार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर के अंतर्गत प्लास्टिक प्रदूषण को देखते हुए तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में प्लास्टिक बोतल रीसाइक्लिंग मशीन लगाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण के संगान से हुआ। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने मशीन की उपलब्धियों की जानकारी दी। प्लास्टिक हमारे जीवन के लिए किस प्रकार हानिकारक है उस पर प्रकाश डालते हुए मंडल की बहनों में बहुत ही सुंदर लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा ने अपने वक्तव्य के द्वारा योजना की जानकारी देते हुए यह आह्वान किया कि प्रकृति को सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इसके साथ राष्ट्रीय

अध्यक्ष द्वारा मशीन का लोकार्पण किया गया। महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए आभातेमम की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

रा. कार्य स. वीणा बैद, सभा के निवर्तमान् अध्यक्ष प्रकाश गांधी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोकरणा, अर्हम मित्र मंडल के मंत्री विनोद पारख, मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने अपने विचार व्यक्त किये। राष्ट्रीय कन्या प्रभारी अदिति सेखानी, कन्या सह प्रभारी सोनम बागरेचा, रा.कार्य. सदस्य माला कातरेला, मधु कटारिया, अनीता बरडिया की गरिमामय उपस्थिति रही। मशीन की स्थापना में घेवरीदेवी, हेमराज, हरीश सिपानी परिवार का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। जिसके लिए कविता एवं सोनम सिपानी को मंडल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तेयुप मंत्री संजय भटेवरा एवं उनकी टीम, मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री दीपिका गोखरू एवं आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया ने व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन की मातृशक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता सिंह के नेतृत्व में बेंगलूरु मातृशक्ति द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी मातृशक्तियाँ हरियाली के प्रतीक के रूप में हरी साड़ी और हरी चूड़ियों में सज-धज कर शामिल हुईं। महोत्सव में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें विजेता मेहंदी प्रतियोगिता में बेबी सिंह रही। नृत्य प्रतियोगिता में ममता सिंह, सुभाषिनी सिंह और स्वीटी सिंह ने बाजी मारी। गायन में प्रेमशीला सिंह, सुभाषिनी सिंह और रोहिणी सिंह ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। म्यूजिकल चेयर में स्वीटी सिंह और इंदु सिंह विजेता रहीं। जबकि स्पून रेस में काजल सिंह,

पूनम सिंह, रिंकी सिंह और बेबी सिंह ने जीत हासिल की। इन कार्यक्रमों के साथ सावन के सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, समाज के उत्थान के लिए विचार-विमर्श किया गया और भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन की योजनाएं बनाई गईं। ममता सिंह ने समाज में मातृशक्ति के महत्व को परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर बेंगलूरु संयुक्त सचिव इंदु सिंह, व्हाइटफील्ड अध्यक्ष सुभासिनी सिंह, उपाध्यक्ष रोहिणी सिंह, निर्मल सिंह, रिंकी सिंह, सरोज सिंह, प्रेमशीला सिंह, रूपम सिंह आदि महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम ने मातृशक्ति के योगदान को मान्यता दी और समाज के विकास में उनकी भूमिका को रेखांकित किया।

समत्व के महत्व को पहचाने: विपुलदर्शना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रीरामपुरम के भगवान महावीर रोड़ रोड़ स्थित श्रीरामपुरम जैन स्थानक में राष्ट्र संत आनंदऋषि के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गतिमान सप्त दिवसीय कार्यक्रमों के छटे दिन के विषय समत्व के महत्व को समझाते हुए साध्वी विपुलदर्शना ने कहा कि हमे धर्म को देखने के लिये नजर तो मिली है परंतु समझने के लिये नजरिये की कमी है।

हमे छोटी बातों को दिल में न बैठाकर नजरंदाज करना है, अन्यथा जीवन पतन की ओर चला जाएगा। उन्होंने कहा कि हमे भीतर में सदभाव रखते हुए संतुलित एवं संयमपूर्वक जीवन जीना है और यहीं से जीवन के सफलता की शुरुआत होती है। उन्होंने धर्मसभा में कहा कि जहां

जहां पर आत्मा का उत्कर्ष है वहां पर जुड़ने से समत्व की ओर कदम बढ़ते है और बिना समत्व के अत्यंत पुण्योदय एसई प्राप्त इस मनुष्य भव का कोई महत्व नहीं रहता। आचार्य आनंदऋषि के बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने गुरु के प्रति अभिव्यक्ति रखी और अपने गुरु के गुणों को जीवन में उतारा, इन्ही विशेषताओं के कारण उनकी गिनती महापुरुषों में हुई। साध्वी ने रविवार को स्थानक में आयोजित दया के महत्व को बताते हुए कहा कि छः काया की प्रति सहानुभूति रखते हुए उनके साथ दया रखना या उनकी सुरक्षा करने से मनुष्य उच्च गति की ओर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आचार्य आनंदऋषि ने धर्म व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए संघ-संस्थाओं को प्रेरणा देते हुए अनेकों धार्मिक संस्कार स्थलों, स्कूल-कालेजों, गौशालाओं आदि का निर्माण करवाया। श्रीरामपुरम संघ के एवंता बाल मंडल व श्री कन्या मंडल ने नए आचार्य आनंदऋषि के जन्म से लेकर साधु पर्याय की संपूर्ण यात्रा की प्रस्तुति दी। इस शानदार प्रस्तुति से अनेकों श्रावकों को भाव-विभोर होते देखा गया। संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने जानकारी दी कि रविवार के दया दिवस का लाभार्थी भंवरीबाई हीराचंद गुगलिया परिवार रहा। धर्मसभा में बेंगलूरु की अनेकों उपनगरों के साथ हुब्बल्ली, अहमदनगर इत्यादि शहरों के श्रावक भी उपस्थित थे। संचालन संघ की अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

अग्रवाल महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल समाज कर्नाटक की महिला शाखा अग्रवाल महिला मंडल का रेसीडेंसी रोड़ स्थित होटल आदर्श हैमिल्टन में शनिवार दोपहर 3 बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। जिसमे नीरू तायल, अध्यक्ष, सुनीति अग्रवाल सचिव और कविता तायल कोषाध्यक्ष के साथ-साथ 29 समिति सदस्यों ने आगामी कार्यकाल के लिए अपने पद की शपथ ली। आईपीपी अंजू अग्रवाल के साथ अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल और कोषाध्यक्ष अंकित मोदी सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, विमला लाट, माया अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नेहा डालमिया, अंजू अग्रवाल ने भी नवगठित समिति को अपनी शुभकामनाएं दी। समारोह में सम्मानित अतिथियों में अग्रवाल समाज, युवा संघ के समिति सदस्य और अग्रवाल समाज के अन्य वरिष्ठजन उपस्थित थे।

हजारों लोगों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु (रजि.) द्वारा आयोजित 76वीं महाप्रसादी के तहत लगभग 5000 से भी अधिक जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। महाप्रसादी के मुख्य लाभार्थी परिवार स्व.जवरीलाल लीलाबाई की पुण्य स्मृति में ज्ञानचंद -संतोष, मनीष -दिव्य, किमायारा व जीयान बागरेचा मुथा मावली बेंगलूरु, मरुधर में बेडकला निवासी रहे। इस महाप्रसादी में सेवा देने वाले समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चौपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, रतनचंद सिंघवी, प्रकाशचंद बाफना, विनोद

चौरड़िया, विनोद कोठारी, उत्तमचंद चुत्तर, उत्तमचंद मुथा, प्रकाश ओस्तवाल, राजेश कातरेला, अशोक नागोरी, कांतिलाल बोहरा, गौतमचंद मरलेचा, हेमंत बाफना, राजु आंचलिया, विनोद गुलेच्छा, भीकमचंद मुणोत, यशवंत सालेचा, रितु संचेती, बाबू एवं मंजुनाथ राव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात लाभार्थी परिवार का समिति की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। महाप्रसादी का वितरण हर मास की अमावस्या पर मैसूरु बैंक सर्किल, एवेन्यू रोड पर होता है। महाप्रसादी का कार्यक्रम सभी गुरु भगवंतों की प्रेरणा से चल रहा है। उपरोक्त जानकारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने दी एवं समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने कार्यक्रम में सेवा देने वालों को धन्यवाद दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सेकेंड इनिंग्स (हेल्पिंग हैंड्स) द्वारा डॉ. चेतन मेहता को सम्मानित किया गया। गौतमचंद धारीवाल ने बताया कि चेतन मेहता नारे ट्रस्ट के सदस्य भी है। साथ ही ऐसी कई नेक कार्य करने वाली संस्थाओं से जुड़े हुए है और अपनी अमूल्य सेवाएं दे रहे है। आज इस व्यस्त समय में भी चेतन मेहता सेवा कार्यों के लिए अपना समय निकाल कर अपना योगदान देते रहते है। डॉ. चेतन मेहता को इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन लिमिटेड का अध्यक्ष (ज्वेलरी डिविजन) के पद का भी दायित्व मिला है। उनके लिए हमारे ट्रस्ट की ओर से उनको खूब खूब बधाई। इस अवसर पर रतनलाल श्रीश्रीमाल, सुनील गादिया, पारसमल बरलोटा, गौतमचंद धारीवाल, विजय सिंघवी आदि उपस्थित थे।*

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ एवं अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने मैसूरु में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी सुलोचना श्री जी की सुशिष्या श्री प्रियकल्पना श्री जी के प्रवचन श्रवण दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मैसूरु पिंजरापोल गौशाला में गायों को चारा खिलाया गया। खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली एवं युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना ने सभी का स्वागत किया। खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने श्री सुमतिनाथ जैन संघ मैसूरु का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। युवा परिषद के महामंत्री विकास खटोड़ एवं तोफराज गुलेच्छा ने व्यवस्था संभाली। इस अवसर पर कैलाश संखलेचा, भरत पालरेचा, गौतम बाफना, कल्पेश लुंकड़, विकास पारख, गौतम कोठारी, नितेश बोहरा, तेजस छाजेड़, विजय गुलेच्छा, मुकेश धारीवाल, सुशीला भंसाली, परमेश्वरी संखलेचा, नंदा बाफना, रेणु पालरेचा, संगीत पारख, ममता खटोड़, हीना छाजेड़ आदि सदस्य उपस्थित थे।

धार्मिक कार्यक्रमों में युवाओं की उपस्थिति बढ़नी चाहिए: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर में लुणावत स्थानक भवन में रविवार को उपाध्याय प्रवर केवल मुनि व आचार्य आनंद ऋषि की जयंती के साथ ही मुनि बद्रीप्रसाद का संथारा ग्रहण दिवस मनाया गया। इस मौके पर आज के युवा कल के भविष्य विषय पर आयोजित विशेष प्रवचन में राजेशमुनि ने युवाओं को मार्गदर्शन दिया। मुनि ने फरमाया कि युवा वह है, जिसके सपने युवा हैं, जिसकी संकल्प शक्ति मजबूत है, जो आशावादी है, जो हर परिस्थिति में अपनी इच्छाशक्ति को अडिग बनाए रखता है। युवा जिस काम को हाथ में लेता है उसे पूरा करके ही दम लेता है। युवाओं ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से सफलता पाई है। युवाओं में युग परिवर्तन की शक्ति है। युवा आगे आएं तो हर काम सफल हो जाता है, लेकिन धर्म सभाओं में उनकी कम उपस्थिति खटकती है। धर्म में अग्रणी बने बिना उनकी हर सफलता अधूरी है। जो युवा संसार के कामों में आगे है उसे धर्म के काम में भी आगे आना चाहिए। मुनि ने कहा कि जो उम्मीद से भरा हो, जोश से भरा हो तो वह यदि वृद्ध भी है तो वह जवान है। संघर्ष से ही सफलता मिलती है। जो घिसता है, पिसता है, वही चमकता है। युवाओं की शक्ति पॉजिटिव होनी चाहिए और वह शक्ति धर्म में लगनी चाहिए। आज युवा जीभ के स्वाद के लिए अपनी संस्कृति से विमुख हो रहे हैं । ग्लैमर के पीछे अपनी दिशा को भूल गए हैं। मुनि ने युवाओं को मांसाहार, जुआ, मद्यपान आदि से दूर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जिन होटलों में मांसाहार बनता हो उनसे दूरी बनानी चाहिए। बच्चों को संस्कारित करने पर जोर देते हुए मुनि ने कहा कि संस्कारित करने की प्रक्रिया घर से शुरू होती है। घर ही बच्चे की पहली पाठशाला है। माता-पिता के आचरण का बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए माता-पिता का आचरण आदर्श होना चाहिए। बच्चों को डांट फटकार भी लगाएं और प्यार से समझाएं। उनके मित्र बनें, उनके हित चिंतक बनें। आज विश्वास कम होता जा रहा है। यह आज की सबसे बड़ी समस्या है। रिश्तों में अविश्वास गहरा होता जा रहा है। अहंकार के कारण लोग एक दूसरे की सरहना भी नहीं करते। बोध कथाओं के माध्यम से मुनि ने जीवन में मुस्कुराने और धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में रिषभ मुनि भी उपस्थित रहे। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने आगंतुकों का स्वागत किया। धर्मसभा में भारी संख्या में युवा मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *रामनगर जिले के अन्नेदूडी ग्राम के सरकारी विद्यालय में क्रीडा कुटा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी शिवकुमार नायक, प्रधानाध्यापिका सुमति, श्रीधर एवं अन्य शिक्षकों ने सम्मानित किया।*

सीएम, डीसीएम राज्य को लूट रहे हैं और गांधी परिवार को काला धन दे रहे: विजयेन्द्र

हमारा संघर्ष भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने आलोचना की कि राज्य में सत्ता में आई भ्रष्ट कांग्रेस सरकार ने पैसे लूटे और सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार गांधी परिवार को काला दान दे रहे हैं। मैसूरु चलो पदयात्रा के दूसरे दिन रविवार को उन्होंने इंदु बिदादी पर पदयात्रा की शुरुआत की और इस बात पर आपत्ति जताई कि सत्ता पक्ष, जिसे दलितों, अनुसूचित जातियों, संप्रदायों और गरीब लोगों की ओर से विपक्ष को जवाब देना चाहिए, वह विपक्ष से दोबारा सवाल कर रहा है। मुख्यमंत्री राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अहिन्दा विकास के नाम पर सत्ता में आये हैं। आपकी सरकार आने के बाद आपने स्वयं सदन में स्वीकार किया कि उनके विकास के लिए आवंटित धन की लूट हुई है। क्या आपने स्वीकार नहीं किया कि वाल्मीकि निगम में घोटाला हुआ था? उन्होंने मांग की कि आप हमें जवाब दीजिए। उपमुख्यमंत्री

डी.के. शिवकुमार ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह कोई छोटी बात हो। उपमुख्यमंत्री सत्ता के अहंकार से बोल रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की जनता को जवाब दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद बिदादी में टोयोटा फैक्ट्री भी विदेशी राज्य में जा रही है। हमारे राज्य में नये उद्योग-धंधे नहीं आ रहे हैं। युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। आपके अहंकारी व्यवहार के कारण राज्य में विकास नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आलोचना की कि वह बैठे हैं और लूटपाट कर रहे हैं। हम राज्य की जनता की ओर से जो सवाल पूछते हैं, उसका जवाब मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन में भी हमें हमारे सवाल का जवाब नहीं मिला है। अब भी कोई उत्तर नहीं। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि इस पदयात्रा के जरिए हम उन्हें कोड़े मारेंगे और उन्हें ज्ञान सिखाएंगे। क्या उनके इस्तीफे के दिन करीब आ रहे हैं, इस सवाल पर उन्होंने कहा मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है। सिद्धरामैया राज्य के मुख्यमंत्री हैं। वे इस बात पर अड़े थे कि उनके राजनीतिक जीवन में कोई काला धब्बा नहीं है। आज वह कई घोटालों में फंसे हुए हैं। पीएसआई परशुराम ने यादगीर में आत्महत्या कर ली। इसके पीछे का कारण प्रदेश की जनता जानती है। कर्नाटक में सरकारी अधिकारी और ठेकेदार ठेके का पैसा न मिलने पर आत्महत्या कर रहे हैं। इस मौके पर जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, भाजपा के प्रदेश महासचिव सुनील कुमार, सतीश रेड्डी, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, जेडीएस विधायक दल के नेता सीबी सुरेश बाबू, मंजूनाथ, विधायक कृष्णप्पा, पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु, गोपालैय्या, नेता महेश, भाजपा और जेडीएस पार्टियों के सांसद, विधायक, नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता वहां मौजूद थे। इससे पहले विजयेंद्र ने कहा कि मैसूरु चलो पदयात्रा कर्नाटक में भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है। कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अवमानना के नारे लगाये गये। झूठे वादे कर सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने अपना वादाखिलाफी की है। भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उन्होंने अनुसूचित समुदाय के वाल्मीकि निगम से 187 करोड़ रुपये लूटने के लिए पिछड़े वर्ग को सामाजिक न्याय देने का वादा करने वाली सिद्धरामैया सरकार की आलोचना की। उन्होंने मैसूरु के मुडा के तहत भूखंडों में घोटाला कर गरीबों को धोखा दिया। वहां 5 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। मुख्यमंत्री स्वयं भ्रष्ट अधिकारियों को समर्थन और संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि ये मुख्यमंत्री ही हैं जो भ्रष्टाचार के चरम पर पहुंचने से चिंतित हैं और अधिकारियों का समर्थन कर रहे हैं। हमने चुनाव के दौरान कहा था कि एटीएम सरकार गांधी परिवार को काला चंदा देने आ रही है। मुडा अध्यक्ष मारी गौड़ा, जिन्हें स्वयं सिद्धरामैया ने नियुक्त किया था, ने कहा कि मुडा घोटाला हुआ है। उन्होंने अनुसूचित समुदाय के साथ लगातार अन्याय किया है। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार का दूसरा नाम है। विजयेंद्र ने ऐलान किया कि ऐसी कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंका जाएगा। कांग्रेसी भाजपा के भ्रष्टाचार की कहानी बता रहे हैं। वे हमें धमकी दे रहे हैं। हम कांग्रेस सरकार को गिराने जा रहे हैं। सिद्धरामैया का समाजवादी मुखौटा उतर गया है। हमारा संघर्ष व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ है।

अवैध रिसॉर्ट्स, होमस्टे को हटाने के लिए टास्क फोर्स का गठन: मंत्री खंड्रे

आज से शुरू होगी कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वन, जीव विज्ञान और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने घोषणा की है कि राज्य के 10 जिलों को कवर करते हुए पश्चिमघाट क्षेत्र में अवैध रिसॉर्ट्स, होम स्टे और सभी वन अतिक्रमणों को साफ करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने इस संबंध में एक मीडिया बयान दिया और स्पष्ट किया कि यह टास्क फोर्स प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन टास्क फोर्स के प्रमुख के नेतृत्व में बनाई गई है और सोमवार से पश्चिमी घाट में जंगलों के अतिक्रमण को साफ करना शुरू कर देगी।

उन्होंने कहा कि 2015 के बाद पश्चिमी घाट के जंगल में अतिक्रमण को लेकर जिन-जिन मामलों में 64ए की प्रक्रिया पूरी हो गयी है, उन सभी मामलों में बेदखली की कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं। एसीएफ, डीसीएफ, सीएफ, सीसीएफ, एप-ीसीसीएफ को वन अतिक्रमण मामलों की जांच करने और 64ए के तहत आदेश जारी करने की अनुमति है। सभी लंबित 64ए मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए, एसीएफ से ऊपर के सभी अधिकारियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में सप्ताह में दो दिन कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। ईश्वर खंड्रे ने कहा कि उन्होंने पश्चिमी घाट वन अतिक्रमण टास्क फोर्स को अदालत में पहले से लंबित मामलों को निपटाने के लिए महाधिवक्ता के परामर्श से उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सबसे पहले बड़े पैमाने पर जंगलों का अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध रिसॉर्ट्स और होमस्टे को खाली कराने और फिर बागानों और इमारतों को खाली कराने का सुझाव दिया गया है। कानून के समक्ष सभी समान हैं। पश्चिमी घाट पर अतिक्रमण कर व्यावसायिक गतिविधियां चलाने वालों को अनुमति नहीं दी जायेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती। पश्चिमी घाट क्षेत्र में सड़कों के उन्नयन और विस्तार के दौरान अवैज्ञानिक तरीके से पहाड़ी को 90 डिग्री पर काटने के कारण भी सड़कें ढहीं और ऐसे काम करने वाले ठेकेदारों और इंजीनियरों को नोटिस दिया गया है और कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। वायनाड और उत्तर कन्नड़ के शिरूर में भीषण त्रासदी हुई है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई है। हजारों साल पुरानी पहाड़ी गायब हो गई है। शिरडी घाट, चारमाडी घाट समेत राज्य के पश्चिमी घाट में लगातार भूस्खलन हो रहा है। खंड्रे ने कहा कि अगर हम अभी नहीं जागे तो अगली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी।

शिरडी घाट भूस्खलन

मुख्यमंत्री ने एनएचएआई द्वारा अवैज्ञानिक तरीके से सड़क निर्माण को दोषी ठहराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शिरडी घाट पर भूस्खलन स्थल का निरीक्षण करने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा अवैज्ञानिक तरीके से सड़क निर्माण की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पहाड़ी ढलानों की ऊर्ध्वाधर कटाई 45 डिग्री के कोण पर की जानी चाहिए थी, न कि 90 डिग्री के कोण पर। हासन के सकलेशपुर में एनएच-75 पर अपने निरीक्षण के दौरान सिद्धरामैया के साथ मुख्य सचिव शालिनी रजनीश भी थीं। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव से केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखने को कहा और एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अपनाई गई सड़क निर्माण विधियों के बारे में सवाल उठाए। उन्होंने कहा 35-45 डिग्री के कोण पर सड़कों को काटकर और एक रिटेनिंग वॉल बनाकर भूस्खलन को रोका जा सकता

था। सड़क के निर्माण से पहले मिट्टी की गुणवत्ता की जांच या सुरक्षा उपाय नहीं किए गए थे। सिद्धरामैया ने कहा कि अधिक बारिश के कारण भूस्खलन की संख्या में वृद्धि हुई है, उन्होंने एनएचएआई से अधिक भूमि अधिग्रहण करने और पहाड़ियों को 90 डिग्री पर नहीं काटने को कहा है। उन्होंने कहा हासन में 65 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई, सकलेशपुर में 12 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई, शिरडी घाट में भी अधिक वर्षा हुई। 30 जुलाई से शिरडी घाट क्षेत्र में कई भूस्खलन की सूचना मिली है। हासन जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर एक बड़े भूस्खलन में कई वाहन दब जाने के बाद मोटर चालक मामूली रूप से घायल हो गए। 31 जुलाई को दो कंटेनर और एक टैंकर मिट्टी में दब गए, जिससे यातायात प्रतिबंध लगा दिया गया। 1 अगस्त को एक और भूस्खलन हुआ। कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तैयार 2022 की रिपोर्ट के अनुसार शिरडी घाट - एनएच 75 का वह भाग जो बेंगलूरु और मेंगलूरु को जोड़ता है, भूस्खलन प्रवण क्षेत्र है।

अगर साबित हो जाए कि धोखाधड़ी से जमीन खरीदी है तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने चुनौती दी है कि अगर यह साबित हो जाए कि मैंने धोखाधड़ी से जमीन खरीदी है तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। बिदादी में मैसूरु चलो पदयात्रा के दूसरे दिन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा जब मैं फिल्म निर्माता था तो चुनाव में खड़े होने से 15 साल पहले मैंने केतागनहल्ली में 45 एकड़ जमीन ली थी। उन्होंने कहा कि मैंने ये बात कहीं नहीं छिपाई है। हालाँकिडीसीएम ने 68 एकड़ जमीन जब्त कर ली है जो दलितों की होनी चाहिए। केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने दलितों को दिए जाने वाले भूखंडों में फर्जीवाड़ा करके दलितों की जमीन चुरा ली है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा है कि मुझे ऐसे लोगों के सामने अपनी बात कहने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि मैं

सड़क पर हूं और आप शीशे के घर में हैं। अगर शिवकुमार के मन में राजनीति के प्रति श्रद्धा और सम्मान है, तो उन्हें शपथ लेनी चाहिए कि वह ईमानदारी से बड़े हुए हैं।

कुमारस्वामी ने चुनौती दी है कि मैं शपथ लूंगा। मैं जानता हूं कि वे कितने घर तोड़ते हुए बड़े हुए हैं। मैंने किसी को धोखा नहीं दिया। जनता का आशीर्वाद ही मेरी ताकत है, उसी ने मुझे खड़ा किया है। मैंने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को धोखा नहीं दिया। ऐसे में अपरिहार्य कारणों से सत्ता का बंटवारा नहीं हुआ। अब भाजपा और जेडीएस के गठबंधन ने कांग्रेस की नींद उड़ा दी है। मेरी सत्ता में वापस आने की कोई इच्छा नहीं है। मैं पहले भी दो बार सीएम रह चुका हूं। लेकिन यह राज्य के लिए अच्छा होना चाहिए। मैं आपके पास अधिकार माँगने नहीं आया हूँ। सांसद डॉ. मंजूनाथ सिर्फ डॉक्टर का काम नहीं कर रहे हैं। उनमें राजनीतिक खून भी है। उन्होंने कहा कि शिवकुमार ने भी उनके बारे में बात की, उन्होंने यह बढ़ोतरी ईर्ष्या के कारण नहीं की। उन्होंने कहा गारंटी द्वारा राज्य को कंगाल कर दिया गया है। मंत्रियों के बीच भ्रष्टाचार की होड़ चल रही है।

उन्होंने आलोचना की कि जो कांग्रेसी भाजपा सरकार में अवैधता का आरोप लगा रहे हैं, वे एक भी दस्तावेज नहीं दे पाये हैं। हमारे विधायकों ने दस्तावेजों के अवैध होने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने मैसूरु शहर की कमान संभाल ली है। मुख्यमंत्री द्वारा अपनी पत्नी के नाम पर 15 प्लॉट कराने पर हमें कोई आपत्ति नहीं है।

लेकिन उन्होंने इसे अवैध तरीके से लिया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सरकारी संपत्ति लूटी है। हमने इसका रिकॉर्ड सदन में रखा है। हालांकि, कांग्रेस नेता बिना जवाब दिए भाग गए। मैं यहां डीसीएम द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देने के लिए हूं। शिवकुमार ने मेरे और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेन्द्र के बारे में अनोखे ढंग से बात की। हम गांव के बच्चे हैं, आपसे ज्यादा मोनोलॉग में बात करना जानते हैं। लेकिन हम इतने निचले स्तर तक नहीं जाएंगे।

केरल भूस्खलन मामला वायनाड में कर्नाटक की महिला का शव मिला

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वायनाड में भूस्खलन के बाद लापता हुई कर्नाटक के नेल्याहुदीकेरी की महिला दिव्या और उसके परिवार के सदस्यों का शव बरामद किया गया। नेल्याहुदीकेरी नलवाथेकरे निवासी पोन्नम्मा ने बताया कि उनकी बेटी दिव्या (35) की शादी वायनाड के चूरलमाला से हुई थी। भूस्खलन के बाद दिव्या समेत परिवार के नौ सदस्य लापता हो

गए थे। पोन्नम्मा ने अपनी बेटी और उसके परिवार के सदस्यों का पता लगाने की अपील की थी। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शुक्रवार शाम को आठ सदस्यों के शव बरामद किए गए। दिव्या और उसके बेटे लक्षित के शव एक साथ मिले। दिव्या वायनाड के एक अस्पताल में काम करती थी। जिला प्रशासन के अनुसार, शनिवार रात तक 219 शव और 143 से अधिक शवों के अंग बरामद किए गए और 206 लोग लापता हैं। केरल के वायनाड जिले में हुए दुखद भूस्खलन के पांचवें दिन शनिवार को बचाव दलों ने जीवित बचे लोगों या मृतकों का पता लगाने के लिए उन्नत रडार, ड्रोन और भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया।

गणेश उत्सव से पहले कर्नाटक में पीओपी की मूर्तियों पर प्रतिबंध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इस साल के गणेश उत्सव को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की मूर्तियों और भारी धातु युक्त रंगों से रंगी गई मूर्तियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह उत्सव इस साल 7 सितंबर को है। यह व्यापक प्रतिबंध ऐसी मूर्तियों के निर्माण, बिक्री, परिवहन, स्थापना और विसर्जन को कवर करता है। इस कदम का उद्देश्य पर्यावरण प्रदूषण को रोकना है, खासकर जल निकायों में, जो अक्सर रासायनिक रूप से उपचारित मूर्तियों के विसर्जन के कारण होता है। केएस-

पीसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। बोर्ड ने बेंगलूरु के निवासियों को मिट्टी की गणेश मूर्तियाँ खरीदकर इस पहल का समर्थन करने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित किया है। पीओपी मूर्तियों के विपरीत, मिट्टी की मूर्तियों में हानिकारक रसायन नहीं होते हैं और वे पानी में अधिक स्वाभाविक रूप से घुल जाती हैं, जिससे पर्यावरण को कम से कम नुकसान होता है। पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियों की ओर यह बदलाव न केवल पानी की गुणवत्ता की रक्षा करता है बल्कि समुदाय में स्थायी प्रथाओं को भी बढ़ावा देता है। मिट्टी की मूर्तियों को चुनकर, नागरिक गणेश उत्सव को इस तरह से मना सकते हैं जो परंपरा और पर्यावरण दोनों का सम्मान करता है।

बोम्मई ने अनुसूचित जातियों के लिए आंतरिक आरक्षण तत्काल लागू करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रविवार को बेंगलूरु में भाजपा नेता और सांसद गोविंद करजोल, पूर्व भाजपा केंद्रीय मंत्री नारायणस्वामी और मदार चन्नय्या गुरु पीठ के प्रमुख श्री बसवमूर्ति मदार चन्नय्या स्वामीजी के साथ अभिनंदन प्राप्त करने के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की सात न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने आंतरिक आरक्षण पर बहुत स्पष्ट फैसला सुनाया है, यह एक ऐसा मामला है जिस पर लंबे समय से सवाल उठ रहे थे। हालांकि आंध्र प्रदेश और कर्नाटक सहित कई राज्यों में आरक्षण है, लेकिन न्याय नहीं हुआ है, जिसके कारण तीन दशकों से अधिक समय तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। पांच न्यायाधीशों की दो पीठों ने भी फैसले दिए हैं। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने फैसला दिया था कि संविधान संशोधन के बिना आंतरिक आरक्षण दिया जा सकता है, जबकि न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े ने 2004 में कहा था कि आंतरिक आरक्षण की जरूरत नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधन की जरूरत है। उन्होंने कहा फैसलों से उत्पन्न इन विरोधाभासों ने भ्रम की स्थिति पैदा की, जिसके कारण संबंधित सरकारों को एक साहसिक निर्णय लेना पड़ा, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा हमने संविधान का पालन करते हुए कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

हमने आबादी के हिसाब से और विधानसभा में विपक्ष के समर्थन से एससी समुदाय के लिए आरक्षण को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत और एसटी समुदाय के लिए 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था। बोम्मई ने कहा कि भाजपा सरकार ने इस सिद्धांत के आधार पर आंतरिक आरक्षण को लागू करने की सिफारिश की थी, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। बोम्मई ने कहा हमने अन्य एससी और एसटी समुदायों जैसे भोवी, लम्बानी, कोराचा और कोरमा को भी उनके आरक्षण में वृद्धि करके न्याय दिलाया है। कुछ कांग्रेस समर्थकों ने इन पांच समुदायों को एससी सूची से हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने एससी आयोग से स्पष्टीकरण मांगा था, जिसने फिर राज्य की राय मांगी थी।

हालांकि, किसी भी सरकार ने इस पर तब तक स्पष्ट रुख नहीं अपनाया जब तक हमने यह तय नहीं कर लिया कि चूंकि ये समुदाय मैसूरु महाराजाओं के समय से एससी सूची में शामिल हैं, इसलिए जब तक यह व्यवस्था मौजूद है, तब तक उन्हें आरक्षण का लाभ मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा ने चुनाव से पहले जल्दबाजी में आंतरिक आरक्षण की सिफारिश की थी, बोम्मई ने कहा सिद्धरामैया पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने तब आंतरिक आरक्षण क्यों नहीं लागू किया? वे हुब्बल्ली में एससी सम्मेलन में आए और बिना कुछ कहे चले गए। इस संघर्ष के दौरान दस लोगों की जान चली गई, फिर भी कुछ नहीं किया गया। हमने कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट जमा होने के अगले दिन ही निर्णय ले लिया। यह हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बोम्मई ने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का यह आरोप कि भाजपा एक निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने के लिए राजभवन का दुरुपयोग कर रही है, खोखला है और उन्होंने इसका जवाब देते हुए दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ने देश भर में सरकारों को गिराने के लिए 56 से अधिक बार राज का दुरुपयोग किया है।

अब मामला खारिज हो चुका है

उन्होंने कहा कि पिछले विवादास्पद राज्यपाल हंसराज भारद्वाज ने वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी और अब मामला खारिज हो चुका है। पिछली सरकार के घोटालों को उजागर करने के कांग्रेस के दावों पर बोम्मई ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा अब यह उनकी सरकार है। वे जो भी जांच करना चाहते हैं, कर लें। उन्होंने सरकार पर विकास में एक भी पैसा योगदान न देने का आरोप लगाया और दावा किया कि सभी विधायकों, मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेताओं ने विधायकों को तबादलों से पैसा बनाने का निर्देश दिया है। सरकार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया है और उसी की आड़ में तबादले कर रही है। उन्होंने कहा पैसे की अत्यधिक मांग के कारण सरकारी कर्मचारी दबाव में हैं। कई लोग अत्यधिक दबाव में हैं। वे रिश्वत देने में असमर्थ हैं। जो देते हैं, वे भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं।

कर्नाटक फर्जी मूर्ति मामला

परशुराम मूर्तिकार ने पुलिस पर उत्पीड़न का लगाया आरोप

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उमिक्कल हिल में परशुराम की 33 फीट ऊंची मूर्ति के मूर्तिकार ने पुलिस पर जांच के नाम पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। एक वीडियो में, कलाकार कृष्ण नाइक ने आरोप लगाया कि पुलिस के साथ कांग्रेस नेता उदय मुनियाल भी थे। पुलिस ने सभी सामग्री जब्त कर ली है और बिना उचित दस्तावेज के महाजर के दौरान मुझे बयान लिखने के लिए मजबूर किया है। मुझे दो बार करकला पुलिस स्टेशन बुलाया गया। कार्यवाही को रिकॉर्ड किए बिना पूछताछ की गई। कांग्रेस नेता ने मूर्ति लेने के लिए मुस्लिम लोगों को लाया था। पुलिस मुझे मानसिक रूप से परेशान कर रही है। जांच के उद्देश्य से, पुलिस को केवल मूर्ति का एक नमूना लेना चाहिए, न कि पूरी मूर्ति। परशुराम थीम पार्क की स्थापना और परशुराम की प्रतिमा स्थापित करने में भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद राज्य सरकार ने आरोपों की सीआईबी जांच के आदेश दिए थे।

करकला के नल्लूर गांव निवासी कृष्णा शेट्टी की शिकायत के आधार पर मूर्तिकार के खिलाफ करकला टाउन थाने में धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि कृष आर्ट वर्ल्ड के कृष्णा ने करकला के परशुराम थीम पार्क में परशुराम की कांस्य प्रतिमा स्थापित करने के लिए उडुपी निर्मिति केंद्र से 1.25 करोड़ रुपये प्राप्त किए थे। हालांकि, आरोपी ने कथित तौर पर नकली दिखने वाली कांस्य प्रतिमा बनाकर सरकार को धोखा दिया है। उडुपी एसपी डॉ. अरुण के ने स्पष्ट किया कि सभी मामलों में एक नियमित प्रक्रिया के रूप में, मामले में शिकायतकर्ता को सूचित किया गया था कि सामग्री जब्त की जा रही है और वह या उसका प्रतिनिधि पंच गवाहों के साथ महाजर पर हस्ताक्षर करने के लिए उपस्थित हो सकता है। यह स्पष्ट किया जाता है कि आरोपी को नोटिस जारी किया गया था और महाजर जब्त किया गया था। हमारी समझ से, पुलिस को सामग्री जब्त करने से रोकने के लिए उच्च न्यायालय से कोई निर्देश नहीं है। उच्च न्यायालय में सुनवाई की अगली तारीख 20 अगस्त को है। जब्ती प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई है। स्थानीय पीएस इंस्पेक्टर (अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन) के पास एक बॉडी-वॉर्न कैमरा है। हम सभी वीडियो फुटेज की जांच करेंगे और देखेंगे कि क्या आर-ोपी द्वारा उठाए गए दावों में कोई दम है।

पति ने पत्नी पर दरांती से किया हमला कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के कुंडापुर में शनिवार रात कंडलूर थाना क्षेत्र के बसरूर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर दरांती से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोरबा की रहने वाली अनीता (38) पीड़िता है। उसका पति लक्ष्मण (40) आरोपी है।

दोनों बसरूर में काशी मठ के खेत में काम करते थे। दंपति बसरूर काशी मठ के आवासीय ब्लॉक में किराए के मकान में रह रहे थे, जहां वे खेत की देखभाल करते थे। वे अपने बच्चे को सोरबा में छोड़कर चार महीने पहले काम के लिए बसरूर चले गए थे। शनिवार शाम करीब 6.45 बजे दंपत्ति के बीच कहासुनी हो गई। शराब के नशे में धुत लक्ष्मण ने पत्नी पर दरांती से हमला कर दिया, जिससे उसकी गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। अनीता खून से लथपथ होकर रसोई में गिर गई। स्थानीय लोगों ने देखा कि लक्ष्मण अपने घर के हॉल में अंदर से दरवाजा बंद करके दरांती लहरा रहा था। डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक स्थानीय लोगों ने अनीता को बचाने की कोशिश की, लेकिन लक्ष्मण ने दरांती दिखाकर किसी को भी घर में घुसने से रोक दिया। आखिरकार, लोगों ने लक्ष्मण का ध्यान भटकाया, खिड़की तोड़ी, रसोई में घुसे और अनीता को मणिपाल अस्पताल ले गए। जब पुलिस पहुंची, तब भी लक्ष्मण बेतरतीब ढंग से दरांती चला रहा था। पुलिस और अग्निशमन कर्मियों द्वारा आंसू गैस के इस्तेमाल के बावजूद, लक्ष्मण ने अपना हिंसक व्यवहार जारी रखा। आखिरकार, रात करीब 10 बजे ऑटोरिक्शा चालक केरेकट्टे अशोक, सचिन और अन्य लोग पिछले दरवाजे से घर में घुसने में कामयाब हो गए और लक्ष्मण को काबू में कर लिया। कंडलूर पुलिस घटना की आगे की जांच कर रही है।

रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वर्षभर अनेक कार्यक्रमों की योजना

जीवदया कार्यक्रम से शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी के रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की शुभ मंगल शुरुआत पूज्य गुरुवर मलयप्रभ सागरजी, साध्वी स्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गु-लेच्छा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, मंडल के संस्थापक अध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा आदि ट्रस्टियों के कर कमलों से हुई। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के रजत जयंती वर्ष में पूरे वर्षभर चलने वाले इन कार्यक्रमों में 25 अनाथ आश्रमों में सेवा, वृद्धाश्रमों में सेवा, 25 स्नात्र पूजाएं, वैयावच्च भक्ति, साधर्मिक भक्ति, 25 गौशालाओं में गायों को चारा, 25 कबूतरखानों में दाना, 25 स्थानों पर श्वानों को दूधपान, 25 सदस्यों को नवकारशी का पच्चखान, ब्लड कैम्प का आयोजन, मेडिकल कैम्प का आयोजन, 25 घरों में गुरुदेव का इक्तीस पाठ का आयोजन, पूनम भक्ति, युवा वर्ग को आकर्षित करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान के शिविर गुरुवर की निश्रा में, 25 बच्चों की शिक्षा में योगदान, हास्पिटल्स में खाना और फ्रूट वितरण आदि कार्यक्रम किए जाएंगे। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि शुरू हुए

इन कार्यक्रमों में आज कनकपुरा स्थित गौशाला में गायों को चारा, कबूतरों और पक्षियों को दाना, श्वानों के लिए दूध बिस्किट आदि वस्तुओं का वितरण मंडल के हितेंद्र चौपड़ा, गिरीश बोहरा, विकास बच्छावत, अंकित गु-लेच्छा, अजय पारख द्वारा किया गया।

पूरे वर्ष भर चलने वाले जीवदया कार्यक्रमों के लिए अनेक दानदाताओं ने सहयोग राशि प्रदान की। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, राकेश डाकलिया, जवेरीलाल गुलेच्छा, रमेश गु-लेच्छा, मोतीलाल ललवानी, भरत कोठारी, विनोद चोपड़ा, जितेन्द्र नाहर, दीपक छाजेड़, इन्दरचंद नाहटा, अर्चित पारख, उत्तम गुलेच्छा के साथ मंडल के अनेक सदस्यों ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

साइकिलिंग कार्यक्रम का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद हासन (आर) द्वारा साइकिलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह 7 बजे तेरापंथ सभा भवन से प्रारंभ होकर 8 किलोमीटर के भ्रमण के साथ साइकिलिंग का समापन हुआ।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था, नियमित साइकिलिंग आपके हृदय, फेफड़ों और रक्त संचार को उत्तेजित और बेहतर बनाती है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम कम होता है। साइकिल चलाने से दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, आराम करने पर नाड़ी धीमी होती है और रक्त में वसा का स्तर कम होता है। साथ में प्रदूषण में भी कमी आती है। युवक परिषद के अध्यक्ष नितेश सुराणा, मंत्री मनीष तातेड एवं युवक परिषद के सभी सदस्यों के साथ हासन ज्ञान शाला के बच्चों ने भी भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

बेंगलूरु मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने कूदकर जान दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कनकपुरा रोड पर डोड्डाकलासांद्रा मेट्रो स्टेशन पर विद्युतीकृत मेट्रो ट्रैक पर शनिवार को शाम करीब 5.45 बजे एक 57 वर्षीय व्यक्ति ने आती हुई ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में उसकी पहचान कुमारस्वामी लेआउट निवासी 57 वर्षीय नवीन कुमार अरोड़ा के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि वह शादीशुदा था और उसके बच्चे भी थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि नवीन कुमार एक

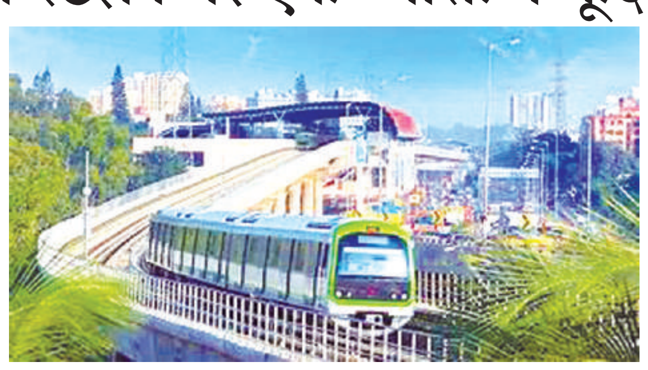

व्यवसायी था और उसे घाटा हुआ था। दुखद दुर्घटना के बाद, डोड्डाकलासांद्रा स्टेशन से करीब 500 मीटर पहले एक ट्रेन फंस गई। यात्रियों को उतारना पड़ा और अगले स्टेशन तक एलिवेटेड कॉरिडोर के किनारे-किनारे खतरनाक तरीके से चलना पड़ा।

घटना के बाद नम्मा मेट्रो की ग्रीन लाइन पर कई घंटों तक ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं। पुलिस द्वारा शव हटाए जाने तक येलाचेनहल्ली और सिल्क इंस्टीट्यूट स्टेशनों के बीच परिचालन रोक दिया गया था। रात 8.45 बजे ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हुईं। बीएमआरसीएल ने एक बयान में कहा इस दुखद घटना के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है।

महापुरुषों की माता नामक कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में रविवार को परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के शिष्यरत्न, वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद् विजय श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती श्री निर्मोहप्रभविजयजी और पूज्य साध्वी अरिहंतप्रभाश्रीजी की निश्रा में श्रीसंघ के सोहन हॉल में महापुरुषों की माता नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इतिहास के अनेकों में से पाँच महापुरुषों व माताओं के गुणों की संगीतमय कार्यक्रम हुई। महापुरुष जैन आचार्य श्री आर्यरक्षितसूरीश्वरजी की माता रुद्रसोमा, जैन

आचार्य श्री हेमचंद्रसूरीश्वरजी की माता पाहिणी, जैन आचार्य श्री हरिभद्रसूरीश्वरजी की माता याकिनी महत्तरा, जैन आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी की माता लक्ष्मी और श्री गोपीचंद राजा की माता मैनावती के त्याग, सत्व, वैराग्य, वात्सल्य, ममता आदि अनेक विशाल गुणों का स्मरण किया गया। लाभार्थी परिवारों से पाँच माताओं का अक्षत द्वारा बहुमान किया गया। चिकपेट श्रीसंघ के अध्यक्ष ने गुरु के उपकारों का स्मरण किया। विजापुर से आए संगीतकार आयुष जैन ने संगीत प्रस्तुत किया। चिकपेट श्रीसंघ के श्रावकों ने व्यवस्था संभाली और भोजन की व्यवस्था श्री आदिनाथ सेवा मंडल ने संभाली।

सत्वगुण सर्व गुणों में सिरमौर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वी वी पुरम के तत्वावधान में आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने, श्री संभवनाथ भवन में रविवार को प्रवचन देते हुए कहा कि, साधु संतों ने अनेक महाप-ुरुषों के चरित्र लिखे हैं, ताकि उनके चरित्र के श्रवण से और उनके चरित्र के पढ़ने से आने वाली पीढ़ी कुछ सीख ले सके। आर्य देश के जो शासक हुए हैं, उनमें पराक्रम, प्रजाहित, प्रजावत्सलता, धर्म गुरुओं के प्रति आदर-सम्मान इत्यादि अनेक गुण थे। इसी कड़ी में आगे आचार्य श्री ने कहा कि कुमारपाल राजा भी उनमें से एक थे। कुमारपाल राजा का परिचय आचार्य श्री हेमचंद्रसूरिजी से हुआ था। कुमारपाल राजा ने राजा बनने के पूर्व हेमचंद्राचार्य जी से पूछा कि गुणों में कौन सा गुण सिरमौर है? तब आचार्य श्री ने फरमाया कि सत्वगुण सभी गुणों में सिरमौर है। व्यक्ति को सत्वशाली बनना चाहिए। पराक्रमी बनना चाहिए। इस गुण की बदौलत अनेक आपत्तियों को पार करते हुए अंत में कुमारपाल गुजरात के राजा बने। उस समय पाटन गुजरात की राजधानी हुआ करती थी। कुमारपाल राजा जैन संत हेमचंद्राचार्य जी के परिचय में आने से जीव दया के पालक बने। उस समय गुजरात का वह स्वर्ण युग था। क्योंकि ऐसा पराक्रमी, सत्वशाली राजा जो गुजरात को मिला था। राजा कुमारपाल का राज्य 18 देशों तक विस्तृत था।

नए कानून व आपराधिक न्याय प्रणाली 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार साबित होगा: शाह

चंडीगढ, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि तीन नये आपराधिक कानून और आपराधिक न्याय प्रणाली 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार साबित होगा। श्री शाह ने एक कार्यक्रम में नए आपराधिक कानूनों के लिए ई-साक्ष्य, न्याय सेतु, न्याय श्रुति और ई- समन ऐप का लोकार्पण किया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया और केन्द्रीय गृह सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गृह मंत्री ने कहा कि यहां उपस्थित सभी लोग 21वीं सदी के सबसे बड़े सुधार के लागू होने के साक्षी बने हैं। उन्होंने कहा कि तीन नये कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) - में भारत की मिट्टी की सुगंध और न्याय के संस्कार हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को न्याय देना संविधान का दायित्व है और संविधान की इस भावना को ज़मीन पर उतारने का माध्यम न्यायिक प्रणाली है। श्री शाह ने कहा कि 150 साल पहले बने कानून प्रासंगिक नहीं रह सकते। आज के भारत और उस वक्त के शासकों के उद्देश्य और आज हमारे संविधान के उद्देश्यों में बहुत अंतर है लेकिन क्रियान्वयन की मशीनरी वही है।

उन्होंने कहा कि वर्षों तक लोगों को न्याय नहीं मिलता था और तारीख पर तारीख मिलती थी। धीरे-धीरे लोगों का विश्वास सिस्टम पर से उठता जा रहा था। इसीलिए मोदी सरकार ने नय कानून बनाये हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों में दंड का कोई प्रावधान नहीं है बल्कि इनका उद्देश्य लोगों को न्याय देना है इसीलिए ये दंड संहिता नहीं बल्कि न्याय संहिता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इन कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक और तकनीक से युक्त आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए गृह मंत्रालय ने अनेक स्तरों पर प्रशिक्षण और कौशल विकास की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि इन्हें ज़मीन पर उतारने के लिए पूरे तंत्र की तकनीकी क्षमता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि आज ई-साक्ष्य, ई- समन, न्याय सेतु और न्याय श्रुति ऐप का लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि ई- साक्ष्य के तहत घटनास्थल की सभी वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और गवाही ई- साक्ष्य सर्वर पर सेव की जाएगी, जो तुरंत ही कोर्ट में भी उपलब्ध होगी। ई-समन के तहत कोर्ट से पुलिस स्टेशन तक और जिसे समन भेजा जाना है उस तक भी इसे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से भेजा जाएगा। न्याय सेतु डैशबोर्ड पर पुलिस, मेडिकल, फॉरेन्सिक, प्रॉसीक्यूशन और प्रिज़न एकसाथ इंटरलिंक्ड हैं, जिससे पुलिस को जांच से संबंधित सभी जानकारी मात्र एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। न्याय श्रुति के माध्यम से न्यायालय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाहों की सुनवाई कर सकेगा। इससे समय और पैसे की बचत होगी और मामले का निपटारा भी जल्दी हो सकेगा।

श्री शाह ने कहा कि नशे की लत के खिलाफ अभियान मात्र एक सरकारी अभियान नहीं है बल्कि ये नई पीढ़ी को नशे की लत से बाहर निकालने का अभियान है। उन्होंने कहा कि जो लोग नशे की गिरफ्त में हैं उनकी और उनके परिवारजनों की हीनभावना दूर कर हमें इस बीमारी का इलाज करना चाहिए और इसके प्रति जागरुकता फैलानी चाहिए। श्री शाह ने कहा कि तीनों नए कानून और इनके माध्यम से भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार है। उन्होंने कहा कि इन कानूनों में तकनीक को इस प्रकार से शामिल किया गया है कि आने वाले 50 साल तक ईजाद होने वाली सारी तकनीक को इसमें समाहित कर लिया गया है।

श्रावण अमावस्या के अवसर पर छड़ी मुबारक को शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया

श्रीनगर, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

श्री अमरनाथ की चांदी की गदा छड़ी मुबारक को रविवार को हरियाली-अमावस्या (श्रावण अमावस्या) के अवसर पर पूजा-अर्चना के लिए शंकराचार्य मंदिर श्रीनगर ले जाया गया। छड़ी मुबारक के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में स्वामी अमरनाथ की छड़ी मुबारक(चांदी की गदा) को सदियों पुराने रीति-रिवाजों के अनुसार आज गोपाद्री पहाड़ियों पर स्थित ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर में ले जाया गया।

शंकराचार्य मंदिर में शंखों की ध्वनि से पूरा वातावरण मंत्रमुग्ध हो गया और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा की गई। पवित्र गदा के साथ आए साधुओं ने दो घंटे से अधिक समय तक चली प्रार्थना में भाग लिया। जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना भी की गई। पहाड़ी का शिखर एक सुरम्य इमारत से सुसज्जित है।

इस पहाड़ी को जेठा लारक कहा जाता था और बाद में इसका नाम गोपादरी पहाड़ी रखा गया। महंत गिरि ने कहा कि इतिहासकारों का मानना है कि शीर्ष पर स्थित मंदिर मूल रूप से राजा सैंडिमन (2629-2564 ईसा पूर्व) द्वारा बनाया गया था। उन्होंने कहा, यह मंदिर पहले ज्येष्ठेश्वर या ज्योतेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता था। आदि शंकराचार्य जी के इस मंदिर में आने के बाद यह अब श्री शंकराचार्य मंदिर के नाम से लोकप्रिय है।

उन्होंने बताया कि छड़ी-मुबारक को सोमवार को देवी के दर्शन के लिए श्रीनगर के हरि पर्वत पर शारिका-भवानी मंदिर में ले जाया जाएगा। कुल 52 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को पहलगाम के बालटाल गांदरबल और नुनवान के मार्गों से शुरू हुई और अब तक 4,90,540 भक्तों ने कश्मीर हिमालय में पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए। श्री अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी।

बंगाल में गिरी ने दिया मंत्री पद से इस्तीफा

कोलकाता, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के सुधार प्रशासन (जेल) मंत्री अखिल गिरि ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। श्री गिरि ने कहा कि उन्होंने पार्टी के निर्देशानुसार पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन वह किसी सरकारी अधिकारी से माफी नहीं मांगेंगे।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने संवाददाताओं को बताया कि तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को श्री गिरि को महिला अधिकारी से माफी मांगने और फिर पार्टी को अपना इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिया था। पार्टी के निर्देश के बाद श्री गिरि ने कांथी में कहा कि उन्होंने पार्टी के निर्देशानुसार अपना इस्तीफा पत्र मेल कर दिया है और सोमवार को पत्र को व्यक्तिगत रूप से सौंप देंगे। उधर, सूत्रों ने कहा कि तृणमूल ने श्री गिरि को माफी मांगने और इस्तीफा देने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि शनिवार को एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें श्री गिरि एक महिला वन अधिकारी को मौखिक रूप से धमकाते हुए दिखाई दिए थे। श्री गिरि ने कथित तौर पर पूर्व मेदिनीपुर जिले में वन विभाग की महिला अधिकारी और उनकी टीम द्वारा भूमि पर अतिक्रमण हटाने के बाद उन्हें धमकाते और गाली देते हुए देखा गया था।

केदारनाथ में फंसे 10374 लोगों को लाया गया वापस, 20000 हुए रेस्क्यू

देहरादून, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में 31 जुलाई को अतिवृष्टि के कारण अस्त व्यस्त हुई केदारनाथ और यात्रा मार्ग पर फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाने का काम युद्व स्तर पर रविवार को भी जारी रहा। आज सुबह से शाम पांच बजे तक कुल 10374 लोगों को वापस लाया गया है। अभी तक कुल 19,473 व्यक्तियों को विभिन्न माध्यमों से विपरीत मौसम के बावजूद सुरक्षित स्थानों पर लाया जा चुका है।

आपदा प्रबन्धन एंव पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि 31 जुलाई को अतिवृष्टि से अवस्थापना को भारी क्षति पहुँची है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ तथा रास्ते में ऊपर की ओर लगातार घने बादल छाये है। इस कारण रेस्क्यू कार्य में लगातार व्यवधान हो रहा है।

उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना द्वारा उपलब्ध कराया चिनूक हैलीकॉप्टर मौसम खराब होने के कारण, अभी तक एक भी उड़ान नहीं भर पाया है। एमआई - 17 हैलीकॉप्टर द्वारा खराब मौसम के कारण अभी तक केवल तीन उड़ान भरी जा सकी है, तथा केवल 60 लोगों को रेस्क्यू किया जा सका है। उन्होंने बताया कि ऐसे में राज्य सरकार द्वारा छोटे हैलीकॉप्टरों से रेस्क्यू का कार्य किया जा रहा है।

श्री सुमन ने बताया कि आज लगभग 400 लोगों को केदारनाथ जी से लिंचौली तक पैदल लाकर, लिंचौली से इनको हैलीकॉप्टर के माध्यम से चारधाम हैलीपेड, सिरसी हैलीपेड आदि स्थानों पर लाया गया है। वर्तमान में रेस्क्यू कार्य हेतु 05 हैलीकॉप्टर लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि आज लिंचौली तथा भीमबली से लगभग 560 लोगों को तथा केदारनाथ से 80 लोगों को इस प्रकार कुल 640 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार आज शाम तक श्री केदारनाथ धाम से 138 लोगों को लिंचौली और भीमबली से 2409 लोगों को तथा चीड़बासा (गौरीकुण्ड) से 75 लोगों को अर्थात, कुल 2622 लोगों को एयरलिफ्ट कर, चारधाम हैलीपेड, सिरसी हैलीपेड आदि स्थानों पर लाया गया है।

सचिव के अनुसार आज भीमबली तथा लिंचौली से पैदल मार्ग से अब तक कुल 567 लोगों को चौमासी कालीमठ तक लाया गया है। इसी प्रकार, गौरीकुण्ड से सोनप्रयाग तक कुल 7185 लोगों को वापस लाया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गौरीकुण्ड से सभी को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। गौरीकुण्ड में कोई भी यात्री शेष नहीं है। वर्तमान में वहाँ पर रहने वाले स्थानीय निवासीगण, दुकानदार, डोली पालकी संचालक, घोड़े खच्चर संचालक आदि रह रहें हैं। उन्होंने बताया कि भीमबली तथा लिंचौली से भी अधिकांश यात्रियों को सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया है। वर्तमान में लिंचौली में लगभग 50 यात्री रूके है।

श्री सुमन के अनुसार, वर्तमान में केदारनाथ धाम में लगभग 350 यात्री रूके हुए हैं। इनके अलावा, लगभग तीर्थ पुरोहित, स्थानीय दुकानदार, स्थानीय निवासी, पालकी डोली संचालक, घोड़े खच्चर संचालक आदि भी है। उन्होंने बताया कि जो भी लोग नींचे आना चाहते हैं, उनको भी आवश्यकतानुसार रेस्क्यू किये जाने के मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये है। उन्होंने बताया कि सभी आवश्यक स्थानों पर खाद्य सामग्री की लगातार पर्याप्त आपूर्ति की जा रही है।

सचिव ने बताया कि जिन लोगों से उनके परिजनों का सम्पर्क नहीं हो पा रहा है, उनकी खोजबीन हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार को गौरीकुण्ड में बीएसएनएल की दूरसंचार सेवा बहाल कर दी गयी है। जिन लोगों से सम्पर्क नहीं होने की बात की जा रही थी, पुलिस द्वारा ऐसे लोगों से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि 03 जुलाई यानी शनिवार को पुलिस द्वारा सम्पर्क किये जाने पर अधिकांश लोगों से संपर्क हो गया है। पुलिस द्वारा लगातार अन्य लोगों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का यात्रा करने वाले उसके परिजनों से संपर्क नहीं हो पाया है, वह जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन द्वारा जारी किये गये दूरभाष नम्बरों पर सम्पर्क कर अपने परिजनों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि यह नंबर इस प्रकार हैं। हैल्प लाईन नं0- लैंडलाईन 01364.233727, 297878, 297879, मोबाइल 7579257572, 8958757335, 7579104738।

श्री सुमन ने बताया कि यदि अभी भी कुछ लोग ऐसे पाये जाते हैं, जिनसे सम्पर्क नहीं हो पा रहा है तो उसका एक कारण यह हो सकता है कि वह कहीं रास्ते में हो अथवा उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया हो। उन्होंने बताया कि फिर भी एहतियात के तौर पर मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में, गौरीकुण्ड से केदारनाथ यात्रा मार्ग पर वृहद् स्तर पर खोज-बीन की जा रही है। खोज-बचाव कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, प्रशासन तथा यात्रा मैनेजमेण्ट टास्कफोर्स के लोगों को लगाया गया है। इनके द्वारा लगातार खोजबीन की जा रही है। इस कार्य हेतु स्निफर डॉग की भी मदद ली जा रही है।

भारी बारिश के बाद भी पिछले साल से कम रहा मुख्य जलाशयों का जल स्तर

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

पूरा देश में इस समय मानसून अपने पूरे शबाब पर है। कहीं रिमझिम बारिश, तो कहीं बाढ़ के हालात बने हुए हैं। इसके बावजूद देश के 150 मुख्य जलाशयों में औसत जल स्तर पिछले साल की तुलना में कम है, लेकिन पिछले दशक के स्तर से अधिक है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, देश के विभिन्न क्षेत्रों में जल भंडारण स्तरों में जरूरी बदलाव सकारात्मक और चिंताजनक दोनों प्रवृत्तियों को दिखाता है। इन 150 निगरानी वाले जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता 178.784 अरब क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है, जो देश भर में अनुमानित 257.812 बीसीएम का लगभग 69.35 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन जलाशयों में उपलब्ध भंडारण क्षमता 91.496 बीसीएम है, जो उनकी कुल भंडारण क्षमता का 51 प्रतिशत है। यह पिछले साल के इसी समयावधि के दौरान दर्ज किए गए भंडारण स्तर का 94 प्रतिशत और पिछले दशक के औसत के आधार पर सामान्य भंडारण का 107 प्रतिशत है।

25 जुलाई के बुलेटिन के अनुसार, इन जलाशयों में उपलब्ध भंडारण 69.27 बीसीएम था, जो कुल क्षमता का 39 प्रतिशत था। पिछले साल, इसी समय अवधि के दौरान मौजूद भंडारण 83.987 बीसीएम था और सामान्य भंडारण 72.411 बीसीएम था। इस प्रकार, इस सप्ताह भंडारण स्तर पिछले सप्ताह से अधिक है, लेकिन पिछले वर्ष की इसी अवधि और सामान्य भंडारण दोनों की तुलना में कम है।

इस क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान आते हैं, यहां 19.663 बीसीएम की कुल संग्रहण क्षमता वाले 10 जलाशय हैं, जो सीडब्ल्यूसी की निगरानी में हैं। वर्तमान में, उनके पास 6.532 बीसीएम है, जो उनकी क्षमता का 33 प्रतिशत है, जो पिछले साल के 76 प्रतिशत और इस अवधि के लिए 53 प्रतिशत के सामान्य भंडारण से काफी कम है। हालांकि, यह मौजूदा स्तर पिछले सप्ताह के भंडारण 5.786 बीसीएम (क्षमता का 29 प्रतिशत) से अधिक है।

पूर्वी क्षेत्र में असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नागालैंड और बिहार के कुल 23 जलाशय हैं, जिनकी कुल संग्रहण क्षमता 20.430 बीसीएम है। वे वर्तमान में 6.989 बीसीएम या क्षमता का 34 प्रतिशत हैं, जो पिछले साल के 31 प्रतिशत से अच्छा है। मगर 39 प्रतिशत के सामान्य भंडारण से कम है। इस सप्ताह का भंडारण पिछले सप्ताह के 5.630 बीसीएम (क्षमता का 28 प्रतिशत) से अधिक है। इसके अलावा पश्चिमी क्षेत्र गुजरात और महाराष्ट्र में 49 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 37.130 बीसीएम है। वर्तमान में भंडारण 19.863 बीसीएम या क्षमता का 53 प्रतिशत है, जो पिछले साल के 63 प्रतिशत से कम है। मगर सामान्य भंडारण 48 प्रतिशत से बेहतर है।

इस सप्ताह का भंडारण पिछले सप्ताह के 15.274 बीसीएम (क्षमता का 41 प्रतिशत) से अधिक दर्शाता है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को मिलाकर मध्य क्षेत्र में 26 जलाशय हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 48.227 बीसीएम है। वर्तमान भंडारण 23.102 बीसीएम (48 प्रतिशत) है, जबकि पिछले वर्ष यह 55 प्रतिशत था और सामान्य भंडारण स्तर 50 प्रतिशत था। इस सप्ताह का भंडारण पिछले सप्ताह के 16.042 बीसीएम (क्षमता का 33 प्रतिशत) से अधिक है।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु सहित दक्षिणी क्षेत्र में 42 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 53.334 बीसीएम है। वर्तमान भंडारण 35.010 बीसीएम (66 प्रतिशत) है, जो पिछले वर्ष के 50 प्रतिशत से अधिक है और सामान्य स्तर 47 प्रतिशत है। इस सप्ताह का भंडारण पिछले सप्ताह के 26.538 बीसीएम (क्षमता का 50 प्रतिशत) से वृद्धि दर्शाता है। कुछ राज्यों ने पिछले साल की तुलना में बेहतर भंडारण स्तर दिखाया। असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नागालैंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु उनमें से कुछ थे। इसके उलट राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में कम भंडारण स्तर की सूचना मिली है।

असम में सरकारी नौकरी के लिए वहीं जन्म होना जरूरी

हिमंत सरकार नया कानून बना रही, लव-जिहाद के आरोपी को उम्रकैद की सजा दी जाएगी

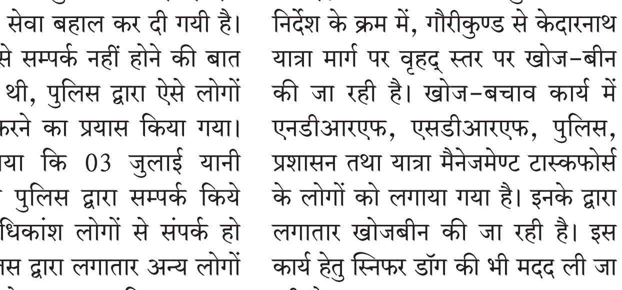

गुवाहाटी, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को तीन बड़े ऐलान किए। पहला यह कि जल्द ही असम में सरकारी नौकरी उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो असम में ही पैदा हुए हैं। दूसरा, लव-जिहाद के मामले में दोषी को उम्रकैद की सजा दी जाएगी। तीसरा, असम सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जमीन की बिक्री के संबंध में भी फैसला लिया है। हालांकि सरकार इसे रोक नहीं सकती, लेकिन खरीद-बिक्री से पहले मुख्यमंत्री की सहमति लेना जरूरी कर दिया गया है। सरमा ने ये बातें भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में कहीं। सरमा ने बैठक में कहा कि जल्द ही एक नई डोमिसाइल पॉलिसी पेश की जाएगी, जिसके तहत केवल असम में जन्मे लोग ही राज्य सरकार की नौकरियों के लिए पात्र होंगे। चुनाव में किए वादे के अनुसार, एक लाख सरकारी नौकरियों में असम के लोगों को प्राथमिकता दी गई है। पूरी लिस्ट पब्लिश होने पर यह स्पष्ट हो जाएगा।

असम सरकार भूमि जिहाद और लव जिहाद को रोकने के लिए दो कानून ला रही है। अगर एक मुस्लिम हिंदू की संपत्ति खरीदना चाहता है या एक हिंदू मुस्लिम की संपत्ति खरीदना चाहता है, तो उसे सरकारी अनुमति लेनी होगी। जो लोग लव जिहाद कर रहे हैं उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। सरमा ने दावा किया कि लव जिहाद एक वास्तविक और गंभीर मुद्दा है, जिसमें जबरन धर्म परिवर्तन और धोखे से प्रेम संबंध बनाना शामिल है।

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की लहर के चलते कांग्रेस को देश के लोगों का समर्थन मिला जवाहरलाल नेहरू तीसरी बार प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन अब पीएम मोदी को पूरे देश का समर्थन मिला और वे लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। कांग्रेस ने 99 सीटें जीतने के बाद जश्न मनाया। यह 100 में से नहीं, बल्कि 542 में से है। 240 बड़ा है या 99। शायद पाकिस्तान के गणित में 99 का आंकड़ा बड़ा है।

लोक सभा चुनाव में भी कांग्रेस ने असम में सिर्फ तीन सीटें जीतीं, वहीं एनडीए ने 11 सीटें जीतीं लेकिन कांग्रेस ने ऐसा माहौल बनाया कि उन्होंने एवरेस्ट जीत लिया। पीएम मोदी के नेतृत्व में असम को अच्छी खबरें मिल रही हैं। कांग्रेस के पास चाराईदेव मैदान को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता देने का मौका था, लेकिन उन्होंने नहीं किया। यह पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ।

अयोध्या में सपा नेता द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला

सीएम योगी ने पीड़िता के परिवार के सहायतार्थ भेजे पांच लाख

बलात्कारी सपा नेता के खिलाफ बसपा ने भी खोला मोर्चा

अयोध्या, 03 अगस्त (एजेंसियां)। भदरसा में हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तेजी से कार्रवाई कर रहे हैं। शनिवार दोपहर मामले में मुख्य आरोपी मोईद खान के अवैध निर्माण बुलडोजर चला तो शाम होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से पीड़िता को पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। स्थानीय विधायक अमित सिंह चौहान ने पीड़िता के घर पहुंच कर परिजनों को पांच लाख रुपए का चेक सौंपा। इस दौरान जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह व एसएसपी राजकरन नैय्यर भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से पीड़िता की मां को मिला भरोसा, लगातार पूरा किया जा रहा है। चाहे वह आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का हो या परिवार को आर्थिक सहायता की बात हो। स्थानीय विधायक अमित सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा था अगर किसी भी चीज की जरूरत होगी तो तुरंत पूरा किया जाएगा। विधायक ने जब पीड़ित बच्ची के माता से पूछा कि आप कार्रवाई से संतुष्ट हैं तो उन्होंने कहा हां सरकार बिल्कुल ठीक कार्रवाई कर रही है। वहीं विधायक ने बताया कि प्रदेश की योगी सरकार पीड़ित परिवार के साथ हमेशा खड़ी रहेगी।

अयोध्या दुष्कर्म के मामले में सपा पर भाजपा के साथ साथ बसपा ने भी मोर्चा खोल दिया है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा आरोपियों के साथ खड़ी है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी की संवेदना दुष्कर्म पीड़िता के साथ नहीं है। वह इस घृणित कार्य को करने वाले अपराधी के साथ खड़ी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से डीएनए जांच कराए जाने के संबंध में दिया गया बयान इसका जीता-जागता उदाहरण है। इनके पीडीए की भी सच्चाई सामने आ गई है। बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को दुष्कर्म पीड़िता के गांव जाकर उसकी मां और जिला महिला अस्पताल में पीड़िता से मुलाकात की। इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर वे यहां आए हैं। बसपा पीड़ित परिवार के साथ है। इन्हें तत्काल न्याय मिलना चाहिए था लेकिन इसमें हुई देरी प्रदेश सरकार पर प्रश्नचिन्ह है। डेढ़ महीने तक निषाद समाज की बेटी की आवाज नहीं सुनी गई। जब समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर दबाव बनाया, तब एफआईआर दर्ज की गई।

दुष्कर्म पीड़िता के घर रविवार को भाजपा प्रतिनिधिमंडल के सदस्य पहुंचे। इस प्रतिनिधि मंडल में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप, राज्यसभा सांसद बाबू राम निषाद व संगीता बलवंत के साथ-साथ नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त भी मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कहा कि परिवार को किसी भी तरह की धमकी से डरने की जरुरत नहीं है। किसी प्रकार की समस्या आने पर उनसे संपर्क करें। पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन भी पीड़िता के घर पहुंचीं। उनके अस्पताल जाकर पीड़िता से मिलने की भी संभावना जताई जा रही है।

प्रदेश के मत्स्य मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद जिला महिला अस्पताल में दुष्कर्म पीड़िता से मिलने के बाद फफक कर रोने लगे। उन्होंने कहा कि निषाद समाज की बेटी के साथ दरिंदगी करने वाले अपराधियों को बचाने में सपा और कांग्रेस दोनों ही दल जुटे हुए हैं। निषाद समाज ऐसे लोगों के खिलाफ एकजुट हो। वह शनिवार को दुष्कर्म पीड़िता का हाल जानने और उसके परिजनों से मिलने के लिए यहां पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने संवाददात-ाओं से कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए का सच प्रदेशवासियों के सामने आ गया है। निषाद समाज अति पिछड़ा व अनुसूचित है। इस समाज की बेटी अबला होने के साथ पूजनीय भी है। उसके साथ अत्याचार हुआ है। लगता है पीडीए का नारा देने के साथ अयोध्या की जीत पर अपनी पीठ थपथपाने वाले इन्हीं अपराधियों की मदद से चुनाव में जीते हैं। उन्होंने कहा कि इस वारदात को अंजाम देने वाले नगर अध्यक्ष मोईद खान को सपा ने अभी तक न तो पार्टी से निकाला और न ही उसके कृत्य की निंदा की है। मैंने अपने समाज की बेटी के लिए विधानसभा में आवाज उठाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने इस प्रकरण में सख्त कार्रवाई की है, जबकि आरोपी को सपा सांसद अवधेश प्रसाद और उनकी पार्टी के अन्य नेता संरक्षण देते रहे।

दर्दनाक : 12 साल की बच्ची के गर्भ में पल रहा 12 हफ्ते का शिशु

अयोध्या, 04 अगस्त (एजेंसियां)। दुष्कर्म का दर्द झेल रही बच्ची कई और दर्द का सामना कर रही है। 12 साल की उम्र में ही उसके गर्भ में 12 हफ्ते का भ्रूण पल रहा है। उसका प्रसव हो या गर्भपात, दोनों स्थितियों में उसे दर्द का सामना करके अग्नि परीक्षा देनी होगी।

अब बच्ची की जान बचाने के लिए चिकित्सक भी तरकीबें खोज रहे हैं और बाल कल्याण समिति व परिजनों की सहमति का इंतजार कर रहे हैं। प्रक्रियाओं पर गौर करके चिकित्सकों की भी रूह कांप रही है।

हैवानों ने 12 साल की बच्ची को हवस का शिकार बनाकर उसकी मासूमियत का कत्ल कर दिया। दरिंदों ने उसके दर्द को कई गुना बढ़ा दिया है। शारीरिक बदलावों के साथ खेलने-कूदने की उम्र में ही वह गर्भवती हो गई है। अभी न तो वह शारीरिक ना ही मानसिक रूप से इसके लिए सक्षम है। इसके जोखिमों व जटिलताओं से भी वह अनजान है। किसी तरह उसका प्रसव या गर्भपात करा भी दिया गया तो भविष्य में भी वह तमाम परेशानियों से जूझेगी।

जिला महिला अस्पताल की अधीक्षक डॉ. आशाराम ने कहा, अभी बच्ची की उम्र प्रसव योग्य नहीं है। 24 हफ्ते तक गर्भपात हो सकता है। सामान्य प्रसव के जरिए भ्रूण निकालने की कोशिश की जाएगी। लेकिन दोनों परिस्थितियों में बाल कल्याण समिति और परिजनों की सहमति जरूरी है। यह बहुत ही जोखिमपूर्ण है। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शालिनी चौहान ने कहा, टीन एज की प्रेग्नेंसी ही घातक होती है। इस बच्ची की उम्र तो 12 साल ही है। अभी उसके शरीर में तमाम बदलाव हो रहे होंगे। इस उम्र में गर्भ भी ठहरना ठीक नहीं होता। हालांकि प्रेगनेंसी कंटिन्यू करना और भी घातक हो सकता है। लेकिन गर्भपात के दौरान भी जोखिम कम नहीं है। गर्भाशय में छेद होने, अधिक रक्तस्राव होने के साथ असहनीय दर्द भी होगा। इस उम्र में बच्ची के लिए वह दर्द सहन करना भी कठिन है।

बलात्कारी सपा नेता के घर पर भी चलेगा बुलडोजर

अयोध्या, 04 अगस्त (एजेंसियां)। आरोपी सपा नेता मोईद खान के घर पर भी बुलडोजर चलेगा। राजस्व विभाग की जांच में पता चला है कि मोईद ने श्मशान की 630 वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा कर आवास बनाया है। इसी तरह से तालाब और सार्वजनिक रास्ते की जमीन पर बनाया गया दो मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी ध्वस्त किया जाएगा। सोहावल के उप जिलाधिकारी अशोक सैनी ने बताया कि राजस्व विभाग की जांच रिपोर्ट डीएम चंद्र विजय सिंह को सौंपी जाएगी। इसके बाद उसके घर पर भी बुलडोजर चलवाया जाएगा।

मोईद को बचा रहा राशिद खान अखिलेश का करीबी

अयोध्या, 04 अगस्त (एजेंसियां)। बलात्कार पीड़िता को धमकी दे कर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश करने वाला सपा नेता राशिद खान सपा प्रमुख अखिलेश यादव का करीबी है। वह भदरसा नगर पालिका का चेयरमैन है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है। राशिद खान न सिर्फ सपा के अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद बल्कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का भी काफी करीबी है। राशिद खान ने 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को जिताने के लिए जीतोड़ कोशिश की थी। उसने कई जनसभाओं का आयोजन किया और मुसलमानों से वोट देने की अपील की। इस दौरान कई मौकों पर राशिद खान और अवधेश प्रसाद एक साथ माला पहनते-पहनाते देखे गए थे। राशिद खान माफिया मुख़्तार अंसारी के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ था। अप्रैल 2024 में वह अपने दल-बल के साथ मऊ जिले के मोहम्मदाबाद गया था। इस दौरान उसने कब्रिस्तान में फातिहा पढ़ा था। उसकी मुलाकात अफ़ज़ाल अंसारी से भी हुई थी।

बाढ़ में बहा सपनों का आशियाना तो योगी ने दिए तीन करोड़

लखनऊ, 04 अगस्त (एजेंसियां)। एक इंसान के लिए उसका घर केवल दीवारें नहीं, बल्कि सुख-दुख का साक्षी होता है, जहां वह परिवार के साथ बिताए लम्हों और यादों को अपने दिल में संजो कर रखता है। इंसान का घर ही ऐसा होता है, जो उसे हर एक खट्टे-मीठे पलों की याद दिलाता रहता है। वहीं जब बाढ़ का पानी उसके सपनों के आशियाना को बहा ले जाता है तो वह सिर्फ दीवारों को ही नहीं बल्कि उसकी खुशियां, आशाएं, महत्वाकांक्षाएं और भविष्य के सुनहरे सपनों को भी अपने साथ बहा ले जाता है। इससे वह इंसान कभी उबर नहीं पाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंसान के इस दुख को बखूबी जानते और समझते हैं। यही वजह है कि सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ में अपना घर गंवाने वाले गरीबों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध करायी जा रही है, ताकि वह फिर से अपने सपनों के आशियाने को खड़ा कर सकें। इसी के तहत 30 दिन में प्रदेश के दो हजार से अधिक आशियाना गंवाने वाले गरीबों के आंसुओं को पोंछने के लिए तीन करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि जारी की जा चुकी है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बाढ़ पीड़ितों को युद्ध स्तर पर सहायता पहुंचाई जा रही है। वहीं सहायता धनराशि को 24 घंटे के अंदर पीड़ितों के खातों में क्रेडिट किया जा रहा है। इसी के तहत योगी सरकार बाढ़ की चपेट में आने से अपना घर गंवाने वालों की मदद को आगे आयी है। सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ की चपेट में आने से अपना आशियाना गंवाने वाले 14 जिलों के 2316 पीड़ितों के सापेक्ष 2309 लोगों के खातों में 3,37,19,000 रुपए की धनराशि जारी की गई है। वहीं 7 पीड़ितों को सहायता धनराशि जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें सबसे अधिक पीलीभीत में 867 मकान क्षतिग्रस्त हुए। योगी सरकार सभी को 42,58,000 रुपए की सहायता धनराशि जारी कर चुकी है। इसके बाद लखीमपुर खीरी में 593 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके सापेक्ष अब तक 588 क्षतिग्रस्त मकान के पीड़ितों को 80,77,500 रुपए की धनराशि जारी की जा चुकी है।

राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से 14 जिलों के 138 पक्के मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। इसके सापेक्ष अब तक 135 क्षतिग्रस्त मकान के पीड़ितों को एक लाख 20 हजार प्रति क्षतिग्रस्त मकान के हिसाब से 1,62,00,000 रुपए की धनराशि जारी की गई है। इसी तरह 14 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कच्चे मकान के पीड़ितों को एक लाख 20 हजार प्रति क्षतिग्रस्त मकान के हिसाब से 49,20,000 रुपए का मुआवजा दिया गया है। इसके अलावा 126 आंशिक क्षतिग्रस्त पक्के मकान के पीड़ितों को 6,500 रुपए प्रति आंशिक क्षतिग्रस्त मकान के हिसाब से 8,19,000 रुपए का मुआवजा दिया गया है।

वहीं 964 आंशिक क्षतिग्रस्त कच्चे मकान के पीड़ितों को 4 हजार रुपए प्रति आंशिक क्षतिग्रस्त मकान के हिसाब से 38,56,000 रुपए का मुआवजा दिया गया। इतना ही नहीं बाढ़ की चपेट में नष्ट 962 झोपड़ियों के सापेक्ष 959 पीड़ितों को 8 हजार प्रति नष्ट झोपड़ी के हिसाब से 76,72,000 रुपए की आर्थिक सहायता की गई है। इसके अलावा बाढ़ से क्षतिग्रस्त 85 पशु बाड़े के सापेक्ष 84 क्षतिग्रस्त पशु बाड़े के पीड़ितों को तीन हजार प्रति क्षतिग्रस्त पशु बाड़े के हिसाब से 2,52,000 रुपए की सहायता धनराशि जारी की गई है।

घबराएं मत, सबकी समस्या दूर करने के लिए दृढ़ है सरकार : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनी 400 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, घबराइए मत, सबकी समस्या दूर करने को सरकार संकल्पित है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

रविवार सुबह बारिश की आशंका के चलते जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया। इस दौरान आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 400 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही।

कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। कुछ प्रकरणों पर सीएम योगी ने अफसरों को निर्देशित किया कि वे यह भी पता लगाएं कि यदि किसी पीड़ित को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने अफसरों से कहा कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए जिससे उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारकर आशीर्वाद दिया। उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और चॉकलेट गिफ्ट कर उन्हें खूब पढ़ने को प्रेरित किया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने, अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की जीत पर योगी ने दी बधाई

लखनऊ, 04 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की विजय को ऐतिहासिक करारा देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय हॉकी टीम के साथ साथ समस्त देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने इस जीत को हर देशवासी की जीत बताया और जीत के इस क्रम के निरंतर जारी रहने की कामना की।

सीएम योगी ने कहा, भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। भ

ारतीय हॉकी टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को हराकर ओलंपिक के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सभी खिलाड़ियों और हर गर्वित भारतीय को हार्दिक बधाई। यह ऐतिहासिक उपलब्धि हर भारतीय की है। यह विजयी यात्रा जारी रहे। जय हिंद। मालूम हो कि क्वार्टर फाइनल मैच में निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबर रहने पर मैच का नतीजा निकालने के लिए पेनाल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया, जिसमें भारतीय टीम 4-2 से विजयी रही। अब यदि भारतीय टीम सेमीफाइनल में भी जीत हासिल करती है तो देश के लिए एक और मेडल पक्का हो जाएगा।

आपदा में जरूर होगी जनता की सुरक्षा और सहायता : योगी

मुख्यमंत्री ने कुशीनगर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

कुशीनगर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिले में नारायणी और गंडक नदी के बाढ़ से बचाव के लिए बीते सात साल में बड़े स्तर पर प्रयास किए गए हैं। करीब 600 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च करते हुए बाढ़ से बचाव के विभिन्न प्रबंध करने का ही परिणाम है कि 83 गांव की 1,16,000 की आबादी और 20 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि सुरक्षित हुई है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि वह नारायणी नदी पर पक्का पुल बनाने के लिए सर्वे का काम जल्द से जल्द शुरू करें। उन्होंने कहा कि नारायणी के उस पार करीब 20 हजार की आबादी को इस पुल से बहुत फायदा मिलेगा, ऐसे में बाढ़ का पानी उतरते ही नदी पर कहां पुल बनाया जाना है, इसका सर्वे कराकर रिपोर्ट शासन को भेजी जाए। उन्होंने कहा कि आपदा में सरकार 24 घंटे अपने नागरिकों की सहायता और सुरक्षा के लिए खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सभा तुर्कहा में बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की और राहत सामग्री का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले भैंसहां-छितौनी तटबंध का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और विद्यार्थियों में टैबलेट वितरित किया। साथ ही बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी सम्पन्न कराया। साथ ही टॉफी देकर उनको दुलार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 7 साल में समय पर बाढ़ से बचाव के उपाय करने का परिणाम है कि बड़े पैमाने पर जनधन की हानि को रोकने में मदद मिली है। अकेले कुशीनगर में करीब 3 लाख की आबादी को बाढ़ से बचाने में भी मदद मिली। इसी का परिणाम हे कि न केवल हम यहां सुरक्षित और निश्चिंत हैं, बल्कि प्रदेश के अन्य जनपदों में भी बाढ़ से बचाव को लेकर कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर हिमालय की तलहटी में होने के कारण यहां नदी का करंट यहां बहुत तेज होता है, फिर भी यहां काफी राहत है। सात साल पहले छितौनी तटबंध पर जो लोग काम करते थे उनकी निर्मम हत्या होती थी। इस क्षेत्र में माफिया हावी थे, सूर्यास्त के बाद लोग आना जाना बंद कर देते थे। आज आतंक, अराजकता और गुंडागर्दी का अंत हो गया है।

सीएम योगी ने कहा कि महात्मा बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली के रूप में पूरी दुनिया इसे शांति की भूमि के रूप में देखती है। इसे दुनिया की आस्था का केंद्र बनाने के लिए सरकार की ओर से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। कभी यहां के बच्चे इंसेफेलाइटिस से प्रभावित होते थे। आज इस बीमारी को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। कुशीनगर में आज मेडिकल कॉलेज बन रहा है। कृषि की आधुनिक तकनीक यहां के लोगों को मिल सके, इसके लिए नया कृषि विश्वविद्यालय कुशीनगर को उपलब्ध कराया गया है। यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण भी कर दिया गया है। कुशीनगर की सड़कों पहले ऐसी थीं कि पता ही नहीं लगता था कि सड़क है या गड्ढा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते सात से नौ जुलाई के बीच जब नेपाल में भारी बारिश हुई थी, तब गंडक और नारायणी में लगभग साढ़े 4 लाख क्यूसेक वाटर छोड़ा गया था। सामान्यत: यह 12 से 20 हजार क्यूसेक ही रहता है, इसके बावजूद यहां के तटबंध डटे रहे।

संपादकीय

इतिहास की बेटी मनु

निशानेबाज बिटिया मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में वह कर दिखाया है, जो अभूतपूर्व, अप्रत्याशित, अतुलनीय और अनिर्वचनीय है। एक ही खेल के दो प्रारूपों में लगातार दो कांस्य पदक जीत कर मनु ने कई इतिहास लिख दिए हैं। मनु के साथ सरबजोत सिंह भी मिश्रित खेल की अप्रतिम उपलब्धि के सूत्रधार हैं, लिहाजा देश के बेटे-बेटी को साझा शाबाश... ! मनु 10 मीटर एयर पिस्टल की निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। यह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय गौरव भी मनु के हिस्से आया है कि एक ही ओलंपिक में, एक ही खेल की दो शैलियों में, दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भी प्रथम महिला खिलाड़ी बन गई हैं। देश की संप्रभु आजादी के 77 सालों में मनु भाकर इस तरह ओलंपिक पदकवीर बनने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। मनु की यह सफलता 'हैट्रिक' में भी तबदील हो सकती है, क्योंकि उन्हें 2 अगस्त को 25 मीटर रैपिड निशानेबाजी में भी भाग लेना है। खेल की यह शैली मनु को सर्वाधिक प्रिय है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाड में खेल की इसी शैली में मनु स्वर्ण पदक जीत चुकी है। विश्व कप में इस 'होनहार बेटी' ने 9 स्वर्ण पदकों समेत कुल 11 पदक हासिल किए हैं और अभी तो सफर जारी है। करीब 124 साल पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 के ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे, लेकिन भारत तब गुलाम देश था। मनु और सरबजोत दोनों ही हरियाणा के खिलाड़ी हैं। वे 2019 से मिश्रित निशानेबाजी का साथ-साथ अभ्यास करते रहे हैं, बल्कि राष्ट्रीय और विश्व कप तथा अन्य मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतते रहे हैं। यह सरबजोत ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया, जब उन्होंने इस उपलब्धि की बधाई देने के लिए फोन किया था और मिश्रित टीम के बारे जिज्ञासा प्रकट की थी। सरबजोत ने प्रधानमंत्री के जरिए देश को आश्वस्त किया कि अगली बार वे स्वर्ण पदक जीत कर दिखाएंगे। बेशक यह उनके संघर्ष, जुनून, लक्ष्य, अनथक मेहनत का ही नतीजा है कि दोनों ओलंपिक पदकवीर हैं। यह वाकई असामान्य और अविश्वसनीय उपलब्धि है। हरियाणा तो क्या, देश भर में निशानेबाजी कोई पारंपरिक खेल नहीं है। हरियाणा कुश्ती, कबड्डी, मुक्केबाजी के लिए विख्यात राज्य है, लेकिन निशानेबाजी ने उसे नए मुकुट पहना दिए हैं। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने 2004 के एथेंस ओलंपिक में निशानेबाजी का रजत पदक जीता था। अभिनव बिंद्रा 2008 के बीजिंग ओलंपिक में इसी खेल की भिन्न शैली के चैम्पियन बने।

> देश की संप्रभु आजादी के 77 सालों में मनु भाकर इस तरह ओलंपिक पदकवीर बनने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। मनु की यह सफलता 'हैट्रिक' में भी तबदील हो सकती है, क्योंकि उन्हें 2 अगस्त को 25 मीटर रैपिड निशानेबाजी में भी भाग लेना है। खेल की यह शैली मनु को सर्वाधिक प्रिय है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाड में खेल की इसी शैली में मनु स्वर्ण पदक जीत चुकी है। विश्व कप में इस 'होनहार बेटी' ने 9 स्वर्ण पदकों समेत कुल 11 पदक हासिल किए हैं और अभी तो सफर जारी है। करीब 124 साल पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 के ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे, लेकिन भारत तब गुलाम देश था।

राहुल गांधी ने जो तुलनाएं की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं

राहुल गांधी की विभाजनकारी राजनीति और बेतुके तर्क

ललित गर्ग

> ता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन क्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा कर केंद्र सरकार पर निशाना धना चाहा है। जिस तरह से होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में तमंत्री के साथ खड़े लोगों को ति आधारित संरचना बताया वह हीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस रेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही जूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ आया? यह बात समझ से परे है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी-कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के

छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है?

राहुल गांधी ने बजट पर सरकार को घेरने के लिए महाभारतकालीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए यह भी कह डाला कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर लिया गया था, उसी तरह देश को भी मोदी सरकार ने घेर रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री समेत जिन छह लोगों को इस घेराबंदी के लिए जिम्मेदार ठहराया, उसमें अंबानी-अदाणी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी शामिल कर लिया। उन्होंने दावा किया है कि भारत पर कब्जा करने वाले चक्रव्यूह के पीछे तीन ताकतें है- पहली एकाधिकार पूंजी का विचार, जिसमें दो लोगों को देश की समूची संपत्ति का मालिक बनने की अनुमति देना। दूसरा देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं एवं तीसरी राजनीतिक कार्यप्रणाली है। इन तीनों ने मिलकर देश को तबाह कर दिया है। इस तरह के बयानों एवं बोलों से स्पष्ट है कि वह मनमाने और बेतुके तर्क देने में संकोच नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ऐसी बातों से चर्चा में तो आ जाते हैं और उनके समर्थक उनकी वाह-वाही करने में भी जुट जाते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह न तो समाज को कोई सही दिशा दे पा रहे हैं और न ही सरकार को कोई सार्थक सुझाव। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, चिन्तनीय है।

राहुल गांधी के रुख-रवैये एवं अतिश्योक्तिपूर्ण तर्कों से यही लगता है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में हैं। अपनी चुनाव पूर्व की आक्रामकता से वे उपरत नहीं हो पाये हैं। वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में बजट बनाने में आरक्षित वर्गों के कितने अधिकारियों की हिस्सेदारी होती है? वह मोदी शासन की तरह मीडिया में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन यह देखने को तैयार नहीं कि आखिर उनके परिवार के प्रभुत्व वाले मीडिया संस्थान में इन वर्गों के कितने लोगों की हिस्सेदारी है?

लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। जिससे सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है। आखिर सरकार करे, तो क्या करे? उसने हर सत्र के शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकें करके देख ली। दोनों सदनों के अध्यक्ष और उप-सभापति ने बारंबार समझा-समझाकर सहयोग की अपील कर ली। प्रधानमंत्री ने भी बार-बार सदस्यों से सदन को शांतिपूर्वक बहस के जरिये चलने-चलाने की विनम्र अपील कर डाली। बावजूद इसके एनडीए को सत्ता के आरंभ 2014 से अभी तक विपक्ष का सहयोग नहीं मिल पाया है। संसद के सत्रों की ही भांति नीति आयोग की बैठक का भी लगभग सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आईं जरूर, लेकिन उन्होंने भी यह आरोप लगाकर बाहर का रास्ता नापा कि उनको बोलने नहीं दिया गया, माइक बंद कर दिया गया। हालांकि, सरकार ने इससे इनकार किया है। क्या देश के मतदाताओं ने भारी संख्या में विपक्ष को इसीलिए भेजा है कि वे उनके हितकारी कार्यों पर संसद में बहस करने के बजाय सब कुछ हंगामे या बहिष्कार की भेंट चढ़ा दें? कब विपक्ष संसद में मतदाताओं की भावनाओं के अनुरूप उनको सौंपी गई जिम्मेदारी के प्रति गंभीर होकर अपनी दायित्वों एवं कर्तव्यों का पालन करते हुए देश-निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका का निर्वाह करेंगे?

नीति आयोग ऐसा कोई मंच नहीं, जिसे दलगत राजनीति का अखाड़ा बनाया जाए। वैसे भी, इस बार तो नीति आयोग की बैठक का एजेंडा देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के उपाय और सुझावों पर केंद्रित था। आखिर इस एजेंडे पर विपक्षी दलों एवं विपक्षी दल के मुख्यमंत्री को राजनीति करने की क्यों सूझी? वे यह ठान चुके हैं कि वे किसी भी, यहां तक की राष्ट्रीय हित के विषय पर भी सरकार के साथ मिलकर चलने को तैयार नहीं। इसकी झलक संसद में तो लगातार मिल रही है, लेकिन नीति आयोग में भी वैसी ही नकारात्मक स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण है।

हमास प्रमुख की हत्या से दुनिया पर मंडराते विश्वयुद्ध के बादल

इज़राइल ने अपने दुश्मनों को ढूंढ़ ढूंढ़ कर मारा

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

ईरान की राजधानी तेहरान में वहां के सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा दल, इस्लामी गार्ड्स की सुरक्षा में होने के बावजूद इज़राइल ने अपने सबसे बड़े शत्रु हमास के चीफ इस्माइल हानिया को सटीक हमले में जिस तरह मार गिराया, उससे पूरी दुनिया सकते में आ गई है। इस हमले में एक बार फिर इजरायल की क्षमताओं को सिद्ध दिया है और ईरान की सुरक्षा तंत्र की पोल भी खोल दी है। इस हमले में बिल्डिंग का एक हिस्सा, जिसमें हानिया था, वह तबाह हो गया, जिसमें एक सुरक्षा गार्ड भी मारा गया। हानिया कतर में दोहा में बड़े ही शानो-शौकत से रहता था। इस्माइल हानिया दुनिया भर में हमास के लिए राजनीतिक समर्थन और आर्थिक संसाधन जुटाता था। इस घटना से ईरान पूरी तरह बौखला गया है। ऐसी अपुष्ट खबरें भी आ रही हैं कि इस्लामी रिप-ब्लिक गार्ड और एयर डिफेंस के चीफ को इस हमले के लिए जिम्मेवार मानते हुए ईरान की सरकार ने उसे गोली मार दी है, सरकार का मानना है कि उसने ईरान से गद्दारी करके इज़राइल की मदद की थी।

जिस प्रकार यह हमला हुआ, इसे लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। हमला कहां से हुआ, इस पर भी सबकी अलग-अलग राय है। ज्यादातर विश्लेषकों का यह मानना है कि किसी अंदरूनी भेदिए की सूचना के बिना इस प्रकार का सटीक हमला संभव ही नहीं है। हमला कहां से हुआ और कैसे हुआ, इस पर भी कई तरह के अनुमान हैं। इज़राइल से इतनी दूर से कोई मिसाइल आकर इस प्रकार किसी बिल्डिंग के किसी खास कमरे पर सटीक हमला करे, यह संभव नहीं लगता। कुछ लोग कहते हैं कि पहले से ही उस कमरे में किसी प्रकार का बम लगाया गया था, जिसे रिमोट से उड़ाया गया। कुछ लोगों को मानना है कि ईरान में ही कहीं निकट से किसी गाइडेड मिसाइल आदि से यह हमला किया गया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह हमला आसपास की ही किसी बिल्डिंग से किया गया है। लेकिन अभी तक पक्की जानकारी किसी के पास नहीं है।

बताया जाता है कि इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद की एक गुप्त इकाई है, जिसका नाम है किडोन, इसके बारे में इज़राइली सरकार कुछ खुलकर नहीं बताती। इस इकाई में सुरक्षा बलों से लिए गए मोसाद के चुनिंदा अधिकारी हैं। इस इकाई का मुख्य कार्य है इज़राइल के दुश्मनों को ढूंढ़-ढूंढ़ कर खत्म करना। वे दुनिया के किसी भी कोने में, कहीं भी और किसी भी तरह छिप कर या वेष बदल कर रह रहे हों, उन तक पहुंचना और मौका मिलते ही उन्हें खत्म कर देना है। म्यूनिख ओलंपिक में फिलिस्तीनी आतंकियों ने इजरायल के ग्यारह खिलाड़ियों को मार डाला था। हमला करने वाले और हमले की योजना बनाने वालों को ढूंढ़ने में इज़राइल की इस खुफिया इकाई को बहुत लंबा समय लगा। ये छिपकर, वेष बदलकर और अपनी पहचान बदलकर दुनिया के कोने-कोने में रह रहे थे। अनेक वर्ष बीत गए, इन्हें लगा कि वे बच गए हैं, लेकिन इस यूनिट ने एक-एक को ढूंढ़ कर, सबको मौत के घाट उतार दिया था। हिटलर की फौज की एक विशेष इकाई जिसे एस-एस कहा जाता था, उसका एक खास सदस्य था ऐरिक एडमिन, जिसने बड़ी संख्या में यहूदियों की हत्या करवाई थी। युद्ध समाप्त होने पर वह अर्जेंटीना में जाकर छिप गया। 20 वर्ष बाद इज़राइलियों को जब उसके बारे में पता लगा तो वे उसे वहां से उठाकर इज़राइल लाए और उसे सार्वजनिक रूप से सजा दी गई। लगता है यहां भी इसी यूनिट ने इस हमले को अंजाम दिया है। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि हानिया की हत्या में व्हाट्सएप की भूमिका है जिसका चीफ एक यहूदी है। जैसे ही हानिया ने कोई व्हाट्सएप संदेश पढ़ा, उसे हानिया की लोकेशन मिल गई और उसने वह इज़राइल तक पहुंचा दी। क्योंकि ईरान में व्हाट्सएप प्रतिबंधित है तो हो सकता है कि उसके ईरान जाने के पहले ही व्हाट्सएप के माध्यम से उसके मोबाइल में कोई जासूसी ऐप डाल दिया गया हो।

याद कीजिए कि जब 7 अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकियों ने एक षड्यंत्र के तहत इज़रायल पर हमला करके वहां उत्सव मना रहे 1200 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी थी और करीब ढाई सौ नागरिकों को बंधक बना लिया था। तब इस्माइल हानिया ने इज़राइल को धमकी दी थी यदि उसकी सेना गाज़ा में घुसी तो गाज़ा उसके सैनिकों की कब्रगाह बन जाएगा। तब ज्यादातर इस्लामी देशों में जश्न मनाया गया था। जिन लोगों ने उस समय जश्न मनाया था, अब उनके यहां मातम पसरा है। दुनिया में कहीं भी किसी इस्लामिक देश या आतंकी को कुछ हो तो सबसे पहले छाती-पीट अभियान भारत में शुरू हो जाता है। इज़राइल ने अपने शत्रु और हमास नामक आतंकी संगठन के मुखिया, जिसे विश्व का शीर्ष आतंकी घोषित किया गया है, उसे मारा तो भारत का इससे क्या लेना देना, लेकिन हाय-तौबा यहाँ भी मची है। हमास प्रेमी गैंग का प्रलाप जारी है। फिलिस्तीन का पोस्टर चिपका कर दुनिया के सबसे बड़े आतंकी के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं। इस पर भड़काऊ भाषण करनेवालों में मौलाना सलमान नदवी से लेकर मौलाना सज्जाद नोमानी तक का नाम है। मौलाना सज्जाद नोमानी का कहना है, अगर हानिया इस्माइल आतंकी था तो महात्मा गांधी भी दहशतगर्द थे, भगत सिंह भी दहशतगर्द थे, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, मौलाना आजाद और सरदार पटेल, ये सभी दहशतगर्द थे। हजारों निर्दोषों की हत्या के लिए जिम्मेवार आतंकी की महात्मा गांधी और भारत के स्वतंत्रता सेनानियों से तुलना करना भारत का अपमान और एक आतंकी का सम्मान है। ऐसी तुलना निंदनीय है।

इज़राइल ने 48 घंटे में हमास को दो बड़े झटके दिए हैं। एक तरफ तो ईरान में हमास के मुखिया हानिया को टपका दिया, उधर दो हवाई हमलों में हमास और हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर मारे गए हैं। हमास के सहयोगी हिज़बुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर फोमुद शुकर पर बैरूत में भयानक हवाई हमला हुआ था। हालांकि कुछ लोगों का यह मान रहे थे कि वह इस हमले में बच गया था, लेकिन अब इज़राइल ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी है। इसी तरह इसी महीने गाजा में हमास के सैन्य अभियान के प्रमुख मोहम्मद दाइफ भी 13 जुलाई को एक हवाई हमले में मारा गया। बताया जाता है कि इज़राइल पर 7 अक्टूबर के हमले की योजना में उसकी मुख्य भूमिका थी। यहाँ यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि हानिया के 13 बेटे थे। इसी वर्ष अप्रैल में इज़राइल की सेना ने हानिया के तीन बेटों को मार गिराया था। 25 जून 2024 को उसकी बहन सहित परिवार के 10 सदस्य रिफ्यूजी कैंप पर हमले में मारे गए थे। अक्टूबर में उसके भाई, भतीजों सहित परिवार के 14 सदस्य मारे गए थे। नवंबर में उसकी एक पोती भी गाजा में हमले में मारी गई थी और इस महीने में गाज़ा के एक हमले में उसका सबसे बड़ा पोता भी मारा गया। इस तरह पहले हानिया के परिवार के अनेक लोग और अब हानिया इज़रायल के हमले में मारा गया। हानिया की मौत के बाद अब खालिद मिशाल को हानिया की जगह हमास का मुखिया बनाया गया है, जो 1997 में एक हमले में बाल-बाल बच गया था। हानिया के बाद खालिद मिशाल हमास में दो नंबर पर था और राजनीतिक संबंधों में भी मिशाल हानिया के बाद वही इस काम को संभाल सकता है। चौंकाने वाली बात यह है कि इसका भारत के केरल से भी संबंध बताया जा रहा है।

ईरान की राजधानी तेहरान में ईरान की सर्वोत्तम सुरक्षा एजेंसी, इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड की सुरक्षा में आतंकी संगठन हमास के मुखिया की सटीक हमले में हत्या से पूरे विश्व की राजनीति मैं खलबली मच गई है और पूरे इस्लामी जगत में हड़कंप मच गया है। इसके कारण पूरी दुनिया पर विश्व युद्ध का खतरा भी मंडराने लगा है। इस्माइल हानिया ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शपथग्रहण में राजकीय अतिथि के रूप में वहाँ पहुंचा था और उसे किसी राष्ट्राध्यक्ष की तरह उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रदान की गई थी। उल्लेखनीय है कि ईरान के पूर्व राष्ट्रपति की विमान दुर्घटना हुई थी, जिसे इज़राइल का षड्यंत्र बताया गया था। अब उसकी राजधानी में, उसके खास मेहमान और दुनिया के सबसे बड़े आतंकी का इज़राइल द्वारा सफाया, ईरान के लिए बहुत ही शर्मनाक है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार ईरान की सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने बयान दिया है कि वह ईरान की जमीन पर इस्माइल हानिया की मौत का बदला जरूर लेगा। उसने इज़रायल पर हमले का हुक्म भी दे दिया है।

हमास के मुखिया हानिया की हत्या के बाद रूस और चीन सहित अनेक इस्लामिक देशों ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। ईरान, लेबनान, ट्यूनीशिया सहित अनेक देशों में बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। हानिया कि तेहरान में हत्या के बाद विश्व स्तर पर राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। जहां एक ओर अमेरिका ने इज़रायल की मदद का भरोसा दिया है, वहीं रूस और चीन जैसी महाशक्तियां ईरान के साथ खड़ी दिखाई दे रही हैं। इज़राइल के सभी पड़ोसी मुस्लिम देश व हूती तथा हिज्बुल्लाह सहित अनेक आतंकी संगठन भी इस हत्या को लेकर इज़रायल पर पलटवार की बात कर रहे हैं। हानिया के बेटे का कहना है कि वे फिलीस्तीन की आजादी तक लड़ते रहेंगे। ईरान का कहना है कि हानिया की मौत के लिए अमेरिका भी जिम्मेदार है, उसी ने इज़रायल को हानिया की लोकेशन दी। लेकिन अमेरिका कह रहा है कि उसे इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। हानिया की मौत के बाद ईरान ने अपने यहां तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। इराक के अनुसार इस तरह का ऑपरेशन अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। रूस ने कहा है कि यह राजनीतिक हत्या है इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। सऊदी अरब भी कह रहा है गाजा की स्थिति को देखकर हम बहुत दुखी हैं, इज़राइल को फिलिस्तीन की जमीन छोड़नी होगी। लीबिया और बहरीन भी इज़राइल के खिलाफ खड़े हो गए हैं। लीबिया का कहना है कि यदि सीमाएं खुल जाएं तो वह हथियार भी देगा और उसके लड़ाके वहां लड़ने के लिए भी पहुंचेंगे। तुर्की का कहना है कि यह एक जघन्य अपराध है। हमास और इजरायल के बीच बातचीत की मध्यस्थ कर रहे कतर का कहना है कि अब युद्ध विराम मुश्किल है। पाकिस्तान ने इसे आतंकी हमला कहा है। तुर्की में प्रदर्शनकारियों ने इज़रायल के दूतावास में घुसने की कोशिश की। इससे मध्य एशिया में टकराव बढ़ने की आशंका है।

अब बड़ा प्रश्न यह है क्या ईरान फिर से इज़राइल पर हमला करेगा? क्या दूसरे खाड़ी के देश भी उसमें शामिल होंगे? लोगों को अब यह आशंका होने लगी है कि कहीं हानिया की हत्या अब विश्वयुद्ध का रूप न ले ले। रूस और यूक्रेन युद्ध तथा इज़राइल और हमास युद्ध के कारण पहले ही विश्व दो खेमों में बंट रहा था। लेकिन अब अब ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के मुखिया को मार गिराने से यह ध्रुवीकरण और तेज होगा। एक तरफ है इज़राइल तथा उसके साथ अमेरिका और नाटो देश। दूसरी ओर ईरान के साथ रूस और चीन सहित लगभग सभी मुस्लिम देश हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है, उसके संबंध ईरान और इज़रायल दोनों से ही अच्छे हैं। उधर उसके संबंध रूस और अमेरिका से भी अच्छे हैं। इसलिए इस बात की कोई संभावना नहीं कि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दोनों में से किसी के साथ खड़ा होता दिखाई दे।

अब सारा मामला इस बात पर आकर टिकता है कि क्या ईरान सही मायने में इज़राइल पर हमला करेगा या केवल धमकी देकर रह जाएगा? या फिर अपनी जनता को और अन्य देशों को संदेश देने के लिए पहले की तरह नाम के लिए कुछ हवाई हमले करे? और यदि ईरान पूरी शक्ति के साथ इज़राइल पर हमला करता है तो क्या खाड़ी के अन्य देश भी उसके साथ आएंगे? ईरान के सुर में सुर मिला रहे चीन और रूस भी क्या इस युद्ध में शामिल होंगे? क्या हानिया की हत्या का बदला लेने के लिए मध्य एशिया के सभी इस्लामिक देश एकजुट होकर इज़राइल पर हमला करेंगे?

ज्यादातर सैन्य विशेषज्ञों का यह मानना है कि ईरान भले ही कितना भी आक्रामकता दिखा रहा हो, लेकिन वह अच्छी तरह जानता है कि इस युद्ध में कूदना उसके हित में नहीं है। भले ही ईरान की सेना बड़ी हो, भले ही उसका भौगोलिक क्षेत्र बड़ा हो लेकिन इस सब के बावजूद इज़राइल की शक्ति ईरान से बहुत अधिक है, उसका रक्षा बजट भी बहुत अधिक है। यह भी देखने की बात है कि ईरान पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों के चलते, कल-पुर्जों के अभाव में उसके कितने युद्धक विमान युद्ध के लायक हैं? हालांकि इज़राइल ने कभी इस बात की पुष्टि नहीं की लेकिन माना जाता है कि इज़राइल के पास परमाणु बम भी मौजूद हैं। विशेषज्ञों के अनुसार भले ही रूस और चीन उसके पक्ष में बयानबाजी कर रहे हों लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है कि वे ईरान के समर्थन में प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में उतरेंगे। यहां ईरान को यह भी देखना होगा कि इज़राइल के समर्थन में अमेरिका ने ईरान के निकट बारह युद्धपोत और चार हजार सैनिक तैनात कर दिए हैं। अमेरिका ने खुलकर यह बात कही है कि यदि ईरान या अन्य देश इज़राइल पर हमला करेंगे तो अमेरिका इजराइल का साथ देगा। ऐसी स्थिति में यदि ईरान और इज़राइल के बीच युद्ध होता है तो प्रत्यक्ष - परोक्ष रूप से अनेक देश भी उसमें कूद सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो विश्व युद्ध शुरू हो जाएगा। तनाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत ने लेबनान में रह रहे 9000 भारतीयों को लेबनान छोड़ने की सलाह दी है।

अगर ईरान इज़राइल पर हमला करना भी चाहे तो उसमें कई अड़चनें हैं। एक तो यह कि दोनों की सीमाएं आपस में नहीं लगती इसलिए टैंक और सेनाओं द्वारा हमला संभव नहीं। फिर उसके पास ऐसे युद्धक विमान नहीं कि इतना लंबा रास्ता तय करके वे बिना रुके हमला करके लौट आएं, ऐसे में कौन सा देश बीच में उसे तेल भरने की सुविधा देगा। फिर इनका शिया-सुन्नी का मामला भी है। बीच में पड़ने वाले सुन्नी देशों से उसके रिश्ते भी अच्छे नहीं। हालांकि उसके पास ऐसी कुछ मिसाइलें हैं जो इज़राइल तक पहुंच सकती हैं, लेकिन इज़राइल की मिसाइलरोधी प्रणाली को भेदना भी उतना आसान नहीं है। फिर भी वह कुछ नुकसान तो पहुंचा ही सकता है।

ऐसी स्थिति में ईरान के पास एक ही विकल्प है कि वह पहले की तरह अपने पाले हुए आतंकी संगठनों, इज़राइल के उत्तर में लेबनान में हिजबुल्लाह और नीचे की तरफ यमन में हूती कथा सीरियल आदि में मौजूद ऐसी संगठनों की मदद से इज़राइल पर और अधिक भीषण प्रहार करे। यह भूलना न होगा कि इज़राइल पहले भी इन दोनों से लड़ रहा है। यमन के तटीय इलाकों पर उसने हूती को भारी नुकसान पहुंचाया था और उसके पोर्ट तथा तेल के कुओं को बर्बाद कर दिया था। हिज़बुल्लाह पर भी उसने बड़े हमले किए हैं। लेकिन इन तमाम बातों के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस्माइल हानिया की मौत से एक बार फिर दुनिया पर विश्वयुद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। यह भी लगभग तय है कि दोनों ओर से कुछ न कुछ तो होगा। अब देखना यह है कि वह कितने बड़े पैमाने पर होगा और विश्व स्तर पर वह कितना विकराल होगा।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, 72 की मौत, पूरे देश में कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाएं ठप

ढाका, 04 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में एक बार फिर से हिंसा का दौर शुरू हो गया है। इस बार हजारों प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए हैं। रविवार को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई जगहों पर हिंसक झड़प हुई। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 14 पुलिस वाले भी शामिल हैं। वहीं अब तक गोली लगने से घायल हुए 40 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरकार ने हिंसा पर काबू करने के लिए देशभर में कर्फ्यू लगा दिया है। साथ ही अगले 3 दिनों के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। इसके अलावा राजधानी ढाका में दुकानों और बैंकों को बंद करने के आदेश भी दिए गए हैं। पुलिस की तरफ से भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस और स्मोक ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया। हिंसा को काबू करने के लिए सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया है। साथ ही फेसबुक, वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी रोक लगा दी है। प्रदर्शनकारी छात्र लगातार प्रधानमंत्री शेख हसीना का इस्तीफा मांग रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, फेनी में हिंसा के दौरान पांच लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा सिराजगंज में चार, मुंशीगंज में तीन, बोगुरा में तीन, मगुरा में तीन, भोला में तीन, रंगपुर में तीन, पाबना में दो, सिलहट में दो, कोमिल्ला एक, जयपुरहाट में एक ढाका में एक और बारीसाल में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इस बीच, बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने रविवार शाम छह बजे से पूरे देश में कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। कर्फ्यू के दौरान फेसबुक, वॉट्सएप, इंस्टाग्राम, मोबाइल इंटरनेट को बंद कर दिया गया है।

रविवार को प्रदर्शनकारियों और सत्ताधारी आवामी लीग के समर्थकों के बीच झड़प में 32 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा बांग्लादेश के अलग अलग हिस्सों में हजारों लोग जुटे और शेख हसीना के इस्तीफे की मांग करने लगे। बताया गया है कि शेख हसीना ने अपने निजी आवास गणभवन में सुरक्षा मामलों की राष्ट्रीय समिति की बैठक बुलाई। इस दौरान उन्होंने कहा, जो लोग प्रदर्शन के नाम पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं, वे छात्र नहीं बल्कि आतंकवादी हैं।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में पाकिस्तान के आईएसआई एजेंट को जिंदा जला दिया

टोरंटो। पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के एक एजेंट को जिंदा जला दिया है। मारे गए कथित एजेंट की पहचान राहत राव के रूप में हुई है। राहत राव कथित तौर पर कनाडाई-पाकिस्तानी समुदाय से ताल्लुक रखता था। सूत्रों के हवाले से मीडिया में आ रहीं खबरों के मुताबिक राहत राव का सरे सेंट्रल इलाके में विदेशी मुद्रा का कारोबार था। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना तब हुई जब एक व्यक्ति राहत के दफ्तर में पैसे के लेन-देन के काम के लिए आया था। इसके बाद उस व्यक्ति ने राव को आग लगा दी और भाग गया। बता दें कि सितंबर 2023 में, खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के सिलसिले में राहत राव से भी कनाडा में पूछताछ की गई थी। आरसीएमपी (रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस) ने राहत राव के घर का दौरा किया था। हालांकि पुलिस ने अपनी यात्रा का कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताया, लेकिन यह संभवतः निज्जर की हत्या के बारे में उनकी जानकारी से संबंधित था। रिपोर्ट के मुताबिक, निज्जर की हत्या के पीछे पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई का हाथ होने का संदेह है। राहत राव और तारिक कियानी कनाडा में आईएसआई के प्लांटेड एजेंस हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि भारत से आने वाले वांटेड आतंकवादियों को भी पाकिस्तान की आईएसआई के एजेंट हैंडल कर रहे हैं।

हमास प्रमुख की हत्या के बाद बड़ा एक्शन, कई अधिकारी हुए गिरफ्तार

तेहरान। हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या के बाद पूरी दुनिया में खलबली मची हुई है। ईरान ने इजरायल से बदला लेने की कसम खाई है तो वहीं दूसरे देशों की भी चिंताएं बढ़ी हैं। इसी बीच हानिया की हत्या की जांच के बीच उच्च पदस्थ खुफिया और सैन्य अधिकारियों सहित दर्जनों कानून प्रवर्तन अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है। स्थानीय मीडिया सूत्रों ने जांच से जुड़े ईरान के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि जिस विस्फोटक उपकरण से हानिया की मौत हुई। वह इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद द्वारा किराए पर लिए गए आईआरजीसी के एजेंटों द्वारा लगाया गया था। यह घटना कथित तौर पर ईरान के लिए अपमान और आईआरजीसी के लिए एक बड़ा सुरक्षा उल्लंघन बन गई। ईरानी जांचकर्ताओं का मानना है कि मोसाद द्वारा किराए पर ली गई हत्यारी टीम देश के भीतर ही है और उन्हें गिरफ्तार करना चाहती है। नवनिर्वाचित ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के बाद हानिया की हत्या कर दी गई। हमास ने हानिया की मौत के लिए इज़रायल और अमेरिका को दोषी ठहराया और जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई हे। ईरानी अधिकारियों द्वारा गठित एजेंटों की विशेष टीम ने तेहरान में आईआरजीसी द्वारा संचालित गेस्टहाउस में वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों, उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों और कर्मियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ की और उन्हें गिरफ्तार किया है। ईरानियों ने के मुताबिक आधिकारिक जांच पूरी होने तक उनमें से कई को हिरासत में ले लिया गया है।

टिकटॉक के खिलाफ अमेरिका ने दायर किया मुकदमा, बच्चों को खतरे में डाला

न्यूयॉर्क। अमेरिकी सरकार ने चीन की मालिकाना हक वाली सोशल मीडिया कंपनी टिकटॉक के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

अमेरिका का आरोप है कि उन्होंने अवैध रूप से जानकारी जुटाकर बच्चों की सुरक्षा को खतरे में डाला है। अमेरिकी न्याय विभाग ने इसकी जानकारी दी। फेडरल ट्रेड कमीशन की प्रमुख लीना खान ने कहा, टिकटॉक ने जानबूझकर बार-बार बच्चों की गोपनीयता का उल्लंघन किया और देश भर में लाखों बच्चों की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया। टिकटॉक और उसकी सहयोगी कंपनी बाइट डांस के खिलाफ की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2019 के बाद से टिकटॉक ने बच्चों को नियमित रूप से टिकटॉक अकाउंट बनाने और वयस्कों के साथ शॉर्ट-फॉर्म वीडियो और संदेश साझा करने की अनुमति दी। शिकायत में कहा गया है कि टिकटॉक ने 13 साल से कम उम्र के बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी जुटाई है, जिसमें उनकी पर्सनल जानकारी और ईमेल व एड्रेस शामिल हैं। शिकायत में कहा गया कि जैसे ही माता-पिता को इसकी जानकारी मिली उन्होंने टिकटॉक से शिकायत की। उन्होंने टिकटॉक से खाते की जानकारी हटाने के लिए कहा। लेकिन, कंपनी ने परिवार वालों की मांग को अनदेखा किया। अमेरिकी सरकार ने 2019 में ऑनलाइन गोपनीयता संरक्षण अधिनियम उल्लंघन के लिए टिकटॉक के म्यूजिकल.एलवाई पर भी मुकदमा दायर किया था।

हिज्बुल्लाह का बड़ा हमला

50 मिसाइलें दागीं, इज़राइल का दावा- सभी को किया ध्वस्त

तेल अवीव, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

ईरान समर्थित आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने इजराइल पर बड़ा हमला कर दिया है. लेबनान से उसने इजराइल पर एक साथ 50 मिसाइलें दागीं. हिजबुल्लाह ने कहा कि लेबनान के केफर केला और डेर सिरियाने में हुए हमलों के जवाब ने उसने ये हमला किया है।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर हवाई हमला कर दिया है. ईरान समर्थित इस आतंकी संगठन ने इजराइल पर एक के बाद एक दर्जनों रॉकेट दागे. हिजबुल्लाह ने यह हमला नॉर्थ इजराइल में किया. ईरान समर्थित समूह ने कहा कि उसने बदले की कार्रवाई के तहत बेत हिलेल में ये हमला किया है. लेबनान से उसने इजराइल पर एक साथ 50 मिसाइलें दागी. आयरन डोम ने सभी मिसाइलों को नाकाम कर दिया।

इज़राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में एयरस्ट्राइक की थी

हालाकि, इस हमले में इजराइल में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. दो दिन पहले इजराइल ने लेबनान केफर केला और डेर सिरियाने में हवाई हमला किया था. इस हमले में कई नागरिक घायल हो गए थे, जिसके जवाब में हिजबुल्लाह ने इजराइल पर रॉकेट बरसाए हैं. चार दिन पहले इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में एयरस्ट्राइक की थी।

इस हमले में हिजबुल्लाह कमांडर हज मोहसिन उर्फ फुआद शुकर की मौत हो गई थी. इसके अलावा कुछ सिरियाई नागरिक मारे गए थे. इसके 48 घंटे बाद ही हिजबुल्लाह ने इजराइल पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. लेबनान से उसने उत्तरी इजराइल पर दर्जनों रॉकेट दागे. कमांडर मोहसिन को हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह का खास माना जाता था. आईडीएफ ने फुआद को नसरल्लाह का राइट हैंड बताया था.

इजराइल ने हानिया को ईरान में घुसकर मारा

बीते दिनों इजरायल ने हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया को मार गिराया. इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने हानिया को ईरान में घुसकर मारा था. हानिया की मौत के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है. इजराइल हमास जंग के बाद इजराइल और ईरान के बीच भी युद्ध छिड़ सकता है. हिज्बुल्लाह ईरान समर्थित आतंकी संगठन है, उसने इजराइल पर हमला करना शुरू कर दिया है।

फुआद-हानिया की हत्या से मिडिल ईस्ट में तनाव

ईरान हानिया की मौत का बदला जरूर लेगा. इसको लेकर इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद काफी अलर्ट हो गई है. हानिया की हत्या से ईरान और इजराइल के बीच भी कभी भी युद्ध छिड़ सकता है. ईरान ने साफ कहा है कि हानिया की हत्या का बदला लिया जाएगा. इजराइल को उसके किए की सजा जरूर मिलेगी. हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर फुआद और फिर हानिया की हत्या से मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है।

मुझे बेवकूफ बनाना बंद करो नेतन्याहू पर भड़के बाइडन, क्या दोस्त अमेरिका इज़राइल से हुआ नाराज?

वॉशिंगटन, 04 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान में हमास चीफ इस्माइल हानिया की हत्या कर दी गई। इसे लेकर अमेरिका नाखुश दिख रहा है। शनिवार शाम को आई एक रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रपति बाइडन ने गुरुवार को फोन पर बातचीत के दौरान पीएम नेतन्याहू से कहा, मुझे बेवकूफ बनाना बंद करो। चैनल 12 की खबर में सूत्रों का हवाला दिए बिना कहा गया कि बाइडन को गुस्सा तब आया जब नेतन्याहू ने बताया कि इजरायल हमास के साथ बंधकों के बदले युद्धविराम समझौते पर बातचीत के साथ आगे बढ़ रहा है और जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा।

कई महीनों से इजरायल और हमास के बीच बातचीत चल रही है। बाइडन ने इसे लेकर पहले कहा है कि नेतन्याहू आंतरिक राजनीतिक कारणों से जानबूझकर देरी कर रहे हैं। नेतन्याहू के कार्यालय ने शनिवार की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अपनी निजी चर्चा पर टिप्पणी नहीं करते हैं। बयान में दावा किया गया, प्रधानमंत्री अमेरिकी राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करते हैं और जो भी राष्ट्रपति चुना जाएगा उसके साथ काम करेंगे और उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी भी इजरायल की राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

टेलीग्राफ ने शनिवार को एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से बाइडन बाहर हो गए हैं। इस फैसले के बाद से नेतन्याहू ईरान पर हमला करने के लिए अधिक साहसी महसूस कर रहे हैं। इजरायली अधिकारी ने कहा, बाइडन का असली एजेंडा इजरायल को पूर्ण समर्थन देना है और उन्होंने दशकों तक ऐसा किया है। नेतन्याहू यह जानते हैं, यही कारण है कि वह अधिक साहसी हो रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि वह इजरायल के दुश्मनों पर हमला कर सकते हैं। अभी भी उन्हें अमेरिका का पूरा समर्थन मिला है। ईरान में गद्दारी का शिकार हो गया हमास चीफ, मोसाद ने ईरानी एजेंट्स से लगवाया बम!

तेहरान में बुधवार को हुए एक विस्फोट में हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत हो गई। हानिया की मौत से भड़के ईरान ने बदला लेने की धमकी दी है। इजरायल ने न तो हत्या में अपनी भूमिका स्वीकारी है और न ही इनकार किया है। गुरुवार को बाइडन ने कहा कि हमास के प्रमुख वार्ताकार की हत्या से गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के प्रयासों में मदद नहीं मिलेगी।

चुनावी बहस से पहले ही भिड़े ट्रंप-कमला हैरिस, पसंद की तारीख व चैनल चाहते हैं दोनों उम्मीदवार

वॉशिंगटन, 04 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान की अपनी पहली डिबेट से पहले ही डोनाल्ड ट्रम्प और कमला हैरिस आमने-सामने आ गए हैं। दोनों अलग-अलग ब्रॉडकास्टार और तारीख पर डिबेट करना चाहते हैं। इसे लेकर दोनों के अपने तर्क हैं। अमेरिका में इसी साल 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होगा।इसके लिए बाइडेन के चुनावी मैदान से हटने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी से कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उम्मीदवार हैं।दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबले का आसार हैं।

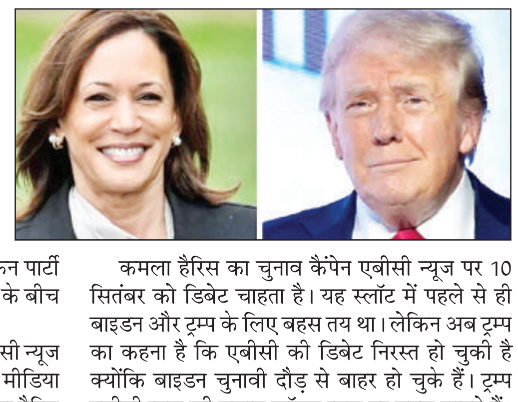

डोनाल्ड ट्रंप ने 10 सितंबर को होने वाली एबीसी न्यूज बहस से बाहर होने की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया साइट, ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी देते हुए कमला हैरिस के साथ फॉक्स न्यूज के साथ बहस का प्रस्ताव रखा है। इस पोस्ट के मुताबिक फॉक्स न्यूज की बहस 4 सितंबर को पेंसिल्वेनिया में एक निर्धारित स्थान पर होगी।

कमला हैरिस ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं 10 सितंबर को वहां रहूंगी, जैसा कि ट्रम्प ने सहमति व्यक्त की थी। मुझे उम्मीद है कि मैं ट्रम्प को वहां देखूंगी।

कमला हैरिस का चुनाव कैंपेन एबीसी न्यूज पर 10 सितंबर को डिबेट चाहता है। यह स्लॉट में पहले से ही बाइडन और ट्रम्प के लिए बहस तय था। लेकिन अब ट्रम्प का कहना है कि एबीसी की डिबेट निरस्त हो चुकी है क्योंकि बाइडन चुनावी दौड़ से बाहर हो चुके हैं। ट्रम्प एबीसी न्यूज की बजाय फॉक्स न्यूज पर बहस चाहते हैं। साथ ही वे यह बहस 4 सितंबर को चाहते हैं।

गौरतलब है कि ट्रंप और हैरिस के बीच डिबेट की तारीख और जगह को लेकर विवाद 21 जुलाई से ही शुरू हो गया था जब बाइडन ने राष्ट्रपति चुनाव से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की थी और कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी का सर्वसम्मत उम्मीदवार बनाया गया।

अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को सलाह दी

पैसे नहीं हैं तो अमेरिकी दूतावास से लें, लेकिन जल्दी ही लेबनान छोड़ दें

वॉशिंगटन, 04 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल हमास युद्ध में अब कई देश कूद पड़े हैं। लेबनान से लेकर ईरान तक अब जंग की ओर बढ़ चुके हैं। इस बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए लेबनान की राजधानी बेरूत स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को किसी भी उपलब्ध टिकट पर जल्द से जल्द लेबनान छोड़ने की सलाह दी है। दूतावास ने आगे कहा, जिन अमेरिकी नागरिकों के पास अमेरिका लौटने के लिए पैसों की कमी है, वे वित्तीय सहायता के लिए दूतावास से संपर्क कर सकते हैं। हम अनुशंसा करते हैं कि अमेरिकी नागरिक जो लेबनान से प्रस्थान न करने का विकल्प चुनते हैं, वे आपातकालीन स्थितियों के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार करें और लंबे समय तक ठहरने के लिए अपने आशियाने को तैयार रखें।

अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को दिए सलाह में कहा है कि 'कई एयरलाइनों ने उड़ानें निलंबित या रद्द कर दी हैं और कई उड़ानों की टिकटें बिक चुकी हैं। हालांकि, लेबनान छोड़ने के लिए वाणिज्यिक परिवहन विकल्प उपलब्ध हैं। कृपया बेरुत-राफिक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उपलब्ध उड़ान विकल्प देखें। हम लेबनान से प्रस्थान करने के इच्छुक लोगों को उनके लिए उपलब्ध कोई भी टिकट बुक करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, भले ही वह उड़ान तुरंत प्रस्थान न करती हो या उनकी पहली पसंद के मार्ग का अनुसरण न करती हो। इजरायल के बेरूत में हिजबुल्लाह के कमांडर फौद को मारने का दावा किए जाने के कुछ घंटों बाद ही हानिया की मौत की खबर सामने आई थी। रविवार रात को उत्तरी इजरायल के बेत हिलेल इलाके में हिजबुल्लाह ने कई रॉकेट दागे। हिजबुल्लाह का दावा है कि इजरायल के हमलों में वहां के नागरिक घायल हुए हैं। वहीं इजरायल के आयरन डोम सिस्टम ने हिजबुल्लाह की ओर से दागे गए कई रॉकटों को रोक दिया। बता दें कि इससे पहले इसी तरह की ब्रिटेन के चेतावनी विदेश मंत्री डेविड लैमी ने भी जारी की थी। लैमी ने कहा था कि क्षेत्र में स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। बुधवार को तेहरान में हुई हमास के नेता इस्माइल हानिया की हत्या के बाद ईरान ने इजरायल पर जवाबी कार्रवाई करने की बात कही है।

चेहरे पर नकाब, अल्लाह हू अकबर का नारा... क्यों जल रहा ब्रिटेन

मुस्लिम और अवैध प्रवासियों के खिलाफ आखिर क्यों भड़की हिंसा

लंदन, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड में चाकू से हुए हमले में तीन लड़कियों की मौत हो गई थी। इसके बाद यूके में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। आने वाले दिनों में और भी प्रदर्शन की उम्मीद है। धुर दक्षिणपंथियों की ओर से प्रदर्शन तेज हो गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प देखी गई। शनिवार को भी दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया। हिंसक भीड़ और जलती हुई दुकानों की तस्वीरें अब पूरी दुनिया में शेयर की जा रही है। साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट-थीम वाली योग क्लास के दौरान चाकूबाजी की घटना के बाद तीन बच्चियों की मौत हो गई।

इस घटना के बाद सभी शहरों में तनाव बढ़ गया है। इस पूरे बवाल का कारण आरोपी से जुड़ी एक खबर है। सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि साउथपोर्ट का हमलावर एक अप्रवासी मुस्लिम था जो अवैध रूप से ब्रिटेन में आया था। इसके बाद अप्रवासियों के खिलाफ विरोध की लहर देखी गई।

कार्डिफ में जन्मे 17 साल के एक्सल रुदाकुबाना पर हत्या और हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया है। आम तौर बार बालिग आरोपी का ही नाम पब्लिक किया जाता है। इस सप्ताह इंग्लैंड के अलग-अलग इलाकों में विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए दंगा पुलिस को स्टैंडबाय पर रखा गया है। वहीं धार्मिक नेताओं ने साउथपोर्ट की हत्या के बाद नफरत फैलाने के प्रयासों की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया।

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा की संभावित चेतावनी के बीच किसी भी प्रदर्शन में शांति का आह्वान करने वालों में मुस्लिम, यहूदी, हिंदू और ईसाई धर्मगुरु शामिल थे।

बॉर्डर बंद करने को लेकर प्रदर्शन

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस अशांति पर चर्चा करने के लिए शनिवार को अपने कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सड़कों पर चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को पूरा समर्थन है। मैनचेस्टर, बेलफ़ास्ट, लिवरपूल और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन हुआ। सोशल मीडिया पर शनिवार को आए वीडियो में आप्रवासी-विरोधी प्रदर्शनकारियों की भीड़ लिवरपूल की नदी के किनारे इकट्ठा होकर नावों को रोको जैसे नारे लगाते हुए दिखे। दरअसल अफ्रीका और खाड़ी के अन्य देशों से भाग कर लोग यूरोप पहुंच रहे हैं। यह समुद्री रास्तों से नावों में बैठ कर आते हैं। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में अप्रवासी आए हैं।

ब्रिटेन में मुस्लिम निशाने पर

धुर दक्षिणपंथियों की ओर से किए गए प्रदर्शन के खिलाफ भी प्रदर्शन हो रहा है। स्वीडिश पत्रकार पीटर स्वीडन ने एक वीडियो शेयर कर दावा किया कि बॉर्डर बंद करने की मांग के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, खुली सीमा विरोधी प्रदर्शनों के जवाब में नकाबपोश लोगों के बड़े सशस्त्र गिरोह ब्रिटेन की सड़कों पर अल्लाह हू अकबर चिल्लाते हुए घूम रहे हैं। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने हमारे बच्चों को बचाओ जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर मार्च किया। उनके प्रदर्शन के खिलाफ एक गुट ने प्रदर्शन किया जिनके हाथों में नारे लिखे थे, फासीवाद और नस्लवाद को न कहो।

मात्र दो लाख की आबादी वाले सेंट लूसिया की जूलियन ने जीता स्वर्ण

पेरिस, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में दो लाख से कम आबादी वाले देश सेंट लूसिया की जूलियन अल्फ्रेड ने स्वर्ण पदक जीतकर सबको हैरान कर दिया। जूलियन ने महिलाओं की 100 मीटर रेस का फाइनल जीता। जूलियन ने ये रेस 10.72 सेकंड में ही पूरी कर ली। यह ओलंपिक में सेंट लूसिया का पहला ओलिंपिक पदक है। बारिश की वजह से गीले ट्रैक पर रेस के आयोजन पर भी कई सवाल उठे हैं। वहीं अमेरिका की शाकैरी रिचर्डसन ने 10.87 सेकंड के साथ रजत पदक जीता। अमेरिका की ही मेलिसा जेफरसन ने 10.92 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही कांस्य पदक जीता।

जूलियन इससे पहले हीट राउंड में 10.95 सेकंड का समय निकालकर 5वें नंबर पर थीं। वह सेमीफाइनल में भी सबसे तेज धावक रहीं। जुलियन ने सेमीफाइनल में 10.84 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल मुकाबले में वह छठे लेन में थीं।

इस स्पर्धा में अमेरिका एक बार फिर स्वर्ण पदक नहीं जीत पायी। अंतिम बार 1996 में गेल डेवर्स ने ओलंपिक में अमेरिका की ओर से इस वर्ग में जीत दर्ज की थी। जोन्स को डोपिंग के लिए उनके 2000 के ओलंपिक स्वर्ण से हटा दिया गया था।

मेरे कॅरियर की सबसे बड़ी हार : पीवी सिंधु

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने पेरिस ओलंपिक के प्री क्वार्टर फाइनल में हार के बाद थोड़े समय के लिए ब्रेक लेना की घोषणा की है, क्योंकि वह अपने करियर की सबसे कड़ी हार में से एक से उबर रही हैं लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा भी किया है। रियो ओलंपिक 2016 में रजत और तोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु चीन की दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी बिंग जियाओ से हार गईं और पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची खलीफा, लवलीना हार कर बाहर

पेरिस। अल्जीरियाई महिला मुक्केबाज ईमान खलीफा पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। खलीफा ने महिलाओं के 66 किलो भारवर्ग में हंगरी की आना लूका हामोरी को 5–0 से हरायकर एक पदक पक्का कर लिया है हालांकि जेंडर विवाद को लेकर वह सवालों के घेरे में रही हैं। खलीफा को महिलाओं के वर्ग में उतारे जाने पर विवाद भी हुआ है क्योंकि वह ट्रांसजेंडर की श्रेणी में हैं। इसके बाद भी इस मुक्केबाज ने क्वार्टर फाइनल में जबरदस्त खेल दिखाया। महिलाओं के 66 किलो भारवर्ग में उतरी खलीफा को लेकर सोशल मीडिय में भी काफी सवाल उठो हैं। लोगो ने इस मुक्केबाज को जमकर ट्रोल किया है। लूका के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मिली 5–0 की जीत के बाद यह पक्का हो गया कि अब उन्हें एक पक्क मिलना तय हो गया है। महज 46 सेकंड के बाद ही इटली की मुक्केबाज ने मैच से हटने का फैसला लिया। उन्होंने महिला होने पर सवाल उठाया और कहा कि करियर में कभी भी इतनी जोर का मुक्का नहीं झेला। वहीं दूसरी तरफ भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। इस प्रकार लवलीना का लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया। 75 किलो भारवर्ग में लवलीना को चीन की ली कियान ने हराया। लगातार तीनों राउंड में लवलीना पर मिली जीत के आधार पर जज ने चीनी खिलाड़ी को 4–1 से विजयी घोषित कर दिया। पहले दौर में लवलीना के खिलाफ चीनी खिलाड़ी ने 3–2 से बढ़त बनाई जबकि दूसरे राउंड के मुकाबले में भी चीनी मुक्केबाज हावी रहीं। जज ने इस राउंड में फैसला 3–2 से चीनी खिलाड़ी के पक्ष में दिया। वहीं तीसरे राउंड के बाद 4–1 से लवलीना की हार से उनका बाहर होना पक्का हो गया।

एक दशक से अधिक समय बाद एमएस धोनी से मिले जोगिंदर शर्मा

चंडीगढ़। 2007 टी20 विश्वकप क्रिकेट की विजेता टीम में शामिल रहे ऑलराउंडर जोगिंदर शर्मा की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई है। इसमें वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से मिलते दिख रहे हैं। मध्यम गति के गेंदबाज रहे जोगिंदर ने साल 2004–07 के बीच 4 एकदिवसीय और टी20ई खेले थे। जोंगिदर को विश्वकप के बाद भारतीय टीम में जगह नहीं मिली और वह हरियाणा पुलिस में भर्ती को गये। आज पुलिस उपाधीक्षक (डी एसपी) बन गये हैं। जोगिंदर ने 2023 में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। उन्होने 2017 के बाद से कोई पेशेवर क्रिकेट मैच नहीं खेला है।

हसरंगा भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

कोलंबो। श्रीलंका के स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा के बाहर होने से मेजबान टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसके दो प्रमुख गेंदबाज पहले से ही बाहर चल रहे हैं। स्पिनर हसरंगा से पहले चार अन्य गेंदबाज भी सीरीज से बाहर हो गये थे। हसरंगा पहले एकदिवसीय में अपने अंतिम ओवर के दौरान परेशानी का अनुभव कर रहे थे। हसरंगा की जगह जेफरी वांडरसे को टीम में जगह मिली हालांकि हसरंगा की कमी पूरी करना उनके लिए संभव नहीं होगा। मथीशा पथिराना, दिलशान मदुशंका, दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा चोटिल होने के कारण पहले ही सीरीज से बाहर हो गये थे। क्रिकेट श्रीलंका के अनुसार हसरंगा हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण एक एकदिवसी सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर रहेंगे।

पेरिस ओलंपिक हॉकी

भारतीय टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया, सेमीफाइनल में अपनी बनाई जगह

पेरिस, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को पैनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस मैच में तय समय तक दोनो टीमो के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। इसकेबाद विजेता का फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ जिससे भारतीय टीम ने 4-2 से बाजी मार ली। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरे ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंच गया है। इस मैच की खास बात यह रही कि भारतीय टीम मैच के ज्यादातर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेली क्योंकि अमित रोहिदास को 17 वें मिनट में फाउल के कारण लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया था।

इस मैच में पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 22वें मिनट में भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पैनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारतीय टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 27वें मिनट में ब्रिटेन के मॉर्टन ली ने गोल कर 1–1 से स्कोर बराबर कर दिया। इसी के साथ दूसरे क्वार्टर तक दोनों टीमें ने काफी प्रयास किया पर मुकाबला 1–1 से बराबरी पर रहा।

भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में अपनी रणनीति बदली वहीं ब्रिटेन ने भी हमले तेज कर दिये पर कोई टीम गोल नहीं कर पायी। इस प्रकार तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। चौथे क्वार्टर में भारत ने रक्षात्मक अंदाज अपनाते हुए ब्रिटेन को कोई गोल नहीं करने दिया। इस प्रकार तय समय तक स्कोर 1–1 पर रहा जिसके करण मुकाबला पैनाल्टी शूटआउट में पहुंच गया।

पैनाल्टी शूटआउट में इंग्लैंड के जेम्स आल्ड्रिन ने पहला गोल किया। वहीं भारत की ओर से हरमनप्रीत ने गोल कर स्कोर 1–1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं ब्रिटेन की ओर से दूसरा शूटआउट वालेस ने लिया और गोल कर टीम को 2–1 से बढ़त दिया दी। भारत के सुखजीत सिंह ने एक बार फिर गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया है। इस प्रकार स्कोर 2–2 हो गया।

ब्रिटेन के लिए तीसरे प्रयास में क्रोनोन आए और गोल करने में विफल रहे। वहीं भारत की ओर से ललित ने तीसरे प्रयास में गोल कर भारत की बढ़त को 3–2 तक बढ़ा दिया। ब्रिटेन चौथा प्रयास भी भारतीय गोलकीपर श्रीजेश को मात नहीं दे पाया। इसके बाद राजकुमार ने भारत के लिए चौथा गोल कर टीम को 4–2 से जीत दिला दी।

लक्ष्य पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में हारे , कांस्य के लिए मुकाबला आज

भारत के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन को पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष एकल बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। लक्ष्य को इस मुकाबले में डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने 22–20, 21–14 से हराया। अब लक्ष्य सोमवार को कांस्य पदक के लिए मलेशिया के ली जी जिया से खेलेंगे। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अच्छी शुरुआत की और वह एक समय तक 6–0 से आगे थे पर इसके बाद एक्सेलसन ने वापसी करते हुए स्कोर 4–8 कर दिया। एक्सेलसन ने इसके बाद स्कोर 13–12 कर दिया। इसके बाद दो अंक विक्टर के पक्ष में गए और स्कोर 15–12 पहुंच गया। एक्सेलसन ने इसके बाद एक के बाद एक अंक हासिल किये और 17–13 से आगे हो गए। लक्ष्य इसके बाद वापसी में असफल रहे।

सात्विक-चिराग की हार से दुखी कोच मथियास ने संन्यास लिया

पेरिस, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में भारत की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की हार से निराश उनके कोच ने संन्यास की घोषिणा कर दी है। इस जोड़ी के कोच कोच मथियास बोए ने कहा है कि अब मैं थक गया हूं। सात्विक–चिराग की जोड़ी को ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। मथियास ओलंपिक से पहले ही चिराग और सात्विक के कोच बने थे।

डेनमार्क के बोए ने अपने संन्यास को लेकर कहा, 'मेरे लिए, कोचिंग के दिन यहीं खत्म हो जाते हैं, मैं कम से कम अभी भारत या कहीं और कोचिंग नहीं करुंगा।. मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत अधिक समय बिताया है और कोच का काम भी बेहद तनाव भरा रहता है। मैं एक थका हुआ आदमी हूं.' पेरिस में पुरुष युगल वर्ग में सात्विक और चिराग पदक के दावेदार थे और हार पर कोच ने उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा, 'मैं स्वयं भी इस भावना को अच्छी तरह से जानता हूं। हर दिन कड़ी मेहनत करना, अपने जीवन में सर्वश्रेष्ठ लय में रहना और फिर चीजें वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। मुझे पता है कि आप लोग निराश हैं, मैं जानता हूं कि आप भारत के लिए पदक लाना चाहते थे लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो सका।'

3000 मीटर स्टीपलचेज रेस से बाहर हुई पारुल

पेरिस। भारत की पारुल चौधरी पेरिस ओलंपिक में 3000 मीटर स्टीपलचेज हीट रेस में 8वें स्थान पर रहने के साथ ही बाहर हो गयी। पारुल ने 9 मिनट 23.39 सेकंड में ये दूरी तय की। तीनों हीट रेस में से प्रत्येक में शीर्ष–पांच फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। युगांडा के पेरुथ चेमुताई 9.10.51 का समया निकालकर पहले नंबर पर रहीं। केन्या के फेथ चेरोटिच (9.10.57) और जर्मनी की गेसा फेलिसिटास क्राउसे (9.10.68) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इससे पारुल बाहर हो गयी। वह इस प्रकार अंकिता ध्यानी के साथ महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पायीं। पारुल ने 9.23.00 के प्रवेश मानक को पार करने के कारण 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपने पसंदीदा इवेंट के लिए सीधे प्रवेश हासिल किया था। भारत की ओर से ललिता बाबर ने साल 2016 रियो ओलंपिक में अंतिम दौर के लिए क्वालीफाई किया था।

विजेंदर ने पेरिस ओलंपिक में निशांत के साथ चीटिंग के लगाए आरोप

प्रशंसक भी जजों पर भड़के

पेरिस, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाज निशांत देव के साथ चीटिंग हुई है। निशांत को यहां क्वार्टर फाइनल में हार को सामना करना पड़ा था। इस भारतीय मुक्केबाज को 71 किग्रा भार वर्ग में मेक्सिको के मार्को वर्डे अल्वारेज ने करीबी मुकाबले में हरा दिया था।

इस मुकाबले में निशांत ने पहले राउंड में जीत हासिल की। दूसरे राउंड में भी वह हावी दिखे। उन्होंने विरोधी मुक्केबाज पर कई जोरदार प्रहार किये पर इसके बाद भी जजों ने अल्वारेज को विजेता घोषित कर दिया। 3–1 से आगे हो गए।

अल्वारेज ने अंतिम राउंड में आक्रामक शुरुआत करते हुए जमकर प्रहार किये पर जैसे–जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, वह धीमे होते गये। वहीं निशांत ने पंच लगाने के प्रयास किये पर वह धीमे रहे। अल्वारेज ने इसका फायदा उठाया और जीत हासिल की। निशांत की हार पर लोग भड़क गये और उन्होंने सोशल मीडिया पर जजों पर भेदभाव के आरोप लगाये। विजेंदर सिंह ने कहा कि स्कोरिंग प्रणाली क्या है ये समझ से परे है। मुझे लगता है कि यह करीबी मुकाबला रहा। निशांत ने काफी अच्छा खेला। निशांत पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर होने वाले पांचवें भारतीय मुक्केबाज रहे।

दूसरे वनडे में श्रीलंका ने भारत को 32 रन से हराया

कोलंबो, 04 अगस्त (एजेंसियां)। जेफरी वांडरसे की घातक गेंदबाजी से श्रीलंका ने तीन वनडे मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारत को 32 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही मेजबान श्रीलंका ने सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मैच टाई रहा था। मुकाबले में श्रीलंका की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर के खेल में 9 विकेट पर 240 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में भारतीय टीम सिर्फ 208 रन बनाकर सिमट गई। श्रीलंका के लिए इस मैच में जेफरी वांडरसे ने 6 विकेट अपने नाम किए। जेफरी वांडरसे के आगे टीम इंडिया का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए एक बार फिर से कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने दमदार शुरुआत की थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी हुई थी। कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में 44 गेंद में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी। अपनी इस बल्लेबाजी में रोहित ने 5 चौके और 4 छक्के भी लगाए। वहीं शुभमन गिल ने 35 रनों का योगदान दिया था। रोहित और शुभमन के बाद सिर्फ अक्सर पेटल ही एक ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने भारत के लिए कुछ समय के लिए उम्मीद को बरकरार रखा। इसके अलावा और कोई भी खिलाड़ी क्रीज पर नहीं टिक पाए। अक्सर पटेल ने 44 रनों का योगदान दिया।

रोहित और शुभमन की तूफानी शुरुआत के बाद ऐसा लगा था कि टीम इंडिया श्रीलंका को आसानी से हरा देगी, लेकिन इसके बाद टीम इंडिया का मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से धराशाई हो गया। विराट कोहली (14) समेत शिवम दुबे (0), श्रेयस अय्यर (7), केएल राहुल (0) और वाशिंगटन सुंदर (15) रन बनाने के लिए संघर्ष करते हुए। इन बल्लेबाजों के खराब खेल के कारण टीम इंडिया 241 रन भी नहीं बना पाई।

श्रीलंका के लिए जेफरी वांडरसे ने भारत के खिलाफ मैदान पर आंधी–तूफान ला दिया। जेफरी वांडरसे ने टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, शिवम दुबे , श्रेयस अय्यर और केएल राहुल क अपना शिकार बनाया। जेफरी वांडरसे ने अपने 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 33 रन खर्च किए। इसके अलावा श्रीलंकाई कप्तान चरिथ असलंका ने भी तीन विकेट अपने नाम किए। इन दोनों के अलावा और किसी श्रीलंकाई गेंदबाज को विकेट नहीं मिल सका।

राष्ट्रीय रस्साकसी प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद के आठ खिलाड़ी चयनित

मुरादाबाद, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

जिला रस्साकसी संघ के सचिव शाहवेज अली ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद के आठ खिलाड़ियों का चयन उत्तर प्रदेश रस्साकसी टीम में राष्ट्रीय रस्साकासी प्रतियोगिता में हुआ है। राष्ट्रीय रस्साकासी प्रतियोगिता 5 अगस्त से 9 अगस्त तक आगरा जिले में आयोजित होगी।

शाहवेज अली ने बताया कि मार्डन पब्लिक स्कूल के आठ खिलाड़ियों का अंडर 19 बालक वर्ग में चयन हुआ है जिसमें समीर, शयान खान, अनस, सरताज मुमताज़, मोहम्मद बिलाल, मोहम्मद सैफ और मोहम्मद अमान पहली बार रस्साकसी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक सऊद आलम व प्रधानाचार्य शकील अहमद ने खिलाड़ियों को बधाई दी व खिलाड़ियों को जीत के साथ वापस आने के लिए मनोबल बढ़ाया।

शास्त्री ने बुमराह की तुलना अकरम और यूनिस से की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तुलना पाकिस्तानी के दिग्गज तेज वसीम अकरम और वकार यूनिस से की है। शास्त्री के अनुसार बुमराह गेंद को नियंत्रित करना जानते है। शास्त्री का कहना है कि इसी कौशल के बल पर बुमराह ने टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाई थी। बुमराह ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच और फिर फाइनल में अंतिम ओवरों में विकेट लेकर मैच पलट दिया था। बुमराह विश्व कप में 8.26 की औसत से 15 विकेट लेकर मैन ऑफ द सीरीज बने थे। शास्त्री ने कहा, 'बहुत कम गेंदबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया है। मुझे लगा कि जब वसीम (अकरम) और वकार (यूनिस) जब अपने खेल में शीर्ष पर थे तब उनके पास ऐसी क्षमता थी। वहीं स्पिन की बात करें तो दिवंगत. शेन वार्न के पास भी गेंद को नियंत्रित करने की कला थी। बुमराह भी इस सूची में शामिल हो गया है जो गेंद पर अपने मन के मुताबिक नियंत्रण रख सकते हैं। 'शास्त्री ने' कहा, 'मुझे लगता है कि भारत–पाक मैच से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया था। टीम को इस मैच में कड़ी टक्कर मिली और उसे उसे एहसास हुआ कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए सही संयोजन किस प्रकार का होना चाहिए। इसके बाद फाइनल मैच के आखिरी पांच ओवर शानदार रहे। बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ रिजवान को सही समय पर आउट किया. इस विकेट से मैच का रुख भारत की ओर मुड़ने लगा था। साथ ही कहा कि विश्व कप में बुमराह को लेकर उनका सर्वश्रेष्ठ पल तब आया जब इस गेंदबाज ने यानसेन को बोल्ड किया।

भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दर पर फैसले, वैश्विक बाजारों के रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर लिए गए फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक बाजारों के रुख से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव तथा डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख पर भी रहेंगी।

बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सेवा क्षेत्र के एचएसबीसी पीएमआई आंकड़ों की घोषणा सोमवार को होगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह सभी की नजरें वैश्विक बाजारों पर रहेंगी। लंबे समय की स्थिरता के बाद अब बाजार में कमजोरी का कुछ संकेत दिखने लगा है। इससे भारतीय बाजार की मजबूती की परख होगी, जो तरलता की बेहतर स्थिति की वजह से अभी तक जुझारू बना हुआ है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर आठ अगस्त को आने वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक महत्वपूर्ण रहेगी। पहली तिमाही के नतीजों के आखिरी दौर से बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इसके अलावा संस्थागत प्रवाह भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल, बीईएमएल, ओएनजीसी, एनएचपीसी, भारतीय जीवन बीमा निगम और एमआरएफ जैसी बड़ी कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक अन्य बाजार विश्लेषक कहते हैं कि आगे चलकर ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में कुछ कमजोरी आ सकती है। इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक से ब्याज दरों के परिदृश्य पर कुछ संकेत मिलेगा। फिलहाल केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर यथास्थिति बरकरार रख सकता है।

कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव तथा रुपए के रुख पर भी रहेगी बाजार की नजर

न्यूज़ ब्रीफ

एफपीआई ने जुलाई में शेयरों में किया 32,365 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय शेयर बाजारों में 32,365 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह जानकारी डिपॉजिटरी के आंकड़ों से मिली है। हालांकि, इस महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों 1-2 अगस्त को एफपीआई ने शेयरों से 1,027 करोड़ रुपये निकाले हैं। बजट में इक्विटी निवेश पर पूंजीगत लाभ कर बढ़ने की घोषणा के बाद से एफपीआई प्रवाह में मिला-जुला रुख देखा गया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था और बाजारों से जुड़े घटनाक्रम अगस्त में एफपीआई की गतिविधियों का रुख तय करेंगे। अर्थव्यवस्था में सुस्ती तथा कमजोर रोजगार के आंकड़ों के बाद यह निश्चित है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में शेयरों में 32,365 करोड़ रुपये डाले हैं। इससे पहले जून में राजनीतिक स्थिरता और बाजारों में तेज उछाल के बीच एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई ने चुनाव नतीजों को लेकर असमंजस के बीच मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंता के बीच अप्रैल में उन्होंने शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। उन्होंने कहा कि एफपीआई का प्रवाह बढ़ने की वजह सरकार द्वारा बुनियादी ढांचा विकास पर ध्यान देना, उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और सतत आर्थिक वृद्धि है।

वॉरेट बफेट की बर्कशायर हैथवे ने एप्पल में अपनी आधी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने एप्पल में अपनी बड़ी हिस्सेदारी का लगभग आधा हिस्सा बेच दिया है। ओमाहा की इस कंपनी ने खुलासा किया कि दूसरी तिमाही के अंत में एप्पल में उसकी होल्डिंग की कीमत 84.2 बिलियन डॉलर थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि ओमाहा के ओरेकल ने अपने तकनीकी निवेश का 49.4 फीसदी हिस्सा बेच दिया है। बफेट ने पहली तिमाही में एप्पल में अपनी हिस्सेदारी को 13 फीसदी घटा दिया था और मई में बर्कशायर की वार्षिक बैठक में संकेत दिया कि ऐसा उन्होंने टैक्स कारणों से किया। बफेट ने उल्लेख किया कि इस साल थोड़ा एप्पल बेचने से बर्कशायर के शेयरधारकों को लंबे समय तक फायदा होगा यदि अमेरिकी सरकार भविष्य में पूंजीगत लाभ पर टैक्स बढ़ाती है तो बढ़ते वित्तीय घाटे को पूरा किया जा सकता है। बर्कशायर ने 2016 में बफेट के निवेश लेफ्टिनेंट टेड वेस्चलर और टॉड कॉम्ब्स के प्रभाव में एप्पल के स्टॉक खरीदने शुरू किए थे। वर्षों के दौरान बफेट एप्पल से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने हिस्सेदारी को काफी बढ़ा दिया ताकि यह बर्कशायर का सबसे बड़ा निवेश बन सके।

विश्व के उद्योगपतियों की आय-व्यय और उनकी संपत्तियां पर एक नजर

जेफ बेजोस ने एक दिन में गंवाए 15.2 अरब डॉलर, अडाणी भी पीछे

गौतम अडाणी की संपत्ति भी 1.34 बिलियन डॉलर घटकर 110 बिलियन डॉलर हो गई

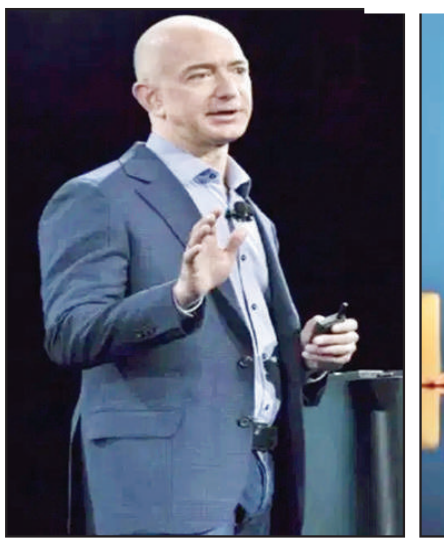

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

एमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस ने एक दिन में 15.2 अरब डॉलर की संपत्ति गंवा दी। यानी कि जेफ बेजोस को सिर्फ एक दिन में 1,256,510,265,000 रुपये का नुकसान हुआ है। बता दें कि बेजोस एलन मस्क के बाद दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति हैं। जेफ बेजोस के साथ ही साथ अन्य अरबपतियों की संपत्ति भी जबरदस्त गिरी।

ब्लूमबर्ग के आंकड़ों को देखा जाए तो लगातार टॉप 22 अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट आई है। इंडेक्स में बताया गया कि दुनिया के 500 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति से 134 बिलियन डॉलर (13,400 करोड़ डॉलर) का नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि शुक्रवार को अमेरिका में बेरोजगारी दर का साप्ताहिक आंकड़ा कमजोर आने के बाद भारत समेत दुनियाभर के बाजारों को गिरावट का सामना करना पड़ा था। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक 100 इंडेक्स 2.4 फीसदी गिर गया था। इस दौरान एमेजान के शेयरों में भी 8.8 सदी की गिरावट आई, जिससे जेफ बेजोस की संपत्ति 15.2 बिलियन डॉलर यानी 1,520 करोड़ डॉलर घटकर 191.5 बिलियन डॉलर हो गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट ने बताया कि जेफ बेजोस इस साल लगातार एमेजान के शेयर बेच रहे हैं। उन्होंने फरवरी में नौ ट्रेडिंग दिनों में लगभग 8.5 बिलियन डॉलर के शेयर बेचे थे।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, यह बेजोस का एक दिन में तीसरा सबसे बड़ा नुकसान है। इससे पहले केवल 4 अप्रैल 2019 को उनकी नेटवर्थ में मैकेंजी बेजोस के साथ तलाक के निपटान के बाद 36 बिलियन डॉलर की गिरावट आई थी। उस समय तलाक के निपटान के रूप में मैकेंजी ने जेफ बेजोस की करीब 25 फीसदी हिस्सेदारी अपने नाम ली थी और फिर 29 अप्रैल, 2022 को एमेजान के शेयर 14 फीसदी की गिरकर 124.28 अरब डॉलर पर पहुंच गए थे, उस दिन जेफ बेजोस को दूसरी बार सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था।

निवेशक इस साल ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से ज्यादा मुनाफा या बाजार के बहुत ज्यादा कंसंट्रेट हो जाने से घबरा गए हैं। एमेजान में गिरावट अप्रैल 2022 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है। यह तब देखने को मिली, जब कंपनी के एक अर्निंग कॉल में यह कहने कहा गया कि वह एआई पर बड़ा खर्च जारी रखेगी, भले ही शॉर्ट टर्म में यानी थोड़े समय के लिए उसके मुनाफे पर असर पड़े। इस दौरान दुनिया के चौथे सबसे अमीर उगद्योगपति और मेटा के फाउंडर मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ 3.39 बिलियन डॉलर घटकर 174 बिलियन डॉलर हो गई तो वहीं पांचवे सबसे अमीर उद्योगपति और माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स की नेटवर्थ 1.95 बिलियन डॉलर घटकर 155 बिलियन डॉलर हो गई। एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति और ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में 11वें नंबर के दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी को इस दौरान 1.20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ और उनकी नेटवर्थ घटकर 113 बिलियन डॉलर हो गई। रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी के तुरंत बाद 12वें सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी की संपत्ति भी 1.34 बिलियन डॉलर घटकर 110 बिलियन डॉलर हो गई।

शेयर बाजार

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.29 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 1,28,913.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस सबसे अधिक नुकसान में रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 37,971.83 करोड़ रुपये घटकर 15,49,626.88 करोड़ रुपये पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान टीसीएस को ही हुआ। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 23,811.88 करोड़ रुपये घटकर 7,56,250.47 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 16,619.51 करोड़ रुपये घटकर 6,11,423.11 करोड़ रुपये, एसबीआई की 13,431.54 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 7,56,717.85 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 13,125.49 करोड़ रुपये घटकर 20,28,695.57 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 11,821.5 करोड़ घटकर 8,50,389.88 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 7,843.75 करोड़ रुपये घटकर 8,42,176.78 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4,288 करोड़ रुपये घटकर 6,32,862.41 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,759.37 करोड़ रुपये बढ़कर 12,63,601.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी का मूल्यांकन 1,075.25 करोड़ रुपये बढ़कर 7,47,677.98 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस सबसे अधिक नुकसान में रहीं

एफआईपी ने की उड़ान ड्यूटी के संशोधित मानदंड लागू करने की मांग

मुंबई, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने नागर विमानन मंत्रालय को लिखे पत्र में पायलटों को होने वाली थकान पर चिंता जताते हुए संशोधित मानदंडों को तत्काल क्रियान्वित करने की जरूरत बताई है। पायलटों के समूह एफआईपी के 6,000 से अधिक सदस्य हैं। एफआईपी ने इससे पहले भी नागर विमानन मंत्रालय को संशोधित नागर विमानन आवश्यकता (सीएआर) पर पत्र लिखा था, क्योंकि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसके क्रियान्वयन को टाल दिया था। उड़ान ड्यूटी समयसीमा से संबंधित संशोधित सीएआर पायलट की थकान पर बढ़ती चिंताओं के बीच उन्हें आराम के लिए अधिक समय देने से संबंधित है। मार्च में डीजीसीए ने इसके क्रियान्वयन को स्थगित करने का निर्णय लिया था। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू को लिखे पत्र में एफआईपी अध्यक्ष सीएस रंधावा ने उनसे संशोधित सीएआर को जल्द से जल्द लागू करने के लिए डीजीसीए को निर्देश देने का अनुरोध किया है। पत्र में सीएआर के क्रियान्वयन को स्थगित करने के नियामक के कदम का जिक्र करते हुए कहा गया है कि डीजीसीए की कार्रवाई न केवल पायलट सुरक्षा को खतरे में डालती है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी कमजोर करती है। 29 जुलाई को लिखे पत्र में यह भी दावा किया गया है कि थकान के मुद्दे की गंभीरता को पहचानने में नियामक की विफलता न केवल पायलटों बल्कि हवाई यात्रा करने वाले आम लोगों की सुरक्षा से भी समझौता करने जैसा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने हवाई अड्डों के रखरखाव, मरम्मत पर 796 करोड़ खर्च किए

पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में खर्च 20 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 101 हवाई अड्डों के रखरखाव और मरम्मत पर कुल 796 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। वित्त वर्ष 2021-22 से एएआई का हवाई अड्डों पर इन गतिविधियों को लेकर खर्च लगातार बढ़ रहा है। मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में यह राशि बढ़कर 795.72 करोड़ रुपये हो गई, जो 2022-23 में 663.42 करोड़ रुपये थी। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा राज्यसभा के साथ साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में मरम्मत और रखरखाव कार्यों पर खर्च 535.02 करोड़ रुपये था। आंकड़ों के मुताबिक 121 एएआई हवाई अड्डों के लिए व्यय के आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें से 20 हवाई अड्डों पर इस तरह का कोई खर्च नहीं किया गया है। हाल ही में दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1डी पर छत का एक हिस्सा गिरने की घटना के बाद से हवाई अड्डा इमारतों के रखरखाव को लेकर चिंता पैदा हुई है। नागर विमानन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने 29 जुलाई को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि सभी हवाई अड्डा परिचालकों को हवाई अड्डे की इमारतों और संबंधित बुनियादी ढांचे की संरचनात्मक स्थिरता का तीसरे पक्ष से ऑडिट कराने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी हवाई अड्डा परिचालकों को हर साल मानसून की शुरुआत से पहले हवाई इमारतों के सभी सिविल, बिजली और तकनीकी पहलुओं को आकलन करने को कहा गया है। एएआई और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) भागीदारों ने 2019-20 से 2024-25 की अवधि के लिए 91,000 करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। यह राशि विभिन्न हवाई अड्डों के विकास, उन्नयन और आधुनिकीकरण पर खर्च की जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब नहीं चलेगी...

मुस्लिम बुद्धिजीवियों, महिलाओं और शिया एवं बोहरा जैसे विभिन्न फिरकों की ओर से मौजूदा कानून में बदलाव की मांग की गई थी। संशोधन लाने की तैयारी 2024 के लोकसभा चुनावों से काफी पहले ही शुरू हो गई थी। ओमान, सऊदी अरब जैसे किसी भी इस्लामी देश में इस तरह की इकाई को इतने अधिकार नहीं दिए गए हैं। विभिन्न राज्यों के वक्फ बोर्डों के पास इस समय करीब 8.7 लाख सम्पत्तियां हैं। इन सम्पत्तियों का क्षेत्रफल करीब 9.4 लाख एकड़ है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले केंद्र सरकार ने राज्य में वक्फ बोर्डों की इस शक्ति के दुरुपयोग का संज्ञान लिया था। वक्फ बोर्डों द्वारा किसी भी सम्पत्ति पर दावा करने पर अधिकांश राज्यों में इन सम्पत्ति के सर्वे में देरी होती थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने वक्फ सम्पत्तियों की निगरानी में जिला मजिस्ट्रेटों को शामिल करने की संभावना पर भी विचार किया था। वक्फ बोर्ड के किसी भी फैसले के खिलाफ अपील सिर्फ कोर्ट के पास हो सकती है। ऐसी अपीलों पर फैसले के लिए कोई समय-सीमा नहीं होती है। कोर्ट का निर्णय अंतिम होता है। वहीं हाईकोर्ट में पीआईएल के अलावा अपील का कोई प्रावधान नहीं है। यहां बताना जरूरी है कि साल 1954 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार के समय वक्फ अधिनियम पारित किया गया। इसके बाद इसका केंद्रीकरण हुआ। वक्फ एक्ट 1954 वक्फ की सम्पत्तियों के रखरखाव का काम करता था। इसके बाद से इसमें कई बार संशोधन हुआ। साल 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बेसिक वक्फ एक्ट में संशोधन करके वक्फ बोर्डों को और अधिकार दिए थे।वक्फ अरबी भाषा का शब्द है और इसका अर्थ सम्पत्ति को जन-कल्याण के लिए समर्पित करना है। इस्लाम में में वक्फ उस सम्पत्ति को कहते हैं, जो इस्लाम को मानने वाले लोगों द्वारा जकात के रूप में दान की जाती है। ये धन-सम्पत्ति सिर्फ मुस्लिमों के हित या इस्लाम के प्रसार-प्रसार के लिए काम में लाया जा सकता है। ये दौलत वक्फ बोर्ड के तहत आती है।

पांच पुलिसकर्मी ...

उनमें कॉन्स्टेबल मुख़्तार अहमद पीर और इम्तियाज अहमद लोन के अलावा शिक्षा विभाग में बतौर जूनियर असिस्टेंट कार्यरत रहे अहमद मीर और ग्रामीण विकास विभाग के मोहम्मद ज़ैद शामिल थे। पाकिस्तान से बड़े पैमाने में ब्राउन शुगर और हेरोइन जम्मू कश्मीर में तस्करी कर के लाई जा रही है। 8 जून को सरकार ने दो पुलिसकर्मियों, जल शक्ति विभाग में एक सहायक लाइनमैन और एक शिक्षक की सेवाओं को समाप्त किया था। प्रदेश में पिछले चार वर्षों में इस तरह कुल 70 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। जांच में पता चला कि उक्त कर्मचारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और उसके यहां से संचालित आतंकी समूहों के नार्को-टेरर गिरोह से जुड़े हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि इन सरकारी कर्मियों को ड्रग्स तस्करी के जरिये आतंकवाद के वित्तपोषण में लिप्त पाया गया। वे सीमापार से आतंकवादियों की जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने में मदद करते थे। आरोपी कर्मचारी हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों की मदद के साथ ही आतंकवाद के वित्तपोषण में भी भूमिका निभाते थे। कांस्टेबल सैफ दीन डोडा जिले के शिगानी भल्लेसा का निवासी है। वह ड्रग तस्कर था और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के आतंकवादियों के लिए काम करता था। उसने ड्रग चैनल बनाए थे, जिनका इस्तेमाल राष्ट्र विरोधी एजेंसियां और तत्व हथियारों, नशीले पदार्थों की तस्करी और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की घुसपैठ को सुविध-ाजनक बनाने के लिए कर रहे हैं। वहीं, कुपवाड़ा के इबकूटे तंगदार इलाके के निवासी हेड कांस्टेबल शेख ने खालिद शाह और रहमत शाह के साथ मिलकर नियंत्रण रेखा के पार से पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के तस्करों से मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप हासिल की थी। शेख पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के संपर्क में था जो नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से नशीले पदार्थों, हथियारों और धन की तस्करी में शामिल रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कुपवाड़ा के चानीपोरा पाईन टंगडार क्षेत्र के निवासी खालिद शाह ने क्षेत्र की अपनी जानकारी का उपयोग पीओजेके में ड्रग तस्करों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए किया। वह कुपवाड़ा-करनाह क्षेत्र में ड्रग कार्टेल चलाने में सबसे आगे था। कुपवाड़ा के करनाह इलाके के पंजोवा पिंगला हरिदल निवासी रहमत शाह को नियंत्रण रेखा के पार से मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप मिली थी, जिसे उसे देश के अन्य हिस्सों में बिक्री के लिए भेजना था। इस आय का उपयोग जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की बड़ी योजना के लिए किया जाना था।

भाजपा के ...

इस अवधि के दौरान नेता और कार्यकर्ता सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक ले जाएंगे। पार्टी के एजेंडे में एक और मुद्दा एमवीए के प्रति बढ़ते मुस्लिम समुदाय के समर्थन का मुकाबला करना है।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री दे-वेन्द्र फडणवीस ने पिछले महीने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की थी। फडणवीस 5 जुलाई की शाम को मुंबई से नागपुर पहुंचे और सीधा आरएसएस मुख्यालय गए थे। जहां उन्होंने लगभग एक घंटे तक भागवत से मुलाकात की थी। हालांकि फडणवीस और भागवत के बीच बैठक में क्या बातचीत हुई, इसका तत्काल पता नहीं चल पाया था, लेकिन यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना है। देवेंद्र फडणवीस हालांकि अभी महाराष्ट्र में ही काम करना चाहते हैं, लेकिन भाजपा अध्यक्ष पद के लिए उनका नाम भी चल रहा है। जब लालकृष्ण आडवाणी को जिन्ना विवाद के चलते भाजपा अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था। तब आरएसएस ने पार्टी को संभालने के लिए नागपुर से नितिन गडकरी को भेजा था। इस बार के लोकसभा चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा, इसलिए माना जा रहा है कि भाजपा के नए अध्यक्ष का नाम नागपुर से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का विस्तारित कार्यकाल 30 जून 2024 को समाप्त हो चुका है।

लोकसभा चुनाव के मध्य में ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कह दिया, अटल जी के समय अब के समय में स्थिति बदली है। शुरू में हम अक्षम होंगे। थोड़ा कम होंगे। तब आरएसएस की जरूरत पड़ती थी। आज हम बढ़ गए हैं। आज हम सक्षम हो गए हैं इसलिए हमें आरएसएस की जरूरत नहीं। अब भाजपा अपने आप को स्वयं चलाती है। यही अंतर है तब और अब में। नड्डा के इस कथन के बाद ही भाजपा की सारी क्षमता डूब गई और बुरी हार का सामना करना पड़ा।

बिहार के...

हालांकि, उस समय ऐसी कोई घटना नहीं हुई और पुलिस-प्रशासन काफी सतर्क हो गया था।

जुलाई में पटना के एक घर से बम बनाने का सामान बरामद हुआ था। 35 जिंदा कारतूस, पोटेशियम नाइट्रेट का एक डिब्बा, ट्राइफ्लूरालिन लिक्विड के डिब्बे, लकड़ी का कोयला और सुतली जब्त की गई थी।

इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। पुलिस घर में इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक लाने के पीछे की साजिश के एंगल से जांच कर रही थी। उसी समय आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के षडयंत्रों का खुलासा हुआ था। पटना के फुलवारी शरीफ इलाके में पीएफआई ने अपना अड्डा बना रखा था और वहीं से पूरा संगठन संचालित हो रहा था। पीएफआई के ठिकानों से भारत में अराजकता पैदा करने, हिंसा फैलाने और गज्बा ए हिंद कायम करने से सम्बन्धित ढेर सारे दस्तावेज पकड़े गए थे और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खुफिया एजेंसियां मानती हैं कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन पीएफआई लोकसभा चुनाव के बाद फिर से सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है।

हरियाली तीज 7 को

पूजा मुहूर्त, सुहागिनों के खास पर्व का महत्व जानें

हर साल सुहागिने पति की सलामती और उनकी लंबी आयु के लिए हरियाली तीज का व्रत करती है । मान्यता है कि इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती के पूजन से विवाहित को सौभाग्यपूर्ण जीवन और उनके पतियों को दीर्घायु की प्राप्ति होती है।

इसे श्रावणी तीज भी कहते हैं, क्योंकि ये व्रत सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को आता है। 2024 में हरियाली तीज कब है, ये क्यों मनाई जाती है जानें डेट, पूजा मुहूर्त और महत्व। इस साल हरियाली तीज 7 अगस्त 2024, बुधवार को है। तीज का त्यौहार मुख्य रूप से उत्तर भारतीय महिलाओं द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखण्ड में हरियाली तीज खासतौर पर मनाई जाती है।

पंचांग के अनुसार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर 6 अगस्त 2024 को रात 07 बजकर 52 मिनट से आरंभ होगी। तृतीया तिथि का समापन 7 अगस्त 2024 को रात 10 बजकर 05 मिनट पर होगा।

सुबह का मुहूर्त – सुबह 05.46 – सुबह 09.06

दोपहर का मुहूर्त – सुबह 10.46 – दोपहर 12.27

शाम का मुहूर्त – शाम 05.27 – रात 07.10

हरियाली तीज आमतौर पर नाग पंचमी के दो दिन पूर्व आती है। नवविवाहित लड़कियों के लिए सावन में आने वाली इस तीज के दिन व्रत रखकर अच्छा जीवनसाथी पाने की कामना करती है।

मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। इस कड़ी तपस्या और 108वें जन्म के बाद माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया। कहा जाता है कि श्रावण मास शुक्ल पक्ष की तृतीया को ही भगवान शंकर ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था, तभी इस दिन स्त्रियां व्रत करती हैं।

हरियाली तीज के व्रत की कैसे हुई शुरुआत? क्या है इसका महत्व?

हरियाली तीज सावन के महीने की शुक्ल पक्ष में तृतीया तिथि को मनाने का विधान है। इस दौरान सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य के लिए इस व्रत को करती हैं। हिंदू धर्म में सावन के महीने में पड़ने वाली तीज का विशेष महत्व बताया गया हैं। हिंदू धर्म में तीज का पर्व माता पार्वती को समर्पित होता है। तीज पर्व पर जहां माता पार्वती के निमित्त पूजा-पाठ, व्रत आदि करने का विधान है तो वही उनके निमित्त श्रृंगार की सामग्री दान करने का भी विधान बताया गया है। इस व्रत के दौरान सुहागन महिलाओं द्वारा हरे रंग के वस्त्र धारण करना, मेहंदी लगाना और श्रृंगार करने का महत्व होता है।

पंचांग के अनुसार हर साल सावन के महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। साल 2024 में हरियाली तीज का पर्व 7 अगस्त 2024 बुधवार को मनाया जाएगा। हरियाली तीज का व्रत सुहागन महिलाओं के द्वारा किया जाता है। इस पर्व पर सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए करती हैं।

हरियाली तीज का व्रत वैसे तो निर्जला रखने का विधान है, लेकिन यदि कोई महिला निर्जला व्रत नहीं कर सकती तो वह इस व्रत के दौरान फल आदि का सेवन करके इसे पूरा कर सकती हैं। इस दिन महिलाओं के द्वारा हरे रंग के वस्त्र पहनना, हाथों में मेहंदी लगाना, हरे रंग की चूड़ियां, हरे रंग की बिंदी आदि से श्रंगार किया जाता है।

वह बताते हैं की मान्यताओं के अनुसार हरियाली तीज का व्रत माता पार्वती को समर्पित होता है। जो महिलाएं इस व्रत को करती हैं उन्हें माता पार्वती को 16 श्रंगार की सामग्री भेंट करनी चाहिए जिससे माता पार्वती प्रसन्न होकर अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद देती हैं। धार्मिक कथाओं के अनुसार इस व्रत की शुरुआत माता पार्वती ने की थी। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए सबसे पहले इस व्रत को किया था।

हरियाली तीज के दिन जो महिलाएं व्रत करती हैं, उन्हें अपने मन में सकारात्मक भाव रखना चाहिए। व्रत के दौरान उनके मन में यदि नकारात्मक भाव या विचार आते हैं तो उन्हें इसका कोई फल प्राप्त नहीं होगा। इस दिन व्रत करने वाली महिलाओं को वाद विवाद से दूर रहना चाहिए साथ ही बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए जिससे उन्हें इस व्रत का संपूर्ण फल प्राप्त हो। यदि महिलाओं द्वारा बड़े बुजुर्गों का अपमान किया जाता है तो उन्हें इस व्रत का अशुभ फल प्राप्त होगा।

आपको कंगाल बना सकती है आपकी यह आदत

गलती से भी यहां उतारकर न रखें अपनी घड़ी

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों और नक्षत्रों की चाल का हमारे जीवन पर प्रभाव माना जाता है। घड़ी को भी एक ग्रह माना जाता है, और इसका संबंध बुध ग्रह से होता है। बुध ग्रह बुद्धि, ज्ञान और संचार का कारक माना जाता है। यह दावा कि घड़ी रखने की गलत दिशा आपको कंगाल बना सकती है, ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र से जुड़ा हुआ है। वास्तु शास्त्र में घर और कार्यस्थल में वस्तुओं की उचित दिशा और स्थान का महत्व बताया गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में वस्तुओं को रखने की उचित दिशा महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इसका हमारे जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। घड़ियों के लिए भी कुछ दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं, जिनका पालन करने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र के अनुसार, घड़ी को उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे बुध ग्रह मजबूत होता है, और बुद्धि, ज्ञान और संचार में वृद्धि होती है। इसके विपरीत, दक्षिण दिशा में घड़ी रखना अशुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे बुध ग्रह कमजोर होता है, और धन हानि, ऋण और कंगाली हो सकती है। घड़ी को भी वास्तु शास्त्र में महत्वपूर्ण माना जाता है, और इसका संबंध उत्तर दिशा से होता है। इसके अलावा ईशान कोण, जो उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित होता है, ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक है। इस दिशा में घड़ी रखने से ज्ञान वृद्धि और करियर में सफलता मिल सकती है।

दक्षिण दिशा को नकारात्मक ऊर्जा और ऋण का प्रतीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस दिशा में घड़ी रखने से नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं और आर्थिक परेशानियां हो सकती हैं। पश्चिम दिशा को सूर्यास्त की दिशा माना जाता है, जो क्षति और हानि का प्रतीक है। इस दिशा में घड़ी रखने से भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। दक्षिण-पश्चिम कोण ऋण और रोगों का प्रतीक है। इस दिशा में

घड़ी रखने से आर्थिक परेशानियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

घड़ी की दिशा से ज्यादा महत्वपूर्ण है घड़ी का समय। समय का सदुपयोग करें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। धन हानि और कंगाली से बचने के लिए, अपनी आर्थिक योजना बनाएं, बजट बनाएं, और पैसे बचाएं। नकारात्मक विचारों से दूर रहें और सकारात्मक सोच रखें। आपकी सफलता और समृद्धि आपकी मेहनत और दृढ़ संकल्प पर निर्भर करती है।

तो आप अगर ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र में विश्वास करते हैं, तो घड़ी को उत्तर दिशा में रख सकते हैं। यह आपको मानसिक शांति और सकारात्मकता प्रदान कर सकता है, जो आपके जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहायक हो सकता है।

भगवान श्रीकृष्ण से जानें कैसी होनी चाहिए सच्ची दोस्ती

कुबेर का कोष भी पड़ जाए फीका

भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती के बारे में तो संसार जानता है। लेकिन, क्या आप ये जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण दोस्ती के बारे में क्या मानते हैं। अगर आप कृष्णा की इस दोस्ती की कहानी को ठीक से समझ पाएं तो आपके जीवन में भी सच्चा दोस्त आने में समय नहीं लगेगा। आप ऐसा भी कह सकते हैं कि आप अपने मित्र से सच्ची दोस्ती निभा पाएंगे। कल फ्रेंडशिप डे है, ऐसे में हमने सोचा कि क्यों ना आपको आज दोस्ती की एक ऐसी कहानी बतायी जाए जिसे पढ़ने के बाद आपका ये दिन और भी खास बन जाए।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि मैने आपसे कहा था कि संसार का सबसे बड़ा शस्त्र मित्र होता है। किंतु ये मित्रता कैसी होनी चाहिए ये ज्यादा लोग सही से नहीं जान पाते। मित्रता होनी चाहिए दूध में मिले जल की भांति। कैसे दूध में जब जल को मिलाया जाता है तब वो जल स्वयं दूध बन जाता है, तो सोचिए दूध की मित्रता से जल का अस्तित्व कितना बढ़ गया किन्तु ये कथा यही समाप्त नहीं होती। जब दूध को गर्म किया जाता है तब जल अपनी मित्रता निभाता है, जल स्वयं पहले इसका ताप लेता है, स्वयं के अस्तित्व को भाव बनाकर जला देता है और दूध को बचा लेता।

उसके पश्चात अपने मित्र के जाने से दूध में उबाल आता है, वह पात्र से निकलकर बहने लगता है और वह शांत केवल तभी होता है। जब उसमें थोड़ा जल मिला दिया जाता है अर्थात मित्रता भोग जो मित्र के अस्तित्व का विस्तार करते मित्रता वो जो मित्र के लिए स्वयं के अस्तित्व को जला दे। मित्रता वो जिसमें सुख और दु:ख दोनों मित्र से जुड़ा तो ऐसे मित्र बनाओ जिसके समक्ष कुबेर का कोष भी फीका

तीसरा सावन सोमवार आज

श्रावण शुक्ल पक्ष की होगी शुरुआत

सावन सोमवार व्रत शिव भक्तों के मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाला है। सावन सोमवार के दिन व्रत रखकर भगवान भोलेनाथ की पूजा करते हैं। इस दिन शिव जी को जल अर्पित करना शुभ फलदायी होता है। सावन सोमवार के दिन जलाभिषेक, रुद्राभिषेक जैसे धार्मिक अनुष्ठान करने से परिवार में सुख और समृद्धि आती है। सावन के तीसरे सोमवार व्रत के दिन श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि होगी। तीसरे सावन सोमवार व्रत का मुहूर्त, शुभ योग क्या है?

श्रावण मास का तीसरा सावन सोमवार आज, दि. 5 अगस्त को है। उस दिन सावन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है। जो शाम 06:03 पी एम तक है, उसके बाद से द्वितीया तिथि शुरू हो जाएगी।

तीसरा सावन सोमवार पर व्यतीपात योग सुबह 10:38 ए एम तक है, उसके बाद से वरीयान प्रारंभ हो जाएगा। जो एक शुभ योग माना जाता है। उस दिन अश्लेषा नक्षत्र सुबह से लेकर दोपहर 03:21 पी एम तक है, फिर मघा नक्षत्र होगा। ब्रह्म मुहूर्त प्रात: 04:20 ए एम से 05:03 ए एम तक है, वहीं अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:00 पी एम से 12:54 पी एम तक है।

तीसरा सावन सोमवार को अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त 05:45 ए एम से 07:25 ए एम तक है। उस दिन शुभ-उत्तम मुहूर्त 09:06 ए एम से 10:46 ए एम तक है। चर-सामान्य मुहूर्त 02:07 पी एम से 03:48 पी एम तक, लाभ-उन्नति मुहूर्त 03:48 पी एम से 05:28 पी एम तक और अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त 05:28 पी एम से 07:09 पी एम तक है।

तीसरे सावन सोमवार के दिन राहुकाल सुबह में 07:25 ए एम से 09:06 ए एम तक है। राहुकाल में कालसर्प दोष की पूजा करते हैं।

सावन सोमवार का व्रत करने से व्यक्ति को मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त हो सकता है। यदि आपके वैवाहिक जीवन में कोई समस्या आ रही है तो आप सावन सोमवार का व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करें। कार्यों में सफलता, रोग, दोष, कष्ट आदि से मुक्ति, धन, सुख, समृद्धि आदि की प्राप्ति के लिए सावन सोमवार का व्रत रखना चाहिए।

जो लोग तीसरे सावन सोमवार पर शिव जी का जलाभिषेक करना चाहते हैं, वे लोग ब्रह्म मुहूर्त से ये कार्य कर सकते हैं। वैसे शिव पूजा के लिए कोई विशेष मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है। आप किसी भी समय जलाभिषेक कर सकते हैं। शिव समय और काल से परे हैं। रुद्राभिषेक के लिए सावन सोमवार अच्छा दिन है।

विदुथलाई पार्ट 2 से विजय सेतुपति का फर्स्ट लुक आउट

रोंगटे खड़े कर देगा एक्टर का खौफ

साउथ फिल्मों के दमदार एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म महाराजा से छाए हुए हैं। फिल्म महाराजा में उनके एक्टिंग और रोल को खूब तालियां मिल रही हैं। इस बीच क्राइम थ्रिलर फिल्म विदुथलाई (2023) के सीक्वल से भी एक्टर चर्चा में हैं। हाल ही में इस विदुथलाई पार्ट 2 पर अपडेट आया था। फिल्म विदुथलाई पार्ट 2 से विजय सेतुपति और मंजू वॉरियर का फर्स्ट लुक सामने आया है।

विदुथलाई पार्ट 2 मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म से दो पोस्टर छोड़े हैं।वेत्रीमारन के निर्देशन में बनी फिल्म विदुथलाई पार्ट 2 की रिलीज डेट का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन फिल्म से आए दो पोस्टर में फिल्म की लीड स्टारकास्ट की शानदार झलक देखने को मिल रही है। फिल्म के पहले पोस्टर में विजय सेतुपति का खूंखार अवतार देखने को मिल रही है।

इस पोस्ट में विजय के हाथ में एक खंजर है और वह दहाड़ मारते दिख रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में विजय सेतुपति और मंजू वॉरियर एक रोमांटिक फोटो है, जिसमें वह एक साइकिल पर खड़े हैं।मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर लिखा है, फिल्म की फाइनल स्टेज पर आपके लिए यह तोहफा है। यानि फिल्म अपनी मेकिंग के फाइनल टच पर है।

आरएस इंफोटेनमेंट, एल्रेड कुमार, रेड जियांट मूवीज, ए ग्रासरूट फिल्म कंपनी प्रोड्क्शन्स की पेशकश फिल्म में संगीत के सरताज इलैयाराजा का संगीत होगा। फिल्म में एक्टर सूरी बतौर विलेन और विजय बतौर मेंटर के रोल में दिखेंगे। वहीं, बाकी की स्टारकास्ट में सूर्या सेतुपति, भवानी श्रे, राजीव मेनन, तामीझ और गौतम वासुदेव अहम रोल में दिखेंगे।बता दें, विदुथलाई बीती 31 मार्च 2023 को रिलीज हुई थी। रिपोर्ट्स की मानें तो 40 करोड़ रुपये में बनी फिल्म विदुथलाई ने वर्ल्डवाइड 55 करोड़ और इंडिया में 46।9 करोड़ कमाए थे।

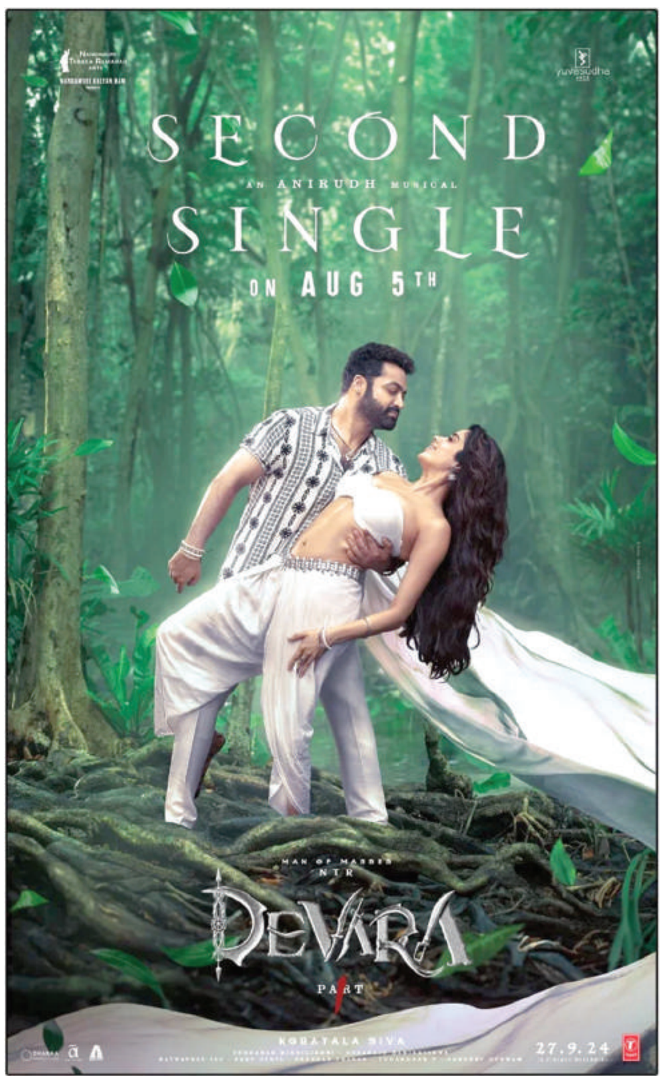

जूनियर एनटीआर-जाह्नवी कपूर की जबरदस्त केमिस्ट्री पोस्टर संग देवरा : पार्ट 1 के दूसरे गाने का ऐलान

एनटीआर की पैन इंडियन फिल्म देवरा: पार्ट 1 का पहला सिंगल, फियर सॉन्ग प्लेलिस्ट पर छा हुआ है। यह गाना लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गया है। इस गाने पर सिंगर अनिरुद्ध रविचंदर ने शानदार काम किया है। सिंगल की पॉपुलैरिटी को देखते हुए मेकर्स ने सेकेंड सिंगल का एलान किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर देवरा: पार्ट 1 का नया पोस्टर शेयर किया है और फिल्म के सेकेंड सॉन्ग का एलान किया है। पोस्टर में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखी जा सकती है। ऐसा लग रहा है कि यह गाना एक हरे-भरे जंगल में शूट किया गया है। इस पोस्टर से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाला सेकेंड सॉन्ग रोमांटिक होगा।फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन में गाने की रिलीज डेट के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने समुद्र की लहर और लाल दिल वाले इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा है, मोस्ट अवेटेड देवरा सेकेंड सिंगल 5 अगस्त को आ रहा है।देवरा: पार्ट 1 जाह्नवी कपूर की टॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। फिल्म को डायरेक्ट कोराताला शिवा ने किया है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में नजर आएंगे। उन्होंने फिल्म में पिता और पुत्र दोनों की भूमिका निभाई है। वहीं, बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान विलेन के किरदार में नजर आएंगे। देवरा: पार्ट 1 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

राम पोथिनेनिन की फिल्म डबल आईस्मार्ट का दूसरा सिंगल मार मुंथा छोड़ चिंता रिलीज़

उस्ताद राम पोथिनेनिन और डैशिंग डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ की सनसनीखेज हिट आईस्मार्ट शंकर अपनी थिएटर रिलीज़ से पहले ही म्यूज़िकल हिट बन गई थी। इसी तरह, इस घातक संयोजन में दूसरी फिल्म का एल्बम भी फिल्म की रिलीज़ से बहुत पहले ही चार्टबस्टर बन गया है। फिल्म डबल आईस्मार्ट जो आईस्मार्ट शंकर की अगली कड़ी है, उसका संगीत मणि शर्मा ने दिया है, जिन्होंने एक और बड़े पैमाने पर अपील करने वाला फुटटैपिंग एल्बम बनाया है।पहले सिंगल स्टेप्पा मार को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। आज, फिल्म का दूसरा सिंगल मार मुंथा छोड़ चिंता रिलीज़ किया गया। कसारला श्याम द्वारा लिखे गए गीत अनोखे हैं और एक विशिष्ट हैदराबादी स्लैंग का अनुसरण करते हैं। मणि शर्मा की रचना बहुत ही देशी लोक स्वाद की है जिसमें बहुत ऊँची बीट्स हैं। राहुल सिप्लीगुंज, धनुंजन सीपना और कीर्तना शर्मा की तिकड़ी ने गाने के लिए स्वर दिए हैं, और उनकी आवाज़ें गाने की ऊर्जा के साथ तालमेल बिठाती हैं।राम की ऊर्जा संक्रामक है और उनके नृत्य देखने लायक हैं। खास तौर पर हुक स्टेप, कुछ ही समय में लोकप्रिय हो जाएगा। राम के साथ थिरकने वाली काव्या थापर ने इस गाने में ग्लैमर का तड़का लगाया, जिसे जीवंत सेटों में जीवंत रूप से फिल्माया गया। पुरी कनेक्ट्स बैनर में पुरी जगन्नाथ और चार्मी कौर द्वारा निर्मित, इस फिल्म में संजय दत्त एक शक्तिशाली भूमिका में हैं और काव्या थापर राम के साथ मुख्य भूमिका में हैं। सैम के नायडू और गियानी गियानेली ने फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संभाली है, जो 15 अगस्त को पूरे भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

हॉट फोटोज में निकिता दत्ता ने लगाया ग्लैमर का तड़का

एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।कबीर सिंह फेम एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर लोग अपने होश खो बैठे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने बेहद ही स्टाइलिश ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही सिजलिंग और हॉट नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, खुले बाल, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं

आईफा उत्सव 2024 में लॉन्च होगा ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी स्टारर केडी-कालिदास का ट्रेलर

केडी-कालीदास का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आईफा उत्सव 2024 में लॉन्च होने वाला है। दो दिवसीय महोत्सव 6 और 7 सितंबर को अबू धाबी के यास द्वीप पर एतिहाद एरिना में आयोजित किया जाएगा।सुपरस्टार ध्रुव सरजा ने अपने सोशल मीडिया पर यह रोमांचक खबर साझा की, उन्होंने फिल्म का पोस्टर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, 6 और 7 सितंबर को आईफा उत्सव 2024 में केडी-कालीदास के विशेष ट्रेलर लॉन्च के लिए तैयार हो जाइए, केवल अबू धाबी के यास द्वीप पर। अभी अपनी सीटें पकड़ें! आईफा उत्सव में विशेष ट्रेलर लॉन्च केडी-कालीदास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है, जो इसे इस साल के अंत में रिलीज होने से पहले वैश्विक दर्शकों को लुभाने का अवसर प्रदान करेगा।इस रोमांचक अवसर पर टिप्पणी करते हुए, केडी-कालीदास के लेखक और निर्देशक प्रेम ने अपना उत्साह व्यक्त किया: मैं आईफा उत्सव समारोह के प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर केडी-कालीदास के विशेष ट्रेलर लॉन्च का अनावरण करते हुए बेहद रोमांचित हूँ। इस फिल्म के निर्देशक और लेखक के रूप में, जो राम और रावण के सह-अस्तित्व के समान अच्छे और बुरे के द्वंद्व की खोज करती है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि केडी-कालीदास सिर्फ़ एक खूनी कहानी से कहीं बढ़कर है। इसमें एक रोमांटिक और नैतिक रेखा है। तैयार हो जाइए क्योंकि केडी-कालीदास एक ब्लॉकबस्टर एक्शन थ्रिलर, एक शुद्ध दृश्य तमाशा होने का वादा करती है। केवीएन प्रोडक्शंस के तहत निर्मित, मुझे विश्वास है कि यह इस साल के अंत में सभी पाँच भाषाओं: कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज़ होने के कारण पूरे भारत में धूम मचा देगी। इंतज़ार नहीं कर सकता!यह फिल्म पूरे भारत में धूम मचाने का वादा करती है, जो साल के सबसे रोमांचक सिनेमाई अनुभवों में से एक के लिए मंच तैयार करती है। इसमें ध्रुव सरजा मुख्य भूमिका में हैं और इसमें शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, रमेश अरविंद, संजय दत्त, नोरा फतेही और वी रविचंद्रन जैसे कलाकार शामिल हैं।

मैंने हमेशा अपने बारे में अच्छी अफवाहें सुनी हैं : प्रज्ञा जायसवाल

तेलुगू सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर अभिनेत्री प्रज्ञा जायसवाल जल्द ही अपकमिंग फिल्म खेल खेल में से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा उन्होंने अपने बारे में सकारात्मक अफवाहें सुनी हैं और उम्मीद जताई कि ये अफवाहें सच हों।मुंबई में ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान प्रज्ञा से पूछा गया कि क्या किसी अफवाह ने उनके घर में हलचल मचाई है।प्रज्ञा ने जवाब दिया, मैंने अपने बारे में कभी कोई नकारात्मक अफवाह नहीं सुनी। मेरे सामने आई सभी अफवाहें अच्छी और सकारात्मक रही हैं।फिल्म एनबीके 109 के लिए नंदमुरी बालकृष्ण के साथ काम कर रहीं अभिनेत्री ने विभिन्न उद्योगों में काम करने के अपने अनुभव शेयर किए।प्रज्ञा ने कहा, ये दोनों अनुभव अद्भुत हैं। मैं दो अलग-अलग उद्योगों और भाषाओं में काम करने के लिए आभारी हूं। मैं केवल अच्छी फिल्मों, अच्छी कहानियों का हिस्सा बनने और यादगार किरदार निभाने का प्रयास कर रही हूं। मुझे खुशी है कि मुझे ये अवसर मिल रहे हैं। भाषा मेरे लिए ज्यादा मायने नहीं रखती। मैं सिर्फ अच्छा काम करना चाहती हूं।खेल खेल में अक्षय कुमार, एमी विर्क, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, फरदीन खान, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 को टक्कर देगी।टी-सीरीज फिल्म वकाउ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन खेल खेल में मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी। शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है।यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरूरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहों से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 05 अगस्त 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 06:05 तक
नक्षत्र : आश्लेषा दोपहर 03:22 तक
योग : व्यतिपात प्रात: 10:37 तक
करण : बव सायं 06:05 तक
चन्द्रराशि : कर्क दोपहर 03:22 तक
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजग सरकार कार्यकाल पूरा करेगी : अमित शाह

चंडीगढ़, 04 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन (राजग) सरकार न सिर्फ अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि 2029 में भी राजग की ही सरकार बनेगी।

श्री शाह ने चंडीगढ़ में 24 घंटे जलापूर्ति सुनिश्चत करने की परियोजना का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं कि विपक्ष जो भी कहना चाहे, कह सकता है, लेकिन आप चिंता मत कीजिए। वर्ष 2029 में भी राजग ही सत्ता में आएगा, नरेन्द्र मोदी जी (ही सत्ता में) आएंगे।

उन्होंने कहा, विपक्ष को लगता है कि थोड़ी बहुत सफलता से वे चुनाव जीत गए हैं। उन्हें नहीं पता है कि (पिछले) तीन चुनावों में कांग्रेस को जितनी सीट मिलीं, भाजपा ने इस चुनाव (2024 लोकसभा चुनाव) में उससे ज्यादा सीट जीती हैं। श्री शाह ने कहा, वह यह नहीं जानते कि राजग के एकमात्र घटक दल भाजपा के पास उनके पूरे गठबंधन की कुल सीट से अधिक सीट हैं। उन्होंने कहा, अनिश्चितता का माहौल बनाने का मंसूबा पाले ये लोग बार–बार कहते हैं कि यह सरकार नहीं चलेगी।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मैं विपक्ष के मित्रों को आश्वासन देना चाहता हूं कि यह सरकार न केवल पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि अगला कार्यकाल भी इसी सरकार का होगा। विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहें और विपक्ष में प्रभावी ढंग से काम करना सीखें। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कुल 75 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित इस परियोजना से मनीमाजरा के एक लाख से अधिक निवासियों को लाभ मिलेगा, जिनमें मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्–लेक्स, शिवालिक एन्क्लेव, इंदिरा कॉलोनी और शास्त्री नगर में रहने वाले लोग भी शामिल हैं।

सभी वर्गों के उत्थान से साकार हो सकता है विकसित राजस्थान का सपना : भजनलाल

जयपुर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि समाज के सभी वर्गों के उत्थान से ही विकसित राजस्थान का सपना साकार हो सकता है। इसलिए राज्य सरकार ने राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए परिवर्तित राज्य बजट 2024–25 में उनके सुझावों को शामिल करते हुए प्रावधान किए हैं।

श्री शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और उनके परिवार के हितों के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। कर्मचारी हमारे समाज के गौरव हैं, जो अपने जीवन का अधिकांश समय राज्य की सेवा में समर्पित करते हैं। कर्मचारी अपनी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से राज्य के विकास में महत्व–पूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स अपने परिवारों के साथ समाज के लिए भी प्रेरणा स्रोत हैं। पेंशनर्स का अनुभव और ज्ञान राज्य के विकास के लिए अमूल्य संपत्ति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने इस बजट में कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के कल्याण के लिए वेतन विसंगति संबंधी सुधार, अधिकतम ग्रेच्युटी राशि में वृद्धि, पेंशन वृद्धि, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनसे कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 75 वर्ष से अधिक आयु पर बढ़ी हुई दर से पेंशन की सुविधा प्राप्त है। अब हमने 70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए भी पांच प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की है। साथ ही, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 के अनुरूप गत एक अप्रैल के बाद कार्मिक की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर 10 वर्षों तक बढ़ी हुई दर से पारिवारिक पेंशन मिलेगी। श्री शर्मा ने कहा कि 30 जून 2023 को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पेंशन गणना के लिए एक जुलाई, 2023 से एक काल्पनिक वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ दिया जाएगा तथा भविष्य में प्रतिवर्ष 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भी यह लाभ मिलेगा। श्री शर्मा ने कहा कि घोषणाएं समय पर पूर्ण होने से ही संबंधित वर्ग को उसका लाभ मिलता है। इसीलिए हमारी सरकार ने कर्मचारी हित में बिना विलंब किए कुछ ही महीनों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने सिर्फ चुनावों को ध्यान में रखते हुए बिना बजट प्रावधान के लुभावनी घोषणाएं की। श्री शर्मा ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि कर्मचारी समाज के जिम्मेदार नागरिक भी हैं। इसलिए उन्हें नर सेवा को नारायण सेवा मानते हुए सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने आस–पास के वंचित व्यक्ति को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लेकर आएं। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति सेवा रूपी दीपक जलाएगा तभी समाज से असमानता और अभाव का अंधियारा दूर होगा तथा विकसित राजस्थान का संकल्प साकार होगा।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी का बड़ा ऐलान

किसानों के 133 करोड़ माफ, अब 14 की जगह 24 फसलें एमएसपी पर खरीदेगी सरकार

कुरुक्षेत्र, 04 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि सरकार 14 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है, लेकिन अब केंद्र की तर्ज पर 10 और नई फसलों (कुल 24 फसल) को एमएसपी पर खरीदेगी। उन्होंने किसानों के आबियाने (नहरों से सिंचाई) का 133 करोड़ रुपए बकाया माफ करने का ऐलान किया। साथ ही वर्ष 2023 से पहले के प्राकृतिक आपदा से हुए खराबे के 137 करोड़ रुपए एक सप्ताह के भीतर जारी करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि थ्री स्टार ट्यूबवेल मोटर बेचने वाली सभी कंपनियां प्रदेश सरकार के पैनल पर होंगी, जिसका लाभ भी किसानों को मिलेगा। किसान अपनी पसंद की कंपनी से ट्यूबवेल के लिए मोटर खरीद सकेंगे। मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र की अनाजमंडी में आयोजित विजय शंखनाद रैली को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने शंख बजाकर आगामी विधानसभा चुनाव में जीत की हुंकार भरी।

महाभारत की धरती पर रैली के जरिए जहां भाजपा के दिग्गज नेताओं ने अगले विधानसभा चुनाव के लिए सियासी बिगुल बजाया। वहीं किसानों को साधने के लिए कई घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 27 जून को उन्होंने घोषणा की थी, जिसके अनुसार 31 दिसंबर, 2023 तक आवेदन करने वाले सभी किसानों को जल्द ट्यूबवेल कनेक्शन दिए जाएंगे। यही नहीं बिजली निगम की ओर से किसानों के लिए लगाए गए ट्रांसफार्मर खराब होने पर उसे निगम की ओर से निशुल्क बदला जाएगा।

उन्होंने कहा कि महाभारत एवं गीता की धरती से अगले विस चुनाव में जीत के लिए शंखनाद किया गया है और अब प्रदेश की हर विधानसभा में विजय शंखनाद रैली होगी। इनमें भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार की जनोपयोगी नीतियों व कांग्रेस एवं दूसरे दलों की खामियों को जनता के समक्ष रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिनके अपने बही खाते फटे पड़े हैं वे हमसे हिसाब मांग रहे हैं। हम कांग्रेस को नहीं जनता को हिसाब दे रहे हैं। हमने विकास कार्यों व जनकल्याणकारी नीतियों के जरिए प्रदेश की तकदीर व तस्वीर बदली है।

प्रदेश से भाई–भतीजावाद, भ्रष्टाचार, भय, निराशा और अविश्वास को खत्म कर लोगों में नई उम्मीद व सोच जागृत की है। हमने पारदर्शिता के साथ काम करते हुए हर वर्ग का विश्वास जीता है। रैली को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश चुनाव सह प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लब देव, राज्यमंत्री सुभाष सुधा व सांसद नवीन जिंदल ने भी संबोधित किया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृष्ण पाल गुर्जर, डॉ. सतीश पूनिया, सुरेंद्र नागर, सांसद नवीन जिंदल, कृष्ण पंवार, कार्तिकेय शर्मा, ओपी धनखड़, कैप्टन अभिमन्यु, सुभाष बराला, सुधा यादव, किरण चौधरी, आत्मप्रकाश मनचंदा, ज्ञान चंद गुप्ता के अलावा प्रदेश के अधिकतर मंत्री, भाजपा सांसद, विधायक व पदाधिकारी मुख्य तौर पर मौजूद रहे।

कांग्रेस के पास सिर्फ पिता–पुत्र, हमारा हर नेता कैप्टन : धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षामंत्री एवं हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं और केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बल पर हरियाणा में भी हैट्रिक लगनी तय है। इसके लिए जनता भी मन बना चुकी है।

उन्होंने कांग्रेस व हुड्डा को निशाने पर लेते हुए कहा कि हमारा हर नेता कैप्टन है, लेकिन कांग्रेस के पास पिता–पुत्र ही हैं। कांग्रेस में यह भी पता नहीं होता कि कौन नेता उनकी अगुवाई करेगा। ऐसे में प्रदेश की जनता कांग्रेस की बातों में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि हिसाब मांगने वाली कांग्रेस खुद बताए कि अपने शासन के दौरान कितने दलितों के घर जलाए, कितने किसानों की जमीन को लुटवाने का काम किया। कितने युवाओं को क्षेत्रवाद का शिकार बनाया। हमें ऐसी पार्टी को हिसाब देने की जरूरत नहीं है। हम जनता को हिसाब देंगे, जिसके लिए आज शंखनाद कर दिया गया है।

ईडी वाले बयान पर मनोहर लाल खट्टर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा–

डरता वही है, जिसके मन में पाप होता है

करनाल, 04 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि डरता वही है, जिसके मन में पाप होता है। अगर उनके मन में पाप है, तो वह बाहर निकलेगा। खट्टर ने दीपेंद्र हुड्डा और कुमारी शैलजा पर भी हमला किया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर शनिवार को करनाल पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनके काम पूछे।

उन्होंने कहा, 12 अगस्त तक लोकसभा का सेशन चल रहा है। व्यस्तता के बीच मैंने कार्यकर्ताओं के लिए समय निकाला है, ताकि उनसे मिलना जुलना हो जाए। पानीपत व करनाल में भी लोगों से मिला और उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने ओलंपिक में हरियाणा और भारत के शानदार प्रदर्शन पर कहा, खिलाड़ियों, उनके कोच और उनके परिवार को बधाई। उन्होंने अपने प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। बाकी जो खेल बचे हैं, उसमें भी भारत के मेडल आएंगे। राहुल गांधी द्वारा ईडी की रेड मारने की बात पर मनोहर लाल ने कहा कि इसे कहते हैं चोर की दाढ़ी में तिनका, डरता वही है, जिसके मन में पाप होता है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ से मिले राजस्थान के राज्यपाल विकास योजनाओं पर की चर्चा

जयपुर/नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की और राज्य के विकास तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर बात की। राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को शॉल ओढ़ाई और पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने प्रदेश के विकास और जनता के हित से जुड़े मुद्दों के बारे में उपराष्ट्रपति को जानकारी दी।

राज्यपाल बागड़े उन्हें राजस्थान में चल रही विकास परियोजनाओं और राज्य सरकार की उपलब्धियों के अलावा जनता की जरूरतों और चुनौतियों से भी अवगत कराया। इस चर्चा से राज्य की जनता को लाभ होने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राजस्थान के विकास और जनता के कल्याण के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उपराष्ट्रपति आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस मुलाकात की तस्वीर शेयर की गई है। इससे पहले राज्यपाल बागड़े ने शुक्रवार और शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में भाग लिया था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

भरतपुर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में नदबई के बरौलीछार गांव के समीप रविवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक की पहचान महुआ सिनपिनी निवासी 25 वर्षीय राहुल जाटव के रूप में की गयी है। मृतक राहुल नदबई में खिड़की–दरवाजे का काम करता था। वह रोजाना की तरह रविवार को अपने घर से खेरली गंज जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नदबई अस्पताल भेज दिया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

कुमारी सैलजा ने प्राचीन श्रीश्याम मंदिर में की पूजा अर्चना

सिरसा, 04 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस की महासचिव एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि खाटू नरेश श्याम बाबा की महिमा निराली है जो भी भक्त सच्चे मन से बाबा के चरणों में शीश झुकाता है, उसके सारे मनोरथ बाबा की कृपा से पूरे होते हैं। कुमारी सैलजा ने नोहरिया बाजार स्थित प्राचीन श्रीश्याम मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए इस आशय की बात कही।

मंदिर के पुजारी चांदरत्न शर्मा ने कुमारी सैलजा को मंदिर में विराजित स्थानीय थेहड़ में खुदाई के दौरान निकली बाबा श्याम की घोड़े पर सवार मूर्ति दिखाते हुए इतिहास के पन्ने खोले, जिसे सुनकर सांसद अभिभूत हो गई। कुमारी सैलजा ने कहा कि श्याम बाबा कलियुग के देवता हैं। जीवन की परेशानियों, कठिनाइयों व संकट से हारने वाला मनुष्य जब बाबा की शरण में जाता है, तो उसके सारे दुख दर्द दूर हो जाते हैं। इसीलिए श्याम बाबा को हारे का सहारा कहा जाता है। सुश्री सैलजा ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें बाबा के दर्शन करने का मौका मिला। उन्होंने खाटू नरेश से सिरसा संसदीय क्षेत्र की जनता सहित समस्त प्रदेश वासियों के कल्याण की कामना की। इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरभान मेहता, राजन मेहता, मंगतराम लालावास सहित अनेक पार्टी नेता मौजूद थे।

बोर्ड में टॉपर्स छात्रों को कराई हवाई यात्रा

बारां, 04 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले के अंता तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालाखेडा के अध्यापकों ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। स्कूल के अध्यापकों ने मिलकर 10वीं एवं 12वीं बोर्ड में टॉपर्स रहें छात्र–छात्राओं को पढ़ाई के प्रति और आकर्षित करने के लिए स्कूल में टॉपर्स रहें बच्चों को अपने ही जेब खर्च से हवाई जहाज से जयपुर से नई दिल्ली की यात्रा करवाई। खास बात यह रही कि बच्चों के परिजनों की सहमति से यह यात्रा संभव हुई। दिल्ली यात्रा के दौरान टापर्स बच्चों को जतंर मंतर, समाधि स्थल, इण्डिया गेट आदि स्थानों को दिखाया।

वरिष्ठ अध्यापक अनिरूद्ध सिंह ने कहा, मैं आर्मी से रिटायर्ड हूँ। मैने बच्चों का शिक्षा के प्रति उत्साह बढाने के लिए कक्षा 12वीं बोर्ड में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा पायल रैगर को स्वंय के खर्च पर हवाई यात्रा करवाई है। पायल रैगर के अलावा तीन बच्चो गुलशन रैगर, टीना रैगर, दिव्या वैष्णव की हवाई यात्रा का पचास प्रतिशत खर्च स्कूल के अध्यापकगण बहादुर सिंह, मंजू मालव, शशी मालव द्वारा वहन किया गया। बालिका पायल रैगर ने बताया की उसने सोचा नही था कि उसे हवाई जहाज में बैठने का मौका मिलेगा।

लोगों ने लगाई मुख्यमंत्री से गुहार

प्रार्थना सभा के नाम पर धर्म परिवर्तन, इलाज के नाम पर बुलाते हैं

पटना (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया में प्रार्थना सभा का आयोजन कर धर्म परिवर्तन का खेल करने का मामला प्रकाश में आया है। इसके बाद इलाके मे खलबली मची हुई है। मामला बगहा पुलिस जिले के मधुबनी प्रखंड का है। जहां पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाता है। आयोजित प्रार्थना सभा मे धर्म परिवर्तन का खेल होता है। धर्म परिवर्तन को लेकर लोगों में आक्रोश भी देखने को मिल रही है। इस मामले को लेकर लोगो ने डीएम और स्थानीय थाने में आ-वेदन देकर इस कार्यक्रम को रोकने की अपील की है। साथ ही मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रार्थना सभा का आयोजन गुरुवार, शनिवार और रविवार को किया जाता है। इसमें 15 हजार से 25 हजार तक की भीड़ उमड़ती है। प्रार्थना सभा के प्रमुख इन्हें धर्मांतरण के लिए उकसाते हैं। इस आयोजन में सुरक्षा और व्यवस्था की कमी के कारण संभावित हादसों की आशंका भी जताई जा रही है। इतना ही नहीं इस सभा के प्रमुख राजकुमार पास्टर की सुरक्षा में नेपाल से मंगाकर 12 बाउंसर की तैनाती की गई है। इसमें पुरुष और महिलाएं हैं, एक बाउंसर हर पल राजकुमार की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। इसके साथ ही प्रार्थना सभा में अच्छे गेट बनाए गए हैं, हर एक गेट पर पांच लड़कियों की तैनाती रहती है। यहां पहुंचने के लिए हर गेट सब की अनुमति होना जरूरी होता है।

इस मामले में अंचलाधिकारी नंदलाल राम ने कहा कि हमने पास्टर राजकुमार को एक पत्र लिखकर जवाब मांगा है कि वह किस आधार पर इस प्रार्थना सभा का आयोजन कर रहे हैं। इसमें कितने लोगों के ठहरने की व्यवस्था है। लोगों के सुरक्षा के क्या उपाय किए गए हैं। वहीं रात में चलने वाली प्रार्थना सभा के बारे में हमें अधिक जानकारी नहीं है। इधर, स्थानीय नवाब अंसारी ने बताया कि कि यहां हर हफ्ते हजारों लोग इकट्ठा होते हैं और उन्हें धर्मांतरण के लिए उकसाया जाता है। एक अन्य स्थानीय निवासी, राजकुमार साह ने कहा कि रात में यहां ठहरने वाली महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा प्रबंध नहीं है। हम नहीं चाहते कि हमारे क्षेत्र में किसी भी तरह की अप्रिय घटना हो।

बता दें कि धर्म परिवर्तन करा रहे पास्टर राजकुमार की तलाश यूपी पुलिस को पिछले तीन सालों से है। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में तीन साल पूर्व राजकुमार प्रार्थना सभा का आयोजन करता था। जैसे ही इसके भनक यूपी सरकार को लगी, कुशीनगर जिला के बिशनपुरा थाना में इसके खिलाफ़ प्राथमिकी दर्ज करवाई गई। हालांकि पास्टर भागने में कामयाब रहा।

पटना-बख्तियारपुर हाईवे पर हादसा

कांवरियों से भड़ी स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, चार पुलिसकर्मी घायल

पटना (एजेंसियां)। पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर रविवार को पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी और स्कॉर्पियो में भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए बख्तियारपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। यहां से इन्हें बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। बख्तियारपुर थाना प्रभारी ने बताया कि स्कॉर्पियो पर सवार सभी कांवरिया वहां से फरार हो गए। सभी की तलाश की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है।

बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो गाड़ी में कांवरिया सवार थे, जो देवघर से पूजा करके वापस लौट रहे थे।

स्कॉर्पियो तेज रफ्तार से पूर्व की तरफ से आ रही थी, वहीं दूसरी तरफ बख्तियारपुर थाने की पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पश्चिम से पूर्व की तरफ़ जा रही थी। धोबा पुल फ़ोर लेन के नजदीक पहुंचते ही दोनों गाड़ियों के बीच सामने से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही दोनों गाड़ियां सड़क पर पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों के आगे का भाग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

बताया जा रहा है कि पुलिस जिप्सी में पेट्रोलिंग पार्टी के एक पदाधिकारी समेत चार पुलिसकर्मी सवार थे। हादसे में सभी लोग घायल हो गए। घायल पुलिस कर्मियों में एएसआई शंकर पासवान (45 वर्ष), आरक्षी गोपाल प्रसाद (59 वर्ष), संजय कुमार (45 वर्ष) और महेंद्र पासवान (52 वर्ष) शामिल हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना बख्तियारपुर थाने को दी। सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाने के पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बख्तियारपुर में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद घायल आरक्षण को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है।

सांसद पप्पू यादव ने हर वीडियो पर 25 हजार इनाम का किया एलान

सीएम नीतीश के खिलाफ खोलेंगे मोर्चा

पटना (एजेंसियां)। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर बिहार सरकार घेरने की कोशिश की है। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि सीएम नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोलते हुए नीतीश कुमार को बूढ़ा करार दिया है। पटना से पूर्णिया जाने के दौरान बेगूसराय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार अब बुजुर्ग हो गए हैं। उनकी अब उम्र हो गई है। अब सरकार पदाधिकारी और माफियां चला रहे हैं। इसमें वो क्या कर सकते हैं? हम तो अक्सर कहते है कि बिहार से अपराध खत्म होना चाहिए।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने मीडिया को कहा कि बिहार में किसी भी पदाधिकारी का पैसा मांगते वीडियो उपलब्ध कराएगा उसे ना सिर्फ इनाम के रूप में 25000 दिया जाएगा बल्कि उनका नाम भी गुप्त रखा जाएगा। पप्पू यादव संबंध में कहा कि ईडी का जो हाल है वो बिल्कुल स्ट्रांग है। ईडी पिक एंड चूज करता है। जो सत्ता में रहता है उसके लिए ईडी नहीं है जो विपक्ष में बैठा है उसके लिए ही ईडी है।

पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी पर जो कारवाई की जा रही है वह बिल्कुल गलत हैं और यह एक गलत परिपाटी है। इसलिए मैं राहुल जी के बयान को सही मानता हूं।

पप्पू यादव ने आगे कहा कि बिहार में डीपीपी भट्टी को फ्री नहीं छोड़ा गया इसलिए वो बिहार छोड़कर जा रहें है। उन्हें बिरमित कर दिया गया है। बिहार मे लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है पुलिस नाम की कोई चीज नहीं बची है। बिहार की जनता अब अपराधी और माफिया के भरोसे है।

मुजफ्फरपुर के मुस्लिम समुदाय का पाक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के शिया समुदाय के लोग पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के नरसंहार को लेकर धरने पर बैठे हैं।

अल्पसंख्यक समुदाय को लगातार निशाना बनाकर हत्या किए जाने के खिलाफ दुनिया के देशों से अपील की है। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवादियों का ठिकाना बताया है। उन्होंने कहा कि आईएसआई और आतंकियों के इशारे पर पाकिस्तान की सरकार नरसंहार करवा रही है।

दरअसल, पाकिस्तान के पाराचिनार इलाके में बीते दिनों अल्पसंख्यक समुदाय के हुए नरसंहार, लोगों पर हमले और शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्म जारी है।

इसे लेकर शनिवार को मुजफ्फरपुर में मुस्लिम समुदाय ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। जिला समाहरणालय के धरना स्थल पर शिया मुसलमानों ने पाकिस्तान के खिलाफ की नारेबाजी करते हुए दुनिया भर के अल्पसंख्यक समुदाय के नागरिकों और धार्मिक समुदाय के नेताओं को एकजुट होकर विरोध करने की अपील की।

प्रदर्शनकारी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ दुनिया भर के लोग एक जुट होकर विरोध-प्रदर्शन करें। मुहर्रम महीने में इस हमले का लगातार विरोध किया जा रहा है और आगे भी करेंगे।

मुजफ्फरपुर में प्रदर्शन कर रहे शिया मुसलमानों का आरोप है कि जब पूरी दुनिया भर के देशों में किसी भी अल्पसंख्यक समुदाय पर कोई हमला होता है और उनका नरसंहार होता है, तब पूरी दुनिया में से कोई भी देश आगे आकर उसका विरोध नहीं करता है। लेकिन जब कोई बड़ी आबादी वाले देश पर हमला होता है तो दुनिया के ताकतवर देश अपनी एकजुटता का परिचय देते हुए विरोध करते हैं। हम दुनिया भर के सभी अल्पसंख्यक समुदाय के देश और नेताओं से अपील करते हैं कि आप आगे आएं और इस तरह के नरसंहार का मजबूती से विरोध करें। ताकि आतंकवादियों को पालने वाले पाक और इनके जैसे देश का नकाब के पीछे का चेहरा सभी देशों के सामने आ सके।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में मजलिस ए मातम के दौरान में हुआ हमला इसका ताजा उदाहरण है। जब भी शिया मुसलमानों पर हमला होता है, तब कोई भी देश शिया मुसलमानों के हक में आवाज नहीं उठाता है या हमले की निंदा नहीं करता है। चूंकि शिया मुसलमान पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया में कम संख्या में हैं और इसलिए उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है।

इको-पर्यटन स्थल के रूप में पर्यटकों को लुभाएगा बिहार का कश्मीर 'ककोलत झरना'

नवादा (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को बिहार का कश्मीर कहे जाने वाले नवादा के ककोलत झरने (जलप्रपात) के नए स्वरूप का लोकार्पण करने ककोलत पहुंचे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीएम ने ककोलत की वादियों का अवल-ोकन कर इसका लोकार्पण किया। सीएम ने घूम-घूम कर सभी चीजों का जायजा लिया। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हम तो बराबर यहां निरीक्षण करने आते रहे हैं, अब अच्छा हो गया है। मौके पर वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रेम कुमार, नवादा सांसद विवेक ठाकुर, पूर्व विधायक कौशल यादव सहित कई नेता और अधिकारी मौजूद रहे।

नवादा जिले का भौगोलिक पटल प्राकृतिक रूप से अत्यंत समृद्ध मनोरम है। गोविन्दपुर प्रखंड के एकतारा जंगल में मनोरम पहाड़ियों के बीच ककोलत जलप्रपात प्रकृति का अद्भुत उपहार है।

प्रकृति की गोद में अवस्थित यह जलप्रपात अपनी शीतलता और नैसर्गिक सौन्दर्य से बरबस ही किसी को भी आकर्षित कर लेता है। उंची पहाड़ियों और घने वन के बीच कल-कल करके बहते झरने का मधुर संगीत पर्यटकों का मन मोह लेता है। ककोलत जलप्रपात का नैसर्गिक जलप्रपात, हरे-भरे जंगल और शिलाखंड बिहार प्रान्त में कश्मीर की वादियों का एहसास कराती है। पौराणिक एवं ऐतिहासिक रूप से यह जिला अति प्राचीन धरोहरों को सदियों से समेटे हुए है।

ककोलत, जिसे गंगा के मैदानी क्षेत्र का कश्मीर कहा जाता है। इसके झरने की धार से कई मीटर दूर रहने पर भी शीतलता की अनुभूति होने लगती है। प्रचंड गर्मी में भी उसके झरने के नीचे पहुंचते ही ठंडक का सुखद एहसास होता है। हजारीबाग की पर्वतमाला के मध्य नवादा जिले की सीमा के अन्दर लोहदंड पर्वतमाला के 160 फ़ीट से भी लगभग कुछ अधिक उत्तुंग शिखर से सीढ़ी-दर-सीढ़ी करके लोहबर नदी एक झरने के रूप में नीचे आती है और पर्यटकों व स्नानर्थियों को लुभाती तथा आकर्षित करती है।

कहा जाता है कि ककोलत जलप्रपात के जल में पका किसी भी तरह का गरिष्ठ भोजन करने के बाद इसका जल पी लिया जाय तो वह अतिशीघ्र पच जाता है और भूख लग जाती है।

बाइक सवार अपराधियों ने भाजपा नेता के पेट्रोल पंप को लूटा

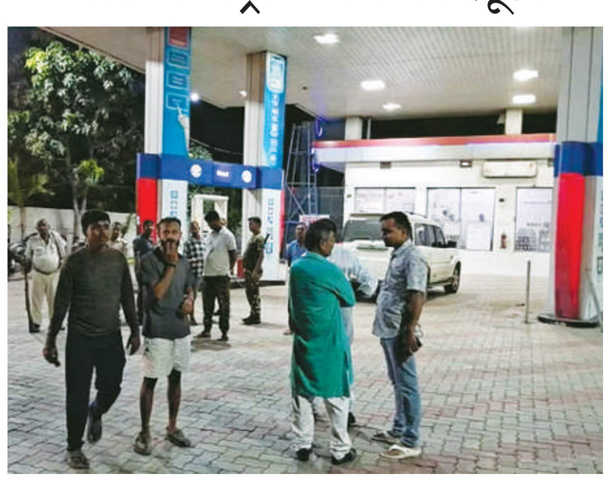

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में दो बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने हथियार के बल पर भाजपा विधायक के पंप को निशाना बनाते हुए 2 लाख रुपए से अधिक की राशि लूट ली। भाजपा नेता साहेबगंज के विधायक राजू कुमार सिंह हैं। पंपकर्मियों ने बताया कि अपराधी बाइक सवार थे, जिन्होंने घटना को अंजाम दिया है। अपराधियों की पहचान न हो सके इसके लिए अपराधी डीवीआर को भी लेकर फरार हो गये। घटना पानापुर थाना क्षेत्र के पखनहा स्थित एनएच 28 की है। पंपकर्मियों ने घटना की सूचना स्थानीय थाना को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जाँच में जुट गई। घटना के संबंध में पेट्रोल पंपकर्मी ने बताया कि अपराधियों ने सबसे पहले नोजल मैन से पेट्रोल लिया और फिर हथियार के बल पर मैनेजर के केबिन में घुस कर लूटपाट करने लगे। अपराधी भागते-भागते सीसीटीवी का डीवीआर को लेकर भी फरार हो गये।

इंडो नेपाल बॉर्डर पर तैनात एसएसबी ने 78 किलो गांजा बरामद किया

एक तस्कर भी गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसियां)। इंडो नेपाल बॉर्डर पर तैनात कोरैया एसएसबी के जवानों ने नेपाल से भारत लाए जा रहे 77 किलो 500 ग्राम गांजा को एक तस्कर के साथ पकड़ा है। एसएसबी ने यह कार्रवाई महुआवा पुलिस के सहयोग से की है। दरअसल, शुक्रवार की रात्रि इंडो नेपाल बॉर्डर पर तैनात कोरैया एसएसबी के जवानों ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी की। उसमें महुआवा पुलिस का सहयोग रहा।

जानकारी के मुताबिक, भारतीय सीमा के अंदर नेपाल से तस्कर गांजा की तस्करी कर ला रहे थे। सटीक छापामारी की गई और कोरैया के पास लगभग 77.500 किलो गांजा को बरामद कर लिया गया। उक्त गांजा को तस्करों ने हरे रंग की प्लास्टिक के बोरे के अंदर लाल रंग के प्लास्टिक में पैक करके भरा था। इसको तस्करों द्वारा नेपाल से भारत की ओर लाया जा रहा था।

एसएसबी और महुआवा पुलिस को देखकर कुछ तस्कर अंधेरे का फ़ायदा उठाकर वापस नेपाल की तरफ़ भाग गए। लेकिन उनमें एक तस्कर पकड़ा गया। पकड़े गए तस्कर की पहचान कोटवा थाना क्षेत्र के गैरा ग्राम निवासी ध्रुव पासवान के बेटे पप्पू पासवान (25) के रूप में की गई है। पकड़े गए समान (गांजा) और तस्कर को महुआवा पुलिस को सौंप दिया गया। अब पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

बताया जा रहा है कि बॉर्डर पर गांजा तस्करी के मामले काफी बढ़ गए है और एसएसबी आए दिन बड़ी खेप पकड़ रही है। तस्कर नेपाल और भारत के खुले बॉर्डर का लाभ भरसक प्रयास करते हैं। कुछ पकड़े भी जाते हैं और कई तस्करी में सफल भी हो जाते हैं। हाल ही में गांजे की बड़ी मात्रा के साथ एसएसबी ने एक मुखिया को पकड़ा था और उसको जेल भेज दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com